THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

टीएमसी ने एक बार फिर की पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की मांग

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की मांग की है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान टीएमसी सांसद रीताब्रत बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर बांग्ला किया जाए। इसमें राज्य के इतिहास और संस्कृति की छाप है। इसके अलावा शून्यकाल में अन्य मुद्दे उठाए गए। राज्यसभा सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने जुलाई 2018 में सर्वसम्मति से राज्य का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन केंद्र ने इस पर सहमति नहीं जताई।

वर्ष-29 अंक : 314 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ शु.8 2081 बुधवार, 5 फरवरी-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम मोदी ने बताई '3 डी' की ताकत

कहा अभी तो तीसरा ही टर्म है, विपक्ष पर साधे कई निशाने

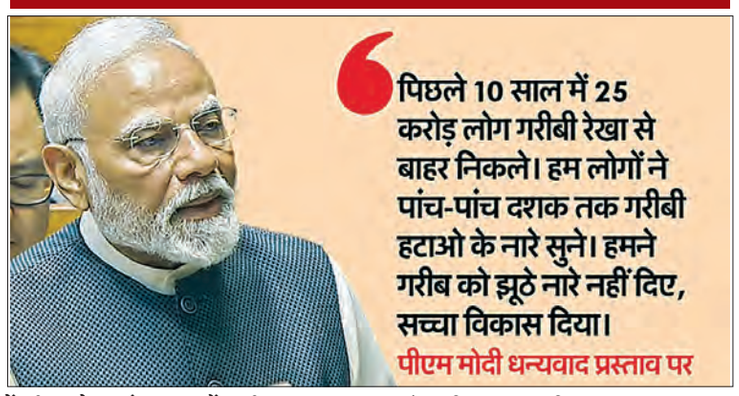

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अभी तो तीसरा ही टर्म है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में अपने भाषण के अंत जैसे ही यह वाक्य कहा, सत्ता पक्ष की तरफ खुशियों की लहर दौड़ पड़ी। पीएम ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में हम जुटे रहेंगे। क्या प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक केंद्र की सत्ता में बीजेपी के रहने की भविष्यवाणी कर दी? सवाल इसलिए क्योंकि मोदी सरकार ने आजादी के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री ने बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए विपक्ष और खासकर राहुल गांधी के उठाए सभी सवालों का जवाब दिया तो कई मौकों पर कटाक्ष भी किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी (आप) पर भी नाम लिए बिना कई निशाने साधे। पीएम मोदी ने कहा कि जाति के नाम पर समाज में जहर घोला जा रहा है। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के सांसद होने की तरफ इशारा करते हुए पूछा कि क्या कभी किसी एससी-एसटी परिवार से एक ही समय में तीन लोग सांसद हुए हैं? पीएम का यह सवाल निश्चित रूप से गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी को बहुत चुभन देने वाला है। पीएम मोदी ने कहा कि करोड़ों देशवासियों को मुफ्त अनाज से उसके परिवार के हजारों रुपये बचते हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जहां-जहां ये योजना लागू हुई है उस परिवार को औसतन सालभर से 25-30 हजार रुपये की बचत हो रही है। अगर ज्यादा बिजली है तो वो बेचकर कमाई कर रही है वो अलग है।

> केजरीवाल पर शीशमहल का ताना :

जो पैसे बचे हैं उसका उपयोग हमने शीशमहल बनाने के लिए नहीं किया है। ये देश बनाने के लिए किया है।

इन्फ्रा का बजट दस साल पहले 1.80 लाख करोड़ था। आज ये 11 लाख करोड़ रुपये का है। इसलिए राष्ट्रपति ने भारत की नींव कैसे मजबूत हो रही है इसका वर्णन किया है। जब ज्यादा बुखार चढ़ जाता है तो लोग कुछ भी बोलते हैं लेकिन जब ज्यादा निराशा, हताशा फैल जाता है तब भी लोग बहुत कुछ बोलते हैं। मैं बचत की बात कर रहा हूं लेकिन पहले अखबारों की हेडिंग होती थी- इतने लाख के घोटाले। 10 साल हो गए ये घोटाले न होने से भी देश के लाखों करोड़ रुपये बचे हैं तो जनता जर्नादन के सेवा में लगे हैं।

> राहुल को जवाब :

जो लोग फोटो सेशन कराकर अपना मनोरंजन करते रहते हैं उन्हें संसद में गरीबों की बात बोरिंग ही लगेगी। मैं उनका गुस्सा समझ सकता हूं। समस्या की पहचान करना एक बात है लेकिन अगर जिम्मेवारी है तो समस्या की पहचान करके छोड़ नहीं सकते। उसके समाधान के लिए समर्पित भाव से प्रयास करना पड़ता है।

आजकल सोशल मीडिया पर कुछ ज्यादा ही चर्चा हो रही है। कुछ नेताओं की नजर जकूजी और स्टाइलिश टावर पर है, लेकिन हमारा फोकस तो हर घर जल पहुंचाने पर है।

आजादी के 75 साल बाद देश में 75 प्रतिसत करीब 16 करोड़ से ज्यादा घरों से पास जल के लिए नल का कनेक्शन नहीं था। हमारी सरकार ने 5 साल में 12 करोड़ परिवारों को घरों में नल से जल देने का काम किया है। >14

ईसी बोले : चुनाव से पहले हम पर दबाव बनाया जा रहा

> आप ने आरोप लगाया था-आयोग गुंडागर्दी को बढ़ावा दे रहा, भाजपा को सपोर्ट कर रहा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करके दबाव बनाने की रणनीति को गलत बताया। आयोग ने कहा- हम संवैधानिक निकाय हैं और इस तरह के आरोपों का सामना करने में सक्षम हैं। हम इस तरह के आरोपों से प्रभावित नहीं होंगे।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव साफ-सुथरे होंगे। इसके लिए 1.5 लाख कर्मी तैनात किए गए हैं। दरअसल, आप ने आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग गुंडागर्दी को बढ़ावा दे रहा है और भाजपा को सपोर्ट कर रहा है। पार्टी ने यह आरोप तब लगाया था, जब दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज किया था। दिल्ली पुलिस ने सीएम आतिशी पर आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन पर केस दर्ज किया। सीएम आतिशी ने अपने ऊपर हुए एमसीसी उल्लंघन केस पर मंगलवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान आतिशी ने कहा- ईसीआई राजीव कुमार जी, अपनी सोई हुई आत्मा को जगाओ। आज लोकतंत्र राजीव कुमार के हाथ में है। उन्होंने आगे कहा, कल हमें सूचना मिली कि रमेश बिधूड़ी की टीम के कुछ लोग कालकाजी में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को धमका रहे हैं। हमारे पास जीपीएस टैग वाली तस्वीरें हैं, जिनसे पता चलता है कि रोहित चौधरी नाम का एक व्यक्ति रात में साइलेंस टाइम के दौरान भी मौजूद था। हमारी शिकायत पर पुलिस उसे ले गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आतिशी ने कहा, रमेश बिधूड़ी के कुछ लोग दूसरी कार में घूम रहे थे। उसमें अनुज बिधूड़ी भी था, जो रमेश बिधूड़ी का भतीजा है। जब एसएचओ वहां पहुंचा और उसने अनुज बिधूड़ी को देखा तो उसने सबके सामने उन्हें भगा दिया। इस बात से ध्यान हटाने के लिए पुलिसकर्मियों ने दो स्थानीय लड़कों की पिटाई की, जो एमसीसी उल्लंघन का वीडियो बना रहे थे। उन्हें बिना एफआईआर के रात 1 बजे से सुबह 6 बजे तक थाने में रखा गया।

पीएम मोदी ओबीसी का सबसे बड़ा चेहरा : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब दिये। इसी को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया है। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

किरेन रिजिजू ने अपने वीडियो में कहा कि राहुल गांधी पिछले दो-तीन सालों से लगातार ओबीसी, एससी और एसटी जैसी बातें करते रहते हैं। देश में सबसे बड़ा ओबीसी का चेहरा अगर कोई है, तो वह खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। लेकिन, वह उन्हें नहीं दिख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज की तारीख में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं, लेकिन राहुल गांधी को यह नहीं दिख रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी अंधे हो गए हैं?

गुजरात में भी आएगा यूसीसी : सीएम भूपेंद्र पटेल ने किया 5 सदस्यीय कमेटी का ऐलान

गांधीनगर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बाद अब एक और बीजेपी शासित राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड यानि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किए जाने की तैयारी है। इस राज्य का नाम गुजरात है और राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इसका ऐलान किया है। इसे लेकर एक कमेटी भी बनाई गई है। बताना होगा कि इससे पहले उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू कर दिया गया है। अब गुजरात भी इस दिशा में आगे बढ़ने जा रहा है। भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने और कानून बनाने के लिए पांच सदस्यीय पैनल गठित करने की घोषणा की है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सर्वोच्च न्यायालय की रिटायर्ड जज रंजना देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति 45 दिनों में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर सरकार आगे फैसला लेगी।कमेटी की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, भारतीयता हमारा धर्म है और संविधान हमारा पवित्र ग्रंथ है। जैसा कि हम संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समान अधिकार सुनिश्चित करने के लिए पूरे देश में एक समान कानून लागू करने का फैसला किया है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मतलब है देश में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना, चाहे उनका धर्म, जाति और जेंडर कुछ भी हो। यदि किसी राज्य में नागरिक संहिता लागू हो जाए तो वहां विवाह, तलाक, बच्चे को गोद लेने और संपत्ति के बंटवारे जैसे सभी विषयों पर प्रत्येक नागरिक के लिए एक जैसा कानून लागू होगा।

जीबी सिंड्रोम के 163 मामले 21 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के 5 नए मरीज सामने आए हैं। पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और दूसरे इलाकों में इनकी सख्या बढ़कर 163 हो गई है। मरने वालों का आंकड़ा भी 5 पर पहुंच गया है। अभी तक देश के 5 राज्यों में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मरीज सामने आ चुके हैं। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 47 मरीज आईसीयू और 21 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं, जबकि 47 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इन 163 मामलों में पुणे से 86, पिंपरी चिंचवाड़ से 18, पुणे ग्रामीण से 19 मामले और दूसरे जिलों से 8 मामले हैं। >14

'क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे?'

> निर्वासन मसले पर असम सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने विदेशी घोषित किए गए लोगों को निर्वासित न करने और उन्हें अनिश्चितकाल तक निरुद्ध केंद्रों में रखने के लिए असम सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने असम सरकार से पूछा कि क्या वह किसी मुहूर्त का इंतजार कर रही है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सरकार निरुद्ध केंद्रों में रह रहे 63 लोगों को दो सप्ताह के भीतर उनके देश वापस भेजना शुरू करे।

सुप्रीम कोर्ट ने असम के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि निर्वासन संभव नहीं था क्योंकि प्रवासियों ने अपने विदेशी पते का खुलासा नहीं किया था। सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार को दो सप्ताह के भीतर हिरासत केंद्रों में रखे गए 63 लोगों को निर्वासित करने का निर्देश दिया। जस्टिस अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों के विदेशी होने की पुष्टि होते ही उन्हें तत्काल निर्वासित कर दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, आपने यह कहकर निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया कि उनके पते पता नहीं हैं। यह हमारी चिंता क्यों होनी चाहिए? आप उन्हें उनके देश भेज दें। क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं? पीठ ने असम सरकार की ओर से पेश वकील से कहा कि जब आप किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करते हैं, तो आपको अगला तार्किक कदम उठाना पड़ता है। आप उन्हें अनंत काल तक निरुद्ध केंद्र में नहीं रख सकते। संविधान का अनुच्छेद 21 मौजूद है। असम में विदेशियों के लिए कई निरुद्ध केंद्र हैं। आपने कितने लोगों को निर्वासित किया है? शीर्ष कोर्ट ने असम सरकार को निर्देश दिया कि वह निरुद्ध केंद्रों में रखे गए 63 लोगों को दो सप्ताह के भीतर निर्वासित करना शुरू करे और अनुपालन हलफनामा दाखिल करे। पीठ ने असम में विदेशी घोषित किए गए लोगों के निर्वासन और निरुद्ध केंद्रों में सुविधाओं से संबंधित याचिका पर सुनवाई की।

सुप्रीम कोर्ट का यूएपीए संशोधनों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार, हाईकोर्ट भेजा मामला

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उन याचिकाओं को सुनने से इनकार कर दिया, जो गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के संशोधन के खिलाफ दायर की गई थीं। इन संशोधनों के तहत राज्य को व्यक्ति को आतंकवादी घोषित करने और उसकी संपत्ति की जब्द करने का अधिकार दिया गया है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने इस मामले को दिल्ली हाईकोर्ट को भेजने का निर्णय लिया। चीफ जस्टिस (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने इस मामले को दिल्ली हाईकोर्ट को भेजने का निर्णय लिया। कोर्ट ने कहा, हम पहले इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते। ऐसे मामलों में कई जटिल समस्याएं होती हैं और कभी-कभी याचिकाकर्ता या सरकार की तरफ स कुछ मुद्दे छूट जाते हैं, फिर हमें इसे बड़ी बेंच के पास भेजना पड़ता है।

इतनी बड़ी घटना नहीं थी, बढ़ा चढ़ाकर दिखाया : हेमा मालिनी

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने मंगलवार को एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कुंभ में मची भगदड़ की घटना इतनी बड़ी नहीं थी जितना इसे बढ़ा चढ़ाकर दिखाया गया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का प्रबंधन बहुत अच्छी तरह से किया जा रहा है। बता दें कि 29 जनवरी मौनी अवमस्या के दिन महाकुंभ में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 लोग घायल हुए थे।

हेमा मालिनी ने कहा कि हम कुंभ गए थे, हमने अच्छे से स्नान किया। हर तरफ अच्छा प्रबंधन था। हां कुछ वहां भगदड़ मची लेकिन इतना कुछ बड़ा नहीं हुआ था। इसे बढ़ा चढ़ाकर बताया गया। वहां बहुत सारे लोग आ रहे हैं। इतनी भीड़ को नियंत्रित करना कठिन होता है लेकिन हम अच्छे से मैनेज कर रहे हैं।

लोग गरीबी और बेरोजगारी के चलते शहरों में कर रहे हैं पलायन : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि, गरीबी और बेरोजगारी के कारण बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण क्षेत्रों से दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर जैसे महानगरों की ओर पलायन कर रहे हैं। गडकरी ने कहा कि लोग शहरी क्षेत्रों की ओर इसलिए भी पलायन कर रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी कृषि उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि, बेरोजगारी और गरीबी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर बहुत अधिक पलायन हो रहा है। यही कारण है कि आज हम दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बैंगलोर जैसे महानगरों में बहुत सारी समस्याएं देख रहे हैं। भारत में फ्लेक्स इंजन वाली गाड़ियां आ रही हैं और देश में इथेनॉल पंप खोले जा रहे हैं और इससे किसानों की आय बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि, यह वह क्षेत्र है जहां हम कृषि को समर्थन दे सकते हैं... पहले हम किसानों को 'अन्नदाता' कहते थे, लेकिन हमारी सरकार ने किसानों को 'ऊर्जादाता' भी बना दिया है। हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताते हुए गडकरी ने कहा कि हमारा सपना हाइड्रोजन ईंधन का निर्यातक बनना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ विमानन ईंधन सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

एक समान टोल नीति पर काम कर रही सरकार :

इससे पहले नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सड़क परिवहन मंत्रालय राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों को राहत देने के लिए एक समान टोल नीति पर काम कर रहा है। गडकरी ने यह भी कहा कि अब भारत का राजमार्ग बुनियादी ढांचा अमेरिका के बराबर है।

उन्होंने कहा था कि, हम एक समान टोल नीति पर काम कर रहे हैं। इससे यात्रियों को होने वाली समस्याओं का समाधान होगा। गडकरी अधिक टोल शुल्क और खराब सड़क की शिकायतों के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वालों के बीच बढ़ते असंतोष पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर एक बाधा रहित वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने का फैसला किया है।

योगी और भूटान नरेश ने संगम में डुबकी लगाई

> गंगा पूजन के बाद अक्षयवट का दर्शन किया

> अब तक 37 करोड़ ने स्नान किया

प्रयागराज, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम योगी और भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने संगम में डुबकी लगाई है। गंगा पूजन और आरती की। इसके बाद अक्षयवट धाम और लेटे हनुमान में दर्शन-पूजन किया।

योगी और भूटान नरेश के साथ लखनऊ से विमान से बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से महाकुंभ आए। अरैल घाट से बोट में सवार होकर संगम गए और स्नान किया। इस दौरान भूटान नरेश ने योगी के साथ पक्षियों को दाना खिलाया और फोटो भी खिंचवाई। योगी के दौरे को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर और अक्षयवट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया है। शाम 4 बजे के बाद खोला दिया गया। 5 फरवरी को पीएम मोदी महाकुंभ आ रहे हैं, ऐसे में योगी हेलीपैड से लेकर अरैल घाट और संगम नोज तक की व्यवस्था को भी देखेंगे। महाकुंभ का आज 23वां दिन है। सरकार के मुताबिक, अब तक 37.54 करोड़ लोग डुबकी लगा चुके हैं। 4 बजे तक 66.70 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। कल यानी बसंत पंचमी पर 2.33 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इधर, 29 जनवरी को हुई भगदड़ से संबंधित अफवाह फैलाने के आरोप में प्रयागराज पुलिस ने 8 लोगों पर केस दर्ज किया गया। इन्होंने अपने एक्स अकाउंट और इंस्टाग्राम आईडी से वीडियो-फोटो अपलोड किए थे।

पूर्व और पश्चिम के पड़ोसियों के लिए हमारे अलग-अलग मानक : जयशंकर

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को आईआईसी ब्रूगल के वार्षिक सम्मेलन में वैश्विक राजनीति में हो सिद्धांतों के गलत प्रयोग को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और सैन्य शासन के नाम पर सिद्धांतों का गलत प्रयोग किया जा रहा है। इसके लिए हमने अपने पूर्व और पश्चिम के पड़ोसियों के लिए अलग-अलग मानक लागू किए हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि जहां तक लोकतंत्र और सैन्य शासन का सवाल है, हमने पूर्व और पश्चिम के पड़ोसियों के लिए अलग-अलग मानक लागू किए गए हैं। मेरा यह कहना नहीं है कि सिद्धांत पूरी तरह से गलत है या हमें पूरी तरह से वास्तविक राजनीति में शामिल होना चाहिए, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकता है कि एजेंडा कुछ लोगों द्वारा निर्धारित किया जाए और बाकी लोग केवल उसका पालन करें।

गैरजिम्मेदार राजनीति में लिप्त हैं नेता विपक्ष : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 3 फरवरी 2025 को संसद में अपने भाषण में भारत-चीन सीमा पर स्थिति पर सेना प्रमुख के बयान के बारे में झूठे आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कहा था कि चीन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे इनकार रहे हैं। लेकिन सेना इस बात से सहमत नहीं है।

सरकार ने सभी विवरण संसद में किए साझा :

वहीं सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री ने लिखा- सेना प्रमुख की टिप्पणी में केवल दोनों पक्षों की तरफ से पारंपरिक गश्त में व्यवधान का उल्लेख था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में हुई सैन्य वापसी के हिस्से के रूप में इन प्रथाओं को उनके पारंपरिक स्वरूप में बहाल किया गया है। सरकार ने संसद में ये विवरण साझा किए हैं। राजनाथ सिंह ने आगे लिखा- राहुल गांधी की तरफ से सेना प्रमुख के लिए कहे गए शब्द कभी भी सेना प्रमुख की तरफ से नहीं कहे गए थे। यह बहुत खेद की बात है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय हित के मामलों पर गैरजिम्मेदार राजनीति में लिप्त हैं। यदि कोई भारतीय क्षेत्र है जिसमें चीन घुसा है, तो वह 1962 के युद्ध के बाद अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किमी और 1963 में पाकिस्तान की तरफ से चीन को अवैध रूप से सौंपे गए 5,180 वर्ग किमी क्षेत्र है। राहुल गांधी हमारे इतिहास के इस चरण के बारे में आत्मनिरीक्षण करने पर विचार कर सकते हैं। बता दें कि, राहुल गांधी ने एक दिन पहले चीन के सीमा पर आक्रामक रुख को लेकर भी सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने सदन में कहा कि चीन की सीमा पर आक्रामकता को लेकर सैन्य अधिकारियों के बयानों में अंतर है।

महामारी से निपटने के लिए भारत के पास मजबूत प्रणाली : स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास भविष्य में होने वाले महामारी और स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए एक मजबूत प्रणाली है। राज्यसभा में पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए नड्डा ने बीते दस वर्षों में स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। नड्डा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व भारत ने साबित कर दिया है कि हमारे पास भविष्य में आने वाले किसी भी महामारी से निपटने की एक ठोस प्रणाली है। भारत की क्षमताओं का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश के पास महामारी की निगरानी और जांच के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र है। उन्होंने कहा, यह शीर्ष निकाय रोगों और उनके उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) और वायरस के नए रूपों (वैरिएंट) की निगरानी करता है।

'बिना सबूत उन्हें ऐसा कहने का कोई अधिकार नहीं'

> कुंभ को लेकर जया बच्चन की टिप्पणी पर अरुण गोविल का पलटवार

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद जया बच्चन की टिप्पणी पर भाजपा सांसद अरुण गोविल ने पलटवार किया। उन्होंने दूषित पानी और कुंभ भगदड़ के दौरान मारे गए लोगों के शवों को नदी में फेंके जाने के उनके दावों पर सवाल उठाया। अरुण गोविल ने सपा सांसद से इसका सबूत मांगा है। उन्होंने कहा बिना किसी सबूत के उन्हें इस तरह का बयान देने का कोई अधिकार नहीं है। भाजपा सांसद ने जया बच्चन की टिप्पणियों को आधारहीन बताया।

भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा, क्या उन्होंने कोई सबूत दिया? जब उन्होंने कोई सबूत दिया ही नहीं तो उन्हें यह कहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर भारतीय संस्कृति, धर्म और सनातन पर दिलचस्पी नहीं लेने का आरोप लगाया। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा, विपक्ष को हमारी संस्कृति, धर्म और सनातन से कोई लेना-देना नहीं है। वे केवल राजनीतिकरण करते हैं। सपा सांसद जया बच्चन ने सोमवार को आरोप लगाया था कि कुंभ का पानी दूषित है और भगदड़ पीड़ितों के शव को नदी में फेंक दिया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए जया बच्चन ने कहा, कहां का पानी सबसे ज्यादा दूषित है? कुंभ का।

सरकारी और अर्धसरकारी दफ्तरों में मराठी बोलना अनिवार्य

> इनकार करने वालों पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की देवेन्द्र फडणवीस सरकार ने मराठी भाषा का सख्ती से पालन कराने की दिशा में ठोस कदम उठाया है। राज्य में यदि कोई किसी काम से सरकारी या अर्ध सरकारी कार्यालय में जाता है तो उन्हें मराठी भाषा में ही बात करनी होगी। मराठी भाषा नीति की सिफारिशों पर क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार ने अब सभी सरकारी और अर्धसरकारी कार्यालयों में मराठी बोलना अनिवार्य कर दिया है। मराठी भाषा का उपयोग करने से इनकार करने वालों अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों और बैंकों को मराठी भाषा में ही साइन बोर्ड लगाने होंगे। सोमवार को नियोजन विभाग ने इस संबंध में एक शासनादेश (जीआर) जारी किया है। शासनादेश के अनुसार सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यालयों, स्थानीय स्वशासन निकायों, मंडी और सरकारी सहायता प्राप्त कार्यालयों के लिए आगंतुकों (राज्य के बाहर से आने वाले गैर मराठी लोगों को छोड़कर) से मराठी में संवाद करना अनिवार्य होगा। इसे सख्ती से लागू किया जाएगा। कार्यालयों में मराठी में बातचीत नहीं करने वाले सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के बारे में संबंधित कार्यालय प्रमुख या विभाग प्रमुख को शिकायत की जा सकती है। कार्यालय प्रमुख या विभाग प्रमुख मामले की पुष्टि करेंगे और जांच के बाद यदि संबंधित सरकारी अधिकारी, कर्मचारी दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, यदि शिकायतकर्ता को लगता है कि कार्यालय प्रमुख या विभाग प्रमुख द्वारा की गई कार्रवाई त्रुटिपूर्ण है, तो वह मराठी भाषा समिति में अपील कर सकता है।

मराठी में ही जारी होंगे विज्ञापन और टेंडर नोटिस

महाराष्ट्र सरकार की कंपनियों, बोर्ड, निगम, अर्ध-सरकारी संस्था, स्थानीय निकाय आदि की तरफ से मराठी अखबारों में विज्ञापन, निविदा नोटिस केवल मराठी भाषा में दिए जाएंगे। जिला स्तर पर मराठी भाषा नीति को लागू करने की जिम्मेदारी जिला स्तरीय मराठी भाषा समिति की होगी। केंद्र सरकार के त्रिभाषा फार्मूले के अनुसार राज्य में केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों तथा सभी बैंकों के सामने नोटिस बोर्ड, अधिकारियों के नाम-पट्टिका तथा आवेदन-पत्र मराठी भाषा में होना अनिवार्य होगा। सरकारी और अर्ध-सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ-साथ बोर्ड और निगम सहित सरकार के उपक्रम और कंपनियों के संचालन में केवल मराठी नामों का ही उपयोग किया जाएगा। नए नाम मराठी में ही होगा जिसका अंग्रेजी में अनुवाद नहीं किया जाएगा, बल्कि इसे रोमन लिपि में ही लिपिबद्ध किया जाएगा।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी

इंफाल समेत कई जगह से नौ उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

इंफाल, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, काकचिंग और थौबल जिलों से सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के मंत्रिपुखरी ठाकुरबाड़ी इलाके से सोमवार को 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (सिटी मेइती) के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से नौ एमएम की एक पिस्तौल, एक मैगजीन, 11 कारतूस, दो हथगोले और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए।

पुलिस ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थोकचोम लेईकाई से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमसी) प्रोग्रेसिव' के एक सदस्य को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। 'प्रतिबंधित यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के एक सदस्य को भी जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल होने के आरोप में सोमवार को काकचिंग जिले के इरेंगबैंड हवाइरौ क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। मणिपुर पुलिस ने सोमवार को थौबल जिले के याइरीपोक बाजार से पीआरईपीएके (पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक- प्रो) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि रविवार को सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के वबागई बाजार क्षेत्र से जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लुप के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया।

हथियार और गोला बारूद जब्त

इस बीच सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान के दौरान बिष्णुपुर और तेंगनौपाल जिलों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद जब्त किए। बिष्णुपुर जिले में खुगा नदी के तट के पास फोगाकचाओ ममांग लेईकाई इलाके में सोमवार को चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक एके-47 राइफल और एक मैगजीन, एक 2 इंच मोर्टार, दो एसएमजी कार्बाइन, दो देशी 9 एमएम पिस्तौल और मैगजीन, तीन हथगोले, दो आईईडी विस्फोटक, 20 जिलेटिन छड़ें और पांच 9 एमएम जिंदा कारतूस जब्त किए।

तीन दिन से कार्रवाई जारी

पुलिस ने सोमवार को इंफाल पश्चिम जिले के खुयाथोंग क्रॉसिंग से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक 9 एमएम पिस्तौल और एक मैगजीन जब्त की। इससे पहले रविवार को सुरक्षा बलों ने तेंग्नौपाल जिले के दुथांग लाइचिंग ट्रैक में तलाशी अभियान के दौरान एक 9 एमएम पिस्तौल मैगजीन के साथ, एक एके-47 राइफल मैगजीन के साथ, एक .303 राइफल, 12 बोर राइफल (देशी) के साथ गोला-बारूद जब्त किए थे।

लोग पुण्य कमाने आए थे, अपनों के शव लेकर गए : अखिलेश

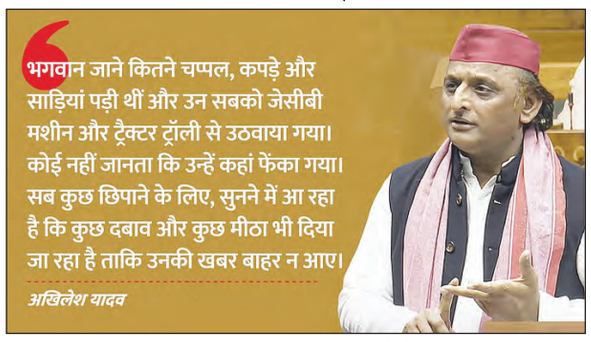

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने महाकुंभ हादसे में हुई मौतों को लेकर लोकसभा में सरकार से कई सवाल किए। उन्होंने मामले में पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने सरकार से मौतों, घायलों के इलाज और आयोजन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में सटीक आंकड़े पेश करने को कहा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए अखिलेश ने स्थिति को स्पष्ट करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। उन्होंने सिफारिश की कि आपदा प्रबंधन और खोया-पाया केंद्र को सेना को सौंप दिया जाना चाहिए। अखिलेश ने सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि एक धार्मिक समागम में राजनीतिक प्रचार अशोभनीय, निंदनीय है। सरकार ने महाकुंभ का इतना प्रचार किया और मैंने कई टीवी इंटरव्यू और समाचार चैनलों पर ये बात सुनने में आई कि सरकार ने 100 करोड़ लोगों के आने का इंतजाम किया है।

ठाणे में सौतेली बेटी के यौन उत्पीड़न का आरोपी बरी

> हत्या के पांच आरोपियों को आजीवन कारावास

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने 14 वर्षीय सौतेली बेटी के यौन उत्पीड़न के आरोपी पिता को बरी कर दिया। दरअसल, बेटी ने पिता के खिलाफ लगे आरोपों से इनकार कर दिया था। विशेष पॉक्सो जज रूबी यू मालवंकर ने व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत आरोपों से बरी कर दिया। 23 जनवरी को पारित आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई।

विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि लड़की अपनी मां और सौतेले पिता के साथ रहती है। लड़की ने आरोप लगाया था कि उसके सौतेले पिता उसे गलत तरीके से छूते और अश्लील वीडियो दिखाते थे। नाबालिग के साथ यह उत्पीड़न जनवरी 2021 से फरवरी 2021 के बीच हुआ। लड़की की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। सोतेले पिता को गिरफ्तार कर पांच महीने तक जेल में रखा गया।

न्यायाधीश ने बताया कि दोनों मुख्य गवाह लड़की और उसकी मां अभियोजन पक्ष के समर्थन में गवाह देने में विफल रही। अदालत ने बताया कि मां और बेटी ने कहा कि व्यक्ति ने लड़की को पीटा, जिसे देखकर गुस्से में मां ने एक शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत में उसने परिस्थितियों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया। लड़की ने अपनी गवाही में कहा कि जब वह गलती करती थी तो उसका सौतेला पिता उसे पीटता था। घटना वाले दिन व्यक्ति को लगा कि लड़की उसका मोबाइल फोन इस्तेमाल कर रही है, जिसके लिए उसने उसकी पिटाई कर दी।

नाबालिग से दुष्कर्म-ब्लैकमेल के आरोप में दो गिरफ्तार

बंगलूरु, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के गदग में 15 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने और उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उनकी पहचान सुलेमान और अल्ताफ के तौर पर की गई है। पुलिस के अनुसार, सुलेमान ने दिसंबर में लड़की से दुष्कर्म किया था, जबकि अल्ताफ ने उसका वीडियो बनाया था। इस वीडियो के जरिए दोनों आरोपियों ने लड़की को ब्लैकमेल किया। यह घटना तब सामने आई, जब लड़की ने इसके बारे में अपने माता-पिता को बताया। उन्होंने नारेगल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस घटना पर बात करते हुए गदग के एसपी बीएस नेमागौड़ा ने प्रतिक्रिया दी।

गाय चोरी की घटनाओं पर प्रभारी मंत्री की चेतावनी

> आरोपियों को बीच चौराहे पर गोली मार दी जाए

बंगलूरू, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उत्तरी कन्नड़ जिले में बढ़ रहीं गाय चोरी की घटनाओं को लेकर प्रभारी मंत्री ने कड़ी चेतावनी दी है। जिला प्रभारी मंत्री मंकल एस वैद्य ने कहा कि इन घटनाओं में शामिल लोगों को सड़क और बीच चौराहे पर गोली मार दी जानी चाहिए। मैं जिले में ऐसी गतिविधियां बिल्कुल नहीं होने दूंगा। गायों की रक्षा करने और उनको पालने वालों के हित के लिए प्रशासन सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

उत्तरी कन्नड़ जिले में हाल ही में गाय चोरी की घटनाएं बढ़ गईं हैं। पिछले दिनों होन्नवार ने एक गाय की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया था। मंत्री मंकल एस वैद्य ने कहा कि यूं तो गायों की चोरी कई साल से हो रही है। मैंने एसपी से कहा है कि यह रुकना चाहिए और किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होना चाहिए। यह गलत है। हम गाय की पूजा करते हैं। हम उन्हें प्यार से पालते हैं। हम इसका दूध पीकर बड़े हुए हैं। मैंने पुलिस को निर्देश दिया है कि इसके पीछे जो भी लोग हैं, चाहे वे कोई भी हों, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। मंत्री ने कहा कि कुछ मामलों में गिरफ्तारियां की गईं हैं। अगर ऐसी चीजें जारी रहती हैं तो मैं यह कहूंगा कि आरोपियों को सड़क पर या चौराहे पर गोली मार दी जाए। काम करो, कमाओ और खाओ। हमारे जिले में पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध हैं।

हम किसी भी कीमत पर ऐसे लोगों का समर्थन नहीं करेंगे। मंत्री ने कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी तब भी ऐसी घटनाएं हुई हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर सत्ता में रहते हुए इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि अगर हम ऐसी गतिविधियों का समर्थन करते तो एफआईआर और गिरफ्तारियां कैसे होती हैं?

उन्होंने कहा कि हम चुप नहीं बैठे हैं। पुलिस इसे नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई कर रही है। सरकार वहां है, मैं यहां हूं। सभी कार्रवाई की जा रही हैं। इस मुद्दे पर न तो सरकार, न ही मुख्यमंत्री या गृह मंत्री किसी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि हम गाय पालने वालों की रक्षा के लिए काम करेंगे, डरने की कोई जरूरत नहीं है।

कालकाजी में रातभर बवाल, सीएम आतिशी पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में चुनाव प्रचार थम चुका है। लेकिन पूरी रात कई इलाकों में गहमागमी देखी गई। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ आचार संहिता का मामल दर्ज कर लिया है तो वहीं दूसरी तरफ उनकी ही शिकायत पर भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बेटे के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया है। अपने ऊपर मामला दर्ज होने पर सीएम आतिशी और अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया। आतिशी ने कहा कि चुनाव आयोग गजब है।

रमेश बिधूड़ी के बेटे पर एफआईआर

डीसीपी साउथ ईस्ट दिल्ली ने एक्स पर पोस्ट साझा कर इस मामले में मनीष बिधूड़ी और रवि दयामा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत का संज्ञान लिया है। थाना गोविंदपुरी में धारा 126 आरपी एक्ट के तहत कानूनी मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस ने एक्स पर लिखा कि इस मामले में मनीष बिधूड़ी और रवि दयामा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत का संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ गोविंदपुरी थाने में मामला दर्ज किया गया है। धारा 126 आरपी अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए एक अन्य आरोप का जवाब देते हुए

पुलिस ने कहा कि रमेश बिधूड़ी के परिवार के तीन और सदस्य, जो तुगलकाबाद गांव में रहते हैं। रात एक बजे कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में घूमते पाए गए थे।

सीएम आतिशी के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मामला

कालकाजी से आप उम्मीदवार आतिशी के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने आदर्श आचार संहिता मामले में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमने गोविंदपुरी पुलिस थाने में आप उम्मीदवार के खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आगे बताया कि आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार को फतेह सिंह मार्ग पर 50-70 समर्थकों और 10 वाहनों के साथ पाया गया। जिसके बाद कार्रवाई की गई। पुलिस ने उन्हें एमसीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार क्षेत्र खाली करने का निर्देश दिया। लेकिन उन्होंने एक अधिकारी को उसकी ड्यूटी करने से रोका। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। सीएम आतिशी ने एक्स पर पोस्ट लिखा है।

आतिशी पर मामला दर्ज होने पर भड़के संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश में चुनाव आयोग नाम की कोई संस्था नहीं बची। दिल्ली में संसद है, सुप्रीम कोर्ट है, चुनाव आयोग है और चुनाव आयोग की नाक के नीचे ये सब हो रहा है। कालकाजी में खुलेआम गुंडागर्दी हो रही है, रमेश बिधूड़ी के रिश्तेदार वहां घूम रहे हैं। जंगपुरा में भाजपा उम्मीदवार गुंडागर्दी कर रहे हैं। नई दिल्ली में भी ये सब हो रहा है। लेकिन चुनाव आयोग को ये नहीं दिखता। उल्टा एक महिला मुख्यमंत्री की शिकायत पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। अगर ये हाल है तो मुझे लगता है कि निष्पक्ष चुनाव और चुनाव आयोग का कोई मतलब नहीं है। वहीं दूसरे तरफ आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी एक्स पर पोस्ट लिखा।

खबरें जरा हटके

लव मैरिज में पढ़ी गई 'दहेज' की ऐसी लिस्ट, चकरा गए रिश्तेदार, सिर झुकाए बैठा रहा दूल्हा!

सोशल मीडिया पर आए दिन कोई न कोई वीडियो वायरल होता ही है. इसमें से कुछ तो इतने दिलचस्प होते हैं कि बार-बार देखने का मन होता है. ऐसा ही एक वीडियो शादी से जुड़ा हुआ इस वक्त वायरल है. वीडियो में आप जो देखेंगे, वो कंटेंट काफी दिलचस्प है और आप हंसे बिना रह ही नहीं पाएंगे. आज भी शादी-ब्याह के वक्त आज भी दान-दहेज की बातें तय की जाती हैं और इसके चक्कर में काफी क्लेश भी हो जाता है. इस वक्त जो वीडियो चर्चा में है, वो भी इसी से जुड़ा हुआ है. आप देखेंगे कि इसमें एक लड़के की शादी से पहले तिलक की रस्म हो रही है. इसमें एक शख्स खड़ा होकर ज़ोर-ज़ोर से बता रहा है कि दूल्हा को क्या मिलेगा और क्या नहीं.

लव मैरिज है यही मिलेगा

वायरल हो रहे वीडियो में दूल्हे के हाथ में एक थाल है और उसके सिर पर रूमाल रखकर तिलक की रस्म अदा की जा रही है. इसी बीच एक शख्स लिस्ट लेकर खड़ा होता है और बताने लगता है कि दहेज में क्या-क्या मिलेगा. शख्स बताता है कि लड़के को न तो गाड़ी मिलेगी, न ही घड़ी, कोई कैश भी नहीं मिलगा और इतना कहकर वो थाल से पैसे हटा लेता है. इतना ही नहीं वो बताता है कि घर में सास-बहू का कलेश मिलेगा, प्रॉपर्टी का हिस्सा होगा और इतना ही नहीं एलिमनी भी तैयार रखनी होगी क्योंकि कब तलाक हो जाए, कहा नहीं जा सकता.

लोगों ने किए दिलचस्प कमेंट

वीडियो को इंस्टाग्राम अकाउंट से तीन दिन पहले शेयर किया गया है. इसे अब तक 24 मिलियन यानि 2.4 करोड़ लोग देख चुके हैं, जबकि 12 लाख से भी ज्यादा लोगों ने देख लिया है. वीडियो पर कमेंट करते हुए लोगों ने बहुत कुछ लिखा है. एक यूज़र ने लिखा – मेरा देश बदल रहा है. वहीं एक अन्य यूज़र ने लिखा – छोरे का तो भाग्य चमक गया है.

ये है दुनिया की सबसे महंगी गाय, कीमत 10-20 करोड़ नहीं बल्कि...इतने में तो 50 घोड़े आ जाएं!

क्या आप यकीन कर सकते हैं कि एक गाय की कीमत करोड़ों रुपये हो सकती है? यह कोई मजाक नहीं, बल्कि सच्चाई है! ब्राजील में 'Viatina-19' नाम की एक नेलोर गाय को 4 मिलियन डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपये) में बेचा गया है. अब सवाल यह उठता है कि आखिर यह गाय इतनी महंगी क्यों है? चलिए, इस रहस्य से पर्दा उठाते हैं और जानते हैं कि क्या खास है इस गाय में.

गायों की अनोखी दुनिया और महंगी नस्लें

गायें सिर्फ दूध देने के लिए ही नहीं होतीं, बल्कि कुछ खास नस्लों की कीमत उनके असाधारण गुणों के कारण बहुत ज्यादा होती है. दुनिया में ऐसी कई नस्लें हैं जो अपनी अनूठी विशेषताओं की वजह से लाखों-करोड़ों में बिकती हैं. जापान की वाग्यू और भारत की ब्राह्मण गायें इसकी बेहतरीन मिसाल हैं. ये गायें गर्मी में भी आसानी से जी सकती हैं और इनकी नस्ल बहुत ही शुद्ध मानी जाती है. यही वजह है कि इनकी मांग पूरी दुनिया में बनी रहती है.

दुनिया की सबसे महंगी नेलोर गाय: Viatina-19

'Viatina-19' नाम की यह गाय ब्राजील के मिनस गेरैस में इतिहास रच चुकी है. यह अब तक की सबसे महंगी नेलोर नस्ल की गाय बन गई है. इस गाय का वजन 1,101 किलोग्राम है, जो किसी भी आम गाय के मुकाबले दोगुना है. यह गाय न केवल अपनी भारी कीमत के लिए मशहूर है, बल्कि इसकी खास शारीरिक बनावट भी इसे दुनिया की सबसे अनोखी गाय बनाती है.

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

'Viatina-19' सिर्फ सबसे महंगी गाय ही नहीं, बल्कि यह खूबसूरती के मामले में भी अव्वल है. इसने 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में अपना नाम दर्ज कराया है और 'चैंपियंस ऑफ द वर्ल्ड' प्रतियोगिता में 'मिस साउथ अमेरिका' का खिताब भी जीता है. इसकी सफेद, चमकदार त्वचा, लचीली चमड़ी और उभरा हुआ कूबड़ इसे और भी खास बनाते हैं. इन विशेषताओं की वजह से यह गर्म इलाकों में ज्यादा आसानी से रह सकती है और मजबूत भी बनी रहती है.

लड़की ने खाया केक का टुकड़ा, मुंह में जाते ही हुई गड़बड़, फेंकने ही वाली थी कि मिला 'सरप्राइज़'!

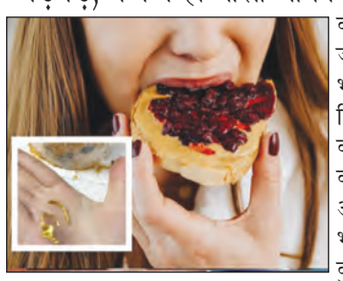

कई बार हमारे साथ ऐसा हो जाता है, जिसकी कल्पना भी नहीं हो. कभी तो ये किसी अपने की तरफ से की गई प्लानिंग होती है तो कभी ये यूं ही हो जाता है. अगर इसके बारे में बिल्कुल भी पता न हो तो मामला कुछ इस तरह बिगड़ सकता है, जैसा कि पड़ोसी देश चीन में एक लड़की के साथ हुआ. वो गई तो थी रेस्टोरेंट में कुछ खाने के लिए लेकिन उसके साथ जो हुआ, वो उसके लिए शॉकिंग था. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक प्रेमी के साथ बैठी हुई लड़की को शायद तेज़ भूख लगी थी, इसीलिए उसने अपने सामने आए केक की एक बाइट में कुछ ऐसा खा लिया, जो खाने के लिए था भी नहीं. चलिए आपको बताते हैं ये दिलचस्प वाक्या, जिसे सुनकर आप भी रोमांचित हो जाएंगे.

केक के अंदर थी रिंग, प्रेमिका ने खा ली

ये मामला चीन के सिचुआन प्रांत का है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. लियु नाम की एक लड़की ने खुद ही बताया कि वो एक दिन घर पर लौटी तो बहुत भूखी थी. उसके ब्वॉयफ्रेंड ने उसके लिए तारो और मीट फ्लॉस केक बनाया था. उसने इसकी एक बाइट ली और इसे चबा रही थी, तभी उसे कुछ कड़ा सा महसूस हुआ और उसने तुरंत ही इसे थूक दिया. लियु को पहले लगा कि केक खराब था और उसे तुरंत बेकरी में बात करनी चाहिए. हालांकि उसे ब्वॉयफ्रेंड ने इसे धोया और लियु को दिखाया कि ये एक रिंग भी हो सकती थी, जिससे तुम्हें प्रपोज़ किया गया हो. पहले तो लियु को ये मज़ाक लगा लेकिन बाद में उसे एहसास हुआ कि वाकई ये सोने की अंगूठी थी. जब इस घटना का वीडियो चीन की सोशल मीडिया पर देखा गया, तो लोगों ने खूब मज़े लिए. हालांकि इतने के बाद भी प्रपोज़ल रुका नहीं और प्रेमी ने लियु को प्रपोज़ किया, जिसका जवाब उसने हां में दिया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 5 फरवरी, 2025 3

सुविचार

जरूरत के बगैर भी,
लोगों का ख्याल रखना,
एक अच्छे व्यक्तित्व की,
पहचान होती है!

नई नीतियों के निर्माण के लिए जाति जनगणना सर्वेक्षण का उपयोग किया जाएगा : भट्टी

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि कांग्रेस सरकार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और अन्य कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए नीति निर्माण में एकीकृत घरेलू सर्वेक्षण रिपोर्ट में डेटा का उपयोग करेगी। मंगलवार को सदन में एकीकृत घरेलू सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करने के बाद विधान परिषद में विभिन्न सवालों का जवाब देते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि घरेलू सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चला है कि राज्य में पिछड़े वर्गों की आबादी 56.33 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इस सांख्यिकीय डेटा का उपयोग स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण के कार्यान्वयन और बजट में धन के आवंटन के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण ईमानदारी और पारदर्शिता के आधार पर शासन के लिए नई दिशा की शुरूआत का संकेत देता है। विक्रमार्क ने आगे विस्तार से कहा कि आने वाले दिनों में सरकार रिपोर्ट में उपलब्ध जानकारी के आधार पर कई काम करेगी। उन्होंने कहा, यह सर्वेक्षण राज्य में विभिन्न श्रेणियों के लोगों की जीवन स्थितियों पर एक पूर्ण एक्स-रे जांच की तरह है। सर्वेक्षण से यह स्पष्ट होता है कि सरकार राज्य में पिछड़े वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केसीआर, केटीआर, हरीश राव और पल्ला राजेश्वर रेड्डी जैसे लोगों सहित लगभग 3.56 लाख लोगों ने सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया। अगर वे अब जानकारी देने में रुचि रखते हैं, तो सरकार उनसे जानकारी लेने के लिए तैयार है। बीआरएस नेताओं की टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि उन्होंने उसी दिन छह घंटे में घरेलू सर्वेक्षण रिपोर्ट पूरी कर ली थी, विक्रमार्का ने कहा कि किसी को नहीं पता कि उन्होंने सर्वेक्षण रिपोर्ट के साथ क्या किया। उन्होंने कहा, अगर तत्कालीन टीआरएस सरकार ने आधिकारिक तौर पर ऐसा किया था, तो उन्हें रिपोर्ट विधानमंडल में पेश करनी चाहिए थी या सर्वेक्षण रिपोर्ट के बारे में सार्वजनिक बयान देना चाहिए था। चूंकि उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसलिए इसे आधिकारिक दस्तावेज कहने की कोई पवित्रता नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि अब तक तेलंगाना में जाति जनगणना पर आधिकारिक तौर पर कोई वैज्ञानिक सर्वेक्षण नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि वास्तव में यह सर्वेक्षण संयुक्त राज्य के इतिहास में पहला ऐसा सर्वेक्षण था। भट्टी ने कहा, सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर तेलंगाना के संसाधनों और संपदा का उपयोग विकास के लिए किया जाएगा। राजनीतिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में पिछड़े लोगों की पहचान की जाएगी और संसाधनों का उपयोग उन वर्गों की प्रगति के लिए किया जाएगा।

वार्डन पर लड़कों का यौन उत्पीड़न करने का केस

खम्मम, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी मंडल के रेलाकयालपल्ली स्थित सरकारी आदिवासी कल्याण बालक आश्रम हाईस्कूल के वार्डन पर पुलिस ने छात्रों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी भुक्या वेंकटेश्वरलू पर आरोप है कि वह आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्रों को रात में अपने साथ सोने के लिए मजबूर करता था। वार्डन एक दिन के लिए एक लड़के को चुनता था और उसे अपने साथ रात बिताने के लिए कहता था। कथित तौर पर यह कई दिनों से चल रहा था। पीड़ित छात्रों ने शिकायत की कि वार्डन ने उन्हें चेतावनी दी थी कि वे उसकी हरकतों के बारे में दूसरों को न बताएं और उन्हें धमकी दी कि जो लोग उसकी बात नहीं मानेंगे, उन्हें स्कूल से निकाल दिया जाएगा। उसकी यातना को सहन करने में असमर्थ छात्रों में से एक ने मामले को अपने माता-पिता के सामने रखा, जिन्होंने कुछ दिन पहले करेपल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने वेंकटेश्वरलू के खिलाफ पोक्सो अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और वार्डन द्वारा परेशान किए गए छात्रों के बयान दर्ज किए। पुलिस ने स्कूल के हेडमास्टर एन श्रीनिवास राव और आईटीडीए अधिकारी जहीरद्दीन पर भी घटना को छिपाने की कोशिश करने का मामला दर्ज किया है। पता चला है कि कुछ समय पहले जब छात्रों के माध्यम से मामला हेडमास्टर के संज्ञान में आया तो उन्होंने वार्डन के असामान्य व्यवहार के बारे में पूछताछ की। इसके बाद उन्होंने उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपी, जिन्होंने वार्डन को निलंबित कर दिया। निलंबन के बाद आरोपी वेंकटेश्वरलू ने नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। छह महीने पहले उसे वायरा मंडल के कोनिजेरला से रेलाकयालपल्ली स्थानांतरित किया गया था।

पार्टी में दलबदल के मामले में नोटिस नहीं मिला : दानम

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने आज पार्टी में दलबदल के मामले में अदालती नोटिस का जवाब दिया। उन्होंने मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कई रोचक टिप्पणियां कीं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी में दलबदल के मामले में उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला है और कहा कि नोटिस मिलने के बाद वे जवाब देंगे। दानम ने राज्य सरकार के अधिकारियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ अपने रुख से पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि वे किसी भी मुद्दे पर समझौता करने वाले व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वाईएसआर शासन के दौरान भी उन्होंने अधिकारियों के मामले में पीछे नहीं हटे और कहा कि इसके बजाय वे जेल जाना पसंद करेंगे। उन्होंने सनसनीखेज टिप्पणी की कि उनके खिलाफ 173 आपराधिक मामले हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि गरीबों के घर ध्वस्त कर दिए गए तो भी वे लापरवाह नहीं होंगे तथा उन्होंने यह भी कहा कि हाइड्रा के कृत्यों के मामले में भी वे पीछे नहीं हटेंगे।

मंत्रियों के आवास के सामने वीआरए ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्रियों के आवास की ओर जाने वाली सड़क पर हमें न्याय चाहिए के नारे गूंज उठे, क्योंकि मंगलवार को सुबह-सुबह बड़ी संख्या में ग्राम राजस्व सहायक (वीआरए) अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करने पहुंचे। वीआरए संयुक्त कार्रवाई समिति के तत्वावधान में कई लोग मंत्रियों के आवास पर पहुंचे।

हाथों में तख्तियां लेकर वे सड़क पर बैठ गए और सरकार से उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। वीआरए संयुक्त कार्रवाई समिति सरकार से 61 वर्ष से अधिक आयु के वीआरए के बच्चों को नौकरी देने की मांग कर रही है। यह मांग जीओएम 81 के अनुसार की जा रही है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने वंशानुगत नौकरी आवंटन को मंजूरी दी थी और सरकारी आदेश जारी किए थे, लेकिन कांग्रेस सरकार योग्य उम्मीदवारों को उनकी नौकरी देने से इनकार कर रही है।

ऐसे 3,700 से अधिक उम्मीदवार हैं। उनमें से अधिकांश दलित और अन्य कमजोर वर्गों से हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 15 महीनों से हम सरकार से हमारी मांगों पर विचार करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन सरकार को कोई परवाह नहीं है। वीआरए संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस संबंध में राजस्व मंत्री को ज्ञापन सौंपना चाहा, तो उन्हें अनुमति नहीं दी गई। नतीजतन, उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी और सड़क पर धरना दे दिया।

कम पैदावार के कारण किसान ने की आत्महत्या

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कपास की कम पैदावार के कारण मंगलवार को आसिफाबाद मंडल के बोंडागुडा गांव में एक किसान ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। आसिफाबाद इंस्पेक्टर रविंदर ने एक बयान में कहा कि कोमराम पोशैया (55) ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि वह कपास की कम पैदावार से उदास था। उसने सोमवार को आत्महत्या का प्रयास किया था।

उसे मंचेरियल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पोशैया ने अपनी 10 एकड़ जमीन पर कपास की फसल उगाई थी। पैदावार में गिरावट से वह निराश था और अकेले होने पर उसने कीटनाशक खा लिया। पोशैया के बेटे नरेश की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया।

यूजीसी विनियम- राज्य विश्वविद्यालयों में उदासीनता पर टीईसी सेमिनार कल से

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षा आयोग शहर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ यूजीसी विनियम- राज्य विश्वविद्यालयों में उदासीनता सेमिनार आयोजित कर रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जनता के विचार जानने के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखे गए यूजीसी विनियम 2025 के मसौदे के निहितार्थों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। यह सेमिनार 6 फरवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 5.30 बजे तक गोदावरी कॉन्फ्रेंस हॉल, ग्राउंड फ्लोर, राजीव विद्या मिशन बिल्डिंग, एससीईआरटी कैंपस, बशीरबाग, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। मसौदा विनियमों ने इस बात पर देशव्यापी बहस को जन्म दिया है कि अगर विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता सुनिश्चित की जानी है और संविधान के संघीय ढांचे के तहत राज्य सरकारों के अधिकारों का सम्मान किया जाना है, तो यूजीसी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को किन सीमाओं के भीतर काम करना चाहिए।

तमिलनाडु और केरल जैसे कई राज्यों ने पहले ही सार्वजनिक रूप से अपना दृष्टिकोण बना लिया है और प्रस्तावित दिशा-निर्देशों पर आपत्ति जताते हुए संबंधित विधानसभाओं में प्रस्ताव पारित कर दिए हैं।

जबकि कई मुद्दों पर बहस हो रही है, दो सबसे महत्वपूर्ण, विवादास्पद मुद्दे देश भर के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन के लिए निर्धारित नियुक्ति के तरीके और सहायक प्रोफेसरों के लिए प्रवेश स्तर की भर्ती प्रक्रिया और आवश्यकताओं के बारे में हैं।

तेलंगाना शिक्षा आयोग के अध्यक्ष अकुनुरी मुरली सेमिनार की अध्यक्षता करेंगे। तेलंगाना शिक्षा आयोग को उम्मीद है कि प्रस्तावित सेमिनार में विचार-विमर्श से मसौदा विनियमों और देश में उच्च शिक्षा के लिए उनके दीर्घकालिक निहितार्थों के बारे में और जानकारी मिलेगी।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए विशेष प्रोत्साहन की घोषणा

72.00 मीट्रिक टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित शेष अवधि में 18.27 मीट्रिक टन हासिल करना है लक्ष्य

पेद्दापल्ली, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने कर्मचारियों को प्रेरित करने और चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'मासिक विशेष प्रोत्साहन योजना' की घोषणा की है। हालांकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 72.00 मीट्रिक टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन जनवरी 2025 तक 57.59 मीट्रिक टन के मुकाबले केवल 53.73 मीट्रिक टन ही हासिल किया जा सका। लक्ष्य उत्पादन के मुकाबले 3.86 मीट्रिक टन की कमी है और वित्त वर्ष 2024-25 की शेष अवधि में अभी भी 18.27 मीट्रिक टन हासिल करना है।

72.00 मीट्रिक टन के लक्षित उत्पादन को प्राप्त करने के लिए, एससीसीएल प्रबंधन ने एक अभिनव विचार के साथ कर्मचारियों को प्रेरित करने और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दो महीने की अवधि के लिए एक विशेष प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है। शेष दो माह की अवधि 1 फरवरी से 31 मार्च तक उपस्थिति और मासिक कोयला प्रेषण लक्ष्य (अर्थात सीएसपी/सीएचपी, वाशरी और पिट हेड डिलीवरी में कुल प्रवेश) की उपलब्धि के आधार पर योजना संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

यह योजना केवल भूमिगत और खुली खदानों, सीएचपी/सीएसपी में कोयला उत्पादन में कार्यरत सभी राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता (एनसीडब्ल्यूए) कर्मचारियों पर लागू है। योजना अवधि के दौरान ली गई किसी भी प्रकार की छुट्टी, प्रशिक्षण कार्यक्रम, हड़ताल, तालाबंदी, विश्राम को उपस्थिति के रूप में नहीं गिना जाएगा।

यूजी और ओसीपी तथा सीएचपी/सीएसपी के मासिक कोयला प्रेषण लक्ष्यों की प्राप्ति और प्रत्येक कर्मचारी को महीने के दौरान न्यूनतम 22 मस्टर की उपस्थिति दर्ज करानी होगी। जिन पात्र कर्मचारियों ने समीक्षा माह के दौरान 22 मस्टर और उससे अधिक उपस्थिति दर्ज कराई है, उन्हें एकमुश्त प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा।

एससी वर्गीकरण कांग्रेस पार्टी की ईमानदारी का प्रमाण : संपत

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी सचिव संपत कुमार ने कहा कि आज विधानसभा में कांग्रेस सरकार ने एससी वर्गीकरण को लेकर जो निर्णय लिया है, वह ऐतिहासिक मामला है। यह कांग्रेस पार्टी की ईमानदारी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कमजोर वर्ग के लिए जन्मी पार्टी है। कांग्रेस का झंडा दलितों के लिए है। कांग्रेस पार्टी हर बार ये साबित करती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शुरू से ही एससी वर्गीकरण के पक्ष में रहे हैं।

2014 में, जब मैंने विधानसभा में एससी वर्गीकरण के खिलाफ लड़ाई लड़ी, तो तत्कालीन केसीआर सरकार ने मुझे विधानसभा से निष्कासित कर दिया। तब रेवंत रेड्डी मेरे साथ खड़े हुए। तत्कालीन केसीआर सरकार ने हम दोनों को विधानसभा से निष्कासित कर दिया था। अब हमारी किस्मत से रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री बन गए हैं.. वह बड़ी ईमानदारी से एससी वर्गीकरण कर रहे हैं। उन्होंने बिना किसी कानूनी या तकनीकी समस्या के वर्गीकरण किया। ये हमारी कांग्रेस पार्टी का ईमानदार काम है। अनुसूचित जातियां कांग्रेस पार्टी और रेवंत रेड्डी को जीवन भर याद रखेंगी।

प्रजावाणी में 7142 आवेदन प्राप्त हुए

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा पूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 7142 आवेदन प्राप्त हुए। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 175 आवेदन, बिजली विभाग से संबंधित 135, राजस्व संबंधी 46, प्रवासी प्रवाणि से संबंधित 01, इंदिराम्मा हाउस योजना के लिए 4860 आवेदन, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 1861 (राशन कार्ड), 1861 (राशन कार्ड) से संबंधित अन्य विभागों के अधिकारियों ने बताया कि 64 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

कोटी नायक टांडा के पास तनाव

सूर्यपेट, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यपेट जिले के अत्माकुर (एस) मंडल में कोटी नायक टांडा के पास एसआरएसपी नहर डिस्ट्रीब्यूटरी रेगुलेटर पर मंगलवार को तनाव बढ़ गया। कुछ किसानों द्वारा वेल्डिंग के माध्यम से रेगुलेटर को आंशिक रूप से सील करके पेनपहाड़ क्षेत्र के लिए पानी को मोथकुर क्षेत्र में मोड़ने के बाद दो डिस्ट्रीब्यूटरी नहरों के किसान आमने-सामने आ गए। डिस्ट्रीब्यूटरी रेगुलेटर अराजकता का केंद्र बन गया, क्योंकि नहर के गेट की वेल्डिंग के कारण पानी पेनपहाड़ से मोथकुर की ओर मुड़ गया, जिससे पेनपहाड़ में कृषि क्षेत्र सूख गए। किसानों ने अपनी परेशानी व्यक्त की क्योंकि अधिकारियों से उनकी बार-बार की गई गुहार का कोई जवाब नहीं मिला, जिससे उनकी फसलें सूख गईं।

एक हताश प्रयास में, पेनपहाड़ मंडल के किसानों ने अपने संसाधनों को इकट्ठा किया और अपने खर्च पर पानी के प्रवाह को बहाल करने के लिए वेल्डिंग को हटा दिया। इस कार्रवाई ने आखिरकार अधिकारियों का ध्यान खींचा, जो घटनास्थल पर पहुंचे। हालांकि, अधिकारियों ने वेल्डिंग की घटना के बारे में अनभिज्ञता जताई और दोनों इलाकों में पानी छोड़ दिया। गुस्से से उबल रहे किसानों ने अधिकारियों से भिड़ंत की, जिसके बाद अधिकारी जल्दबाजी में वहां से चले गए।

सड़क हादसे में एक की मौत

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह मेडचल में एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीड़ित की पहचान एम उषाप्पा (45) के रूप में हुई है, जो एक राजमिस्त्री था। घायलों में श्रीनिवास और अंजनेयुलु शामिल हैं, जो दोनों निर्माण मजदूर हैं। मेडचल पुलिस के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब तीनों सुबह-सुबह उषाप्पा की बाइक पर काम पर जा रहे थे। उषाप्पा मेडचल चेक पोस्ट पर 'यू' टर्न ले रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। तीनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए।

उषाप्पा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए। मेडचल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

12 मार्च को जारी होगी टीजी पीजीईसीईटी की अधिसूचना

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पोस्ट ग्रेजुएट इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी पीजीईसीईटी) 2025 की अधिसूचना 12 मार्च को जारी की जाएगी। जेएनटीयू-हैदराबाद द्वारा जारी पीजीईसीईटी शेड्यूल के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन 17 मार्च से शुरू होंगे और 19 मई को समाप्त होंगे। विभिन्न पीजी इंजीनियरिंग, फार्मेसी, आर्किटेक्चर और फार्म-डी (पीबी) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 16 से 19 जून तक आयोजित की जाएगी।

PUBLIC NOTICE

The General public are hereby informed that I **Mohammed Saleem** S/o. Mohammed Ibrahim, aged 33 years, Occupation: Business, R/o. H.No: 17-3-516/5, Shoukat Jung Devdi, Yakutpura, Hyderabad, has entered into an "Agreement Of Sale" in respect of the Property House Bearing Municipal No: 16-2-738/4/5/29, on Plot No.29, Admeasuring 265.53 Sq.yards or 221.98 Sq.meters, Situated at SBH Colony, Asmangadh, Malakpet, Hyderabad, Telangana, from its owner **Mr. PINJARA KISHORE** S/o P. Kishan, age 44 years, Occupation: Business, Resident of H.No.4-1-1222, Bogulkunta, Tilak Road, Hyderabad. And I have paid substantial advance sale consideration amount in respect of the above mentioned property under the Agreement of Sale. That if any person or persons have any right, claim, title or objections in respect of the above mentioned property, in support of his / her claim shall approach with me with all relevant, supporting documents with in seven days from the date of Publication of this notice failing which, the Sale Transaction shall be completed and there after no claim or objections of any kind will be entertaind.

MOHAMMED SALEEM
91-9502775054

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @GMSCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं. वाय/सी.256/कमर्शियल पब्लिसिटी/एनएफआर/2024-25 दि.4/2/2025

हैदराबाद डिवीजन में आउट ऑफ होम, आरडीएन एवम् विविध स्थैतिक सेवाएं, श्रेणी के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार अनुबंधों (कमर्शियल पब्लिसिटी कांट्रैक्ट्स) को प्रदान करना।

ई-नीलामी की अनुसूची निम्न प्रकार है:

क्रम सं.	श्रेणी	कैटलाग नं.	कार्य विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु समय:	नीलामी बंद समय:
1	एडीवीटी-एचवायबी-केसीजी-ओएच-120-25-1(विज्ञापन या एडवर्टाइजिंग आउट ऑफ होम)	एचवायबी-एडीवीटी-केसीजी	काचीगुडा पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार	19.02.2025	11.30	12.00
2	एडीवीटी-एचवायबी-एमबीएनआर-ओएच-121-25-1 (विज्ञापन या एडवर्टाइजिंग आउट ऑफ होम)	एचवायबी-एडीवीटी-एमबीएनआर	महबूबनगर पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार	19.02.2025	11.40	12.10
3	एडीवीटी-एचवायबी-एमबीएनआर-ओएसएन-122-25-1, स्टेशन परिसर में विज्ञापन या एडवर्टाइजिंग (नान-डिजीटल)	एचवायबी-एडीवीटी-एमबीएनआर	महबूबनगर, देवरकद्रा व वनपर्ती रोड रेलवे स्टेशनों पर आरडीएन श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार	19.02.2025	11.50	12.20
4	एमएसएस-एचवायबी-वीएआर-बीएस-75-24-1(विविध स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स)	एमएसएस-एचवायबी-वीएआर-बीएस-75	हैदराबाद डिवीजन के विद्यानगर(सब-अर्बन) स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन	17.02.2025	11.00	11.30
5	एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स-जीजेड-71-24-1(विविध-स्थैतिक सेवाएं-गेमिंग झोन)	एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स	हैदराबाद डिवीजन के सफिलगुडा रेलवे स्टेशन पर गेमिंग झोन(बाक्स क्रिकेट-कम-स्नैक्स बार) की व्यवस्था	17.02.2025	11.10	11.40
6	एमएसएस-एचवायबी-एएलडब्ल्यू-जीजेड-81-25-1 (विविध-स्थैतिक सेवाएं-गेमिंग झोन)	एमएसएस-एचवायबी-एएलडब्ल्यू-जीजेड	हैदराबाद डिवीजन के अलवाल रेलवे स्टेशन पर गेमिंग झोन व्यवस्था	17.02.2025	11.20	11.50
7	एमएसएस-एचवायबी-केसीजी-पीएस-52-24-1(विविध-स्थैतिक-सेवाएं-पार्सल स्कैनर)	एमएसएस-एचवायबी-केसीजी-पीएस	काचीगुडा रेलवे स्टेशन के निर्धारित स्थानों पर पार्सल स्कैनर्स की स्थापना, संचालन तथा रखरखाव कार्य	17.02.2025	11.30	12.00

A0156 हस्ता./- वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

पुलिस ने 25 हजार इनामियां हिस्ट्रीशीटर को मारी गोली

वरुणा जोन में बदमाशों से मुठभेड़ 3 राउंड फायरिंग में दबोचा

वाराणसी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। वाराणसी के मंडुवाडीह क्षेत्र में मंगलवार की भोर पुलिस की बाइक सवार बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस और बदमाशों में आमने सामने फायरिंग हुई। तीन राउंड फायरिंग के दौरान पुलिस की एक गोली बाइक सवार बदमाश को लगी और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। गोली लगने के बाद बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। वहीं बाइक गिरते ही दूसरा बदमाश फायरिंग छोड़कर अंधेरे में भाग निकला। पूछताछ में बदमाश पुलिस का हिस्ट्रीशीटर निकला और प्रेम नारायण सिंह पर पहले से 25 हजार का इनाम भी घोषित था। मुठभेड़ की सूचना पर डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीणा और एसीपी रोहनियां संजीव शर्मा भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटना की जानकारी ली और घायल को अस्पताल भिजवाया। फॉरेंसिक टीम ने मुठभेड़ से जुड़े साक्ष्य जुटाए।

रिसेप्शन पार्टी में दहेज के लिए पति ने छोड़ा हाथ

कानपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में एक विवाहिता महिला को शादी के बाद रिसेप्सन के दिन ससुराल वालों के अनादर का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर ससुराल वालों ने पीड़िता के परिवार को खरी खोटी तो सुनाई ही उसके पति ने उसका उसी दिन हाथ छोड़ दिया। महिला के परिजनों ने किसी तरह से समझा बुझाकर मामला सम्भाला और बेटी को ससुराल विदा किया। वहां पहुंचने के बाद ससुराल वालों ने अतिरिक्त दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया। पुलिस ने नहीं सुनी तो पीड़ित परिवार ने राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई। वहां से निर्देश मिलने के बाद नवाबगंज पुलिस ने पति समेत ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

महाकुंभ में पुण्य की डुबकी लगाएंगे पीएम मोदी

त्रिवेणी तट पर आज करेंगे गंगा आरती

महाकुंभ नगर, 4 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को माघ महीने की अष्टमी तिथि पर पुण्य काल में पवित्र त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाएंगे। स्नान के बाद वह संगम तट पर ही गंगा की पूजा कर देशवासियों की कुशलता की कामना करेंगे। प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के पहले 13 दिसंबर 2024 को संगम तट पर गंगा की आरती और पूजा कर इस महाआयोजन के सकुशल संपन्न होने की मंगलकामना की थी। वर्ष 2019 के कुंभ के शुरू और बाद में भी वह आए थे।

पीएम मोदी का लगभग एक घंटे का महाकुंभ नगर में कार्यक्रम प्रस्तावित हुआ है। वह बमरौली एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह लगभग 10 बजे विशेष वायुयान से पहुंचेंगे। इसके बाद सेना के तीन हेलीकाप्टर से अरैल स्थित डीपीएस मैदान के हेलीपैड पर उतरेंगे, जहां से कार से वीआइपी जेटी जाएंगे। यहां से निषादराज क्रूज से संगम में डुबकी लगाने जाएंगे।

स्नान के बाद करेंगे गंगा पूजा और आरती

इसके बाद गंगा की पूजा व आरती करेंगे। इस दौरान वह अखाड़ों, आचार्यवाड़ा, दंडीवाड़ा व खाकचौक के प्रतिनिधियों से भेंट वार्ता करेंगे। लगभग एक घंटे बाद यहां से वह लौट जाएंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रयागराज से लेकर महाकुंभ मेला क्षेत्र तक तैयारी की जा रही है। सोमवार को एयर, वाटर फ्लीट रिहर्सल भी हुआ।

पिछले कुंभ में पीएम ने पखारे थे स्वच्छता कर्मियों के पांव

बता दें, पिछले कुंभ 2019 में श्रद्धा एवं सद्भाव से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता कर्मियों के पांव पखार कर सामाजिक समरसता का भी संदेश दिया था। कल्पना में भी ऐसे सम्मान की उम्मीद न करने वाले पांचों कर्मचारी तब निःशब्द थे, बस नम आंखें ही बोल रहीं थीं। कुंभ नगरी के गंगा पंडाल के इस नजारे को देखकर अन्य स्वच्छता कर्मियों तथा स्वच्छाग्रहियों की भावनाएं उस समय ऊफान पर थीं तो पीएम मोदी ने भी इसे अपने जीवन का सबसे अविस्मरणीय पल बताया था। कुंभ 2019 के शुरू होने पर पीएम मोदी आए थे और उन्होंने किला में लगभग 450 वर्षों से कैद अक्षयवट को आम श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले जाने की घोषणा की थी। कुंभ की समाप्ति पर जब प्रधानमंत्री आए थे तो संगम में डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पंडाल में स्वच्छता कर्मियों के पांव धुले थे।

तब प्रधानमंत्री के इस नए अवतार को देख हर व्यक्ति हतप्रभ और भावुक हो गया था। एक के बाद एक करके उन्होंने पांच सफाई कर्मियों के पांव पखारे और पोछे भी थे। उस दौरान पंडाल में मौजूद हजारों कर्मचारी लगातार तालियों से इस पल का स्वागत करते रहे थे।

'पुलिस ने बहुत मार मारा सर'

तेजस्वी के सामने दहाड़ मारकर रोने लगे मौलाना; बताई दर्दनाक आपबीती

मधुबनी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मधुबनी के बेनीपट्टी में उस समय बवाल मच गया जब मोहम्मद फिरोज नामक शख्स ने पुलिस पर टॉर्चर करने का आरोप लगाया।

शख्स की बात जैसे ही मीडिया में आई तो इस पर सियासत भी तेज हो गई। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव फिरोज से मिलने उसके घर पहुंच गए। फिर क्या था फिरोज ने तेजस्वी के सामने पुलिसिया टॉर्चर की कहानी सुनाते-सुनाते फफक-फफककर रोने लगा। फिरोज ने कहा कि बहुत मारा है सर। मैं माफी मांगता रहा लेकिन वे सुन नहीं रहे थे। पानी तक नहीं दिया उन्होंने सर। मेरा बाल-दाढ़ी खींचकर डंडा से मारा सर। आजतक मुझे ऐसा किसी ने नहीं मारा सर।

तेजस्वी यादव ने दी प्रतिक्रिया

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अचेत मुख्यमंत्री के कारण प्रदेश में प्रशासनिक अराजकता फैल चुकी है। मधुबनी के कटैया, बेनीपट्टी में पुलिस उपाधीक्षक ने मो० फिरोज की अकारण बर्बरता व बेरहमी से पिटाई की। नीतीश सरकार के क्रूरतापूर्ण अमानवीय व्यवहार, अत्याचार, अन्याय और शोषण के विरुद्ध पीड़ित फिरोज से मिलने बेनीपट्टी, मधुबनी पहुंचा। नीतीश कुमार खुद गृह मंत्री हैं, इसलिए पुलिस में भ्रष्टाचार चरम पर है। मधुबनी में पुलिस ने तांडव मचा रखा है। जब मर्जी किसी को भी पुलिस मार देती है।

साथ न रहने वालों पर घरेलू हिंसा का केस अनुचित

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति के रिश्तेदारों पर दर्ज मुकदमा रद्द करने का दिया आदेश

प्रयागराज, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि जो रिश्तेदार साझा घर में नहीं रह रहे हैं उनपर घरेलू हिंसा कानून के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। कोर्ट ने मामले में पति के पारिवारिक सदस्यों के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही को रद्द कर दिया लेकिन पति और सास के खिलाफ मामले को बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि घर साझा करने के ठोस सबूत के बिना दूर के रिश्तेदारों को फंसाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने सोनभद्र की कृष्णादेवी और 6 अन्य की अर्जी पर दिया।

'घरेलू हिंसा में रिश्तेदारों को फंसाया जाता है'

वैवाहिक कलह के चलते पीड़ित पक्ष ने पति और उसकी मां व विवाहित बहनों के खिलाफ घरेलू हिंसा की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। सास और पांच अन्य रिश्तेदारों सहित याचियों ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोनभद्र के समक्ष लंबित मामले में कार्यवाही को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दा खिल की। कोर्ट ने पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि घरेलू हिंसा का मुकदमा उन्हीं लोगों पर दर्ज किया जा सकता है, जो पीड़ित के साथ साझा घर में रहे हों। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इस अदालत को ऐसे कई मामले मिले, जहां पति या घरेलू संबंध में रहने वाले व्यक्ति के परिवार को परेशान करने के लिए, पीड़ित पक्ष दूसरे पक्ष के उन रिश्तेदारों को फंसाता है, जो पीड़ित व्यक्ति के साथ साझा घर में नहीं रहते या रह चुके हैं।

60 दिन के भीतर केस खत्म करने का आदेश

कोर्ट ने माना कि याची, विवाहित बहनें और उनके पति अलग-अलग रहने के कारण अधिनियम के तहत प्रतिवादी नहीं माने जा सकते। हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ मामला रद्द कर दिया। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि सास और पति के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी, क्योंकि दहेज से संबंधित उत्पीड़न सहित घरेलू हिंसा के विशिष्ट आरोप थे। ट्रायल कोर्ट को मामले में तेजी लाने और 60 दिनों के भीतर इसे समाप्त करने का निर्देश दिया गया।

उत्तर प्रदेश में दो मालगाड़ी ट्रेनों की भिड़ंत

पटरी से उतरे इंजन; लोको पायलट व गार्ड जख्मी

फतेहपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में दो मालगाड़ी आपस में टकरा गईं। एक मालगाड़ी ने दूसरी मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दो इंजन और एक गार्ड कोच बेपटरी हो गया। हादसे में एक लोको पायलट समेत दो रेलवे अधिकारी घायल हुए हैं। हादसे की जानकरी मिलते ही रेलवे विभाग मे हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर रेलवे अधिकारी और कर्मचारी पहुंच गए हैं। हादसे से रेलवे ट्रैक बाधित जो गया, राहत कार्य कर उसे सुचारू किया जा रहा है। हादसा खागा के समीप डीएफसी रेलवे ट्रैक पर हुआ है। दोनों मालगाड़ी की टक्कर से इलाके में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल ओअर इकट्ठा हो गए। मौके पर पहुंचे रेलवे अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। हादसा उस दौरान हुआ जब एक ही ट्रैक पर आगे-पीछे मालगाड़ी आ गईं और उनमें टक्कर हो गई। हादसे के बाद डीएफसी की अपलाइन हावड़ा-दिल्ली ट्रैक बाधित हुआ है।

पीछे से टकराई मालगाड़ी

जानकारी के मुताबिक, जिले के खागा थाना क्षेत्र के गांव पांभीपुर इलाके के न्यू रसूलाबाद और न्यू सुजातपुर के बीच डेडीकेटेड फ्रेंट कॉरिडोर लाइन पर मंगलवार सुबह हादसा हो गया। यहां कोयला से लदी खड़ी मालगाड़ी के पीछे से प्रयागराज-कानपुर की ओर से आ रही दूसरी मालगाड़ी ट्रेन पीछे से जा टकराई। दूसरी मालगाड़ी ट्रेन में भी कोयला लदा था। जोरदार टक्कर से तेज आवाज गूंज उठी। हादसे से दो इंजन और गार्ड कोच बेपटरी होकर ट्रैक से नीच उतर गए। हादसे से डीएफसी की हावड़ा-दिल्ली अपलाइन बाधित हो गई। हादसे की जानकरी मिलते ही घटनास्थल पर रेलवे अधिकारी पहुंच गए। घायल लोको पायलट और को-पायलट को अस्पताल ले जाया गया। हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ। पीछे से टकराने वाली मालगाड़ी प्रयागराज-कानपुर की ओर से आ रही थी। उसी ट्रैक पर दूसरी मालगाड़ी कोयले से लदी खड़ी थी, तभी वह आपस में टकरा गईं और हादसा हो गया।

राहुल आज फिर बिहार आ रहे हैं

जगलाल चौधरी जयंती में शामिल होंगे

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में कांग्रेस विधानसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश में लग गई है। पार्टी नेता राहुल गांधी 15 दिनों बाद फिर पटना आ रहे हैं। पिछली बार अतिपिछड़ों के मुद्दे पर बिहार आए तो इस बार दलितों के मुद्दे पर आ रहे हैं। जगजीवन राम की तरह कद्दावर कांग्रेसी रहे ख्यात स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जंयती मनाने आ रहे हैं। इसी बहाने दलितों वोटरों को अपने पक्ष में करने की कवायद है। स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी को "बिहार का गांधी" की उपाधि मिली थी। पटना के कार्यक्रम के संयोजक विनोद कुमार चौधरी के मुताबिक 5 फरवरी को राहुल गांधी पटना में जयंती समारोह को संबोधित करेंगे। जगलाल चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष डॉ। अखिलेश की टीम इसी बहाने पूरे राज्य के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चार्ज करेगी। सारण के गड़खा निवासी जगलाल चौधरी का 130वां जयंती समारोह मनाने के पीछे दलितों को कांग्रेस के प्रति मोड़ना है। वे आजादी के पहले बनी बिहार की अंतरिम सरकार में चार कैबिनेट मंत्रियों में से एक थे। कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में अंतिम वर्ष का छात्र होने के बावजूद पढ़ाई छोड़ स्वतंत्रता आंदोलन में खुद पड़े थे। उनके बड़े पुत्र इंद्रदेव चौधरी ने भी देश की आजादी की लड़ाई में महती भूमिका निभाई और शहीद हुए थे। अंतरिम सरकार में जगलाल चौधरी ने आबकारी मंत्री के रूप में बिहार में पहली बार शराबबंदी लागू की थी। पटना के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूरे राज्य के कांग्रेसी शामिल होंगे।

पटना हाईकोर्ट में 70वीं बीपीएससी को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई फिर टली

पटना, 4 फरवरी (एजेंसियां)। 70वीं बीपीएससी की पीटी परीक्षा दोबारा कराए जाने को लेकर पटना हाईकोर्ट में दायर याचिका पर आज (04 फरवरी) सुनवाई एक बार फिर से टल गई है। खबर है कि जज के नहीं बैठने के कारण यह सुनवाई टली है। अब देखना होगा कि सुनवाई के लिए अगली तारीख कब की मिलती है। दरअसल री-एग्जाम और परीक्षा रद्द के मसले पर राज्य सरकार और बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से दाखिल किए गए काउंटर एफिडेविट पर पटना हाईकोर्ट में आज (मंगलवार) सुनवाई होनी थी। इसके पहले भी एक बार सुनवाई टल चुकी है। 31 जनवरी को जज के छुट्टी पर रहने की वजह से सुनवाई नहीं हो पाई थी। 70वीं बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांग है कि जो प्रारंभिक परीक्षा हुई है उसमें धांधली हुई है इसलिए उसे रद्द किया जाए। फिर से परीक्षा हो। पटना हाईकोर्ट ने याचिका को स्वीकार किया था और बीते 16 जनवरी को हुई सुनवाई में बिहार सरकार एवं आयोग (बीपीएससी) को 30 जनवरी तक अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था।

अभ्यर्थियों के हाथ में बस उम्मीद

बता दें कि परीक्षा रद्द करने और री-एग्जाम की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल पर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। 70वीं बीपीएससी की पीटी परीक्षा का रिजल्ट भी जारी हो चुका है। धरना पर बैठे अभ्यर्थियों का कहना है कि वे अंतिम समय तक लड़ाई लड़ेंगे। फिलहाल कोर्ट में एक बार फिर से सुनवाई टलने के कारण अभ्यर्थियों के हाथों में बस उम्मीद है। माना जा रहा था कि आज सुनवाई में कुछ बड़ा निर्णय हो सकता था लेकिन नहीं हो सका। 13 दिसंबर 2024 को 70वीं बीपीएससी की परीक्षा हुई थी। कुल 912 सेंटर बनाए गए थे। पटना के बापू परीक्षा परिसर का एग्जाम रद्द हुआ था। सिर्फ इसी सेंटर की परीक्षा दोबारा ली गई थी। इससे भी अभ्यर्थी नाराज हैं।

आजम खान का खुला 17 साल पुराना मामला

5 लाख चंदा न देने पर मकान-फैक्ट्री तोड़ने का आरोप

रामपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खान पर 2006 में पापड़ फैक्टरी पर बुलडोजर चलवाने और रंगदारी मांगने के आरोप में कोर्ट ने पुलिस की फाइनल रिपोर्ट खारिज कर दोबारा विवेचना के आदेश दिए हैं। पीड़ित ने पुलिस जांच पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना से पहले करीब 10 वर्षों से वे उस जमीन पर पापड़, आटा और सेलर का व्यवसाय कर रहे थे। तत्कालीन सपा की सरकार में पुलिस ने मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। अब मृतक अफसर अली खान के बेटे जुल्फिकार अली खान ने फाइनल रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट में याचिका दायर की। आरोप है कि 19 जुलाई 2006 को सपा नेता आजम खान के आदेश पर प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी सैंजनी नानकार स्थित पापड़ फैक्टरी, सेलर और आटा चक्की पर आए और जबर्दस्ती बुलडोजर चला दिया और फैक्टरी को ध्वस्त कर दिया। उनका आरोप है कि उनसे सपा नेता आजम खान ने 5 लाख रुपये का चंदा मांगा था। वादी के अधिवक्ता अवधेश कुमार के अनुसार, एमपी-एमएलए कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुनः जांच के आदेश दिए हैं।

जया बच्चन के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर?

कुंभ पर दिए इस बयान से जुड़ा है मामला

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने प्रयागराज महाकुंभ में सबसे दूषित पानी होने का आरोप लगाया है, जिसे लेकर सियासत तेज हो गई है। सपा सांसद ने दावा किया कि भगदड़ में जान गंवाने वालों की लाशों को पानी में बहा दिया गया। उनके इस बयान पर विश्व हिन्दू परिषद ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। वीएचपी के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने जया बच्चन को गिरफ्तार करने की मांग की है। जया बच्चन के इस बयान पर विश्व हिन्दू परिषद की तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

वीएचपी नेता शरद शर्मा ने कहा कि जया बच्चन ने महाकुंभ को लेकर जो गलत और झूठे बयान देकर सनसनी फैलाने की कोशिश की है उसके लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ सनातनियों की आस्था और भक्ति का आधार है। जहां धर्म, कर्म और मोक्ष मिलता है। इससे करोड़ों लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं।

जया बच्चन के इस बयान पर है विवाद

बता दें कि सपा सांसद जया बच्चन ने सोमवार को संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए महाकुंभ में सबसे दूषित पानी होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि जलशक्ति विभाग इस समय गंदे पानी पर चर्चा कर रहा है। इस समय पानी सबसे ज्यादा प्रदूषित पानी कुंभ में है। जहां (भगदड़ में मरने वालों के) लाशें नदी में फेकीं गईं हैं, जिसके कारण पानी प्रदूषित हो गया है।

उन्होंने कहा कि लाशें गंगा में फेंक दी गईं और वहीं पानी लोगों तक आ रहा है। इस दौरान उन्होंने वीआईपी कल्चर को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि कुंभ में आने वाले आम लोगों को कोई विशेष सुविधा नहीं मिल रही है, उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं है। जबकि वीआईपी लोगों को स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है। उन्होंने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कुंभ में मारे गए लोगों का सही आंकड़ा भी जारी नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार झूठ बोल रही है कि करोड़ों लोग उस स्थान पर आए हैं। किसी भी समय इतनी बड़ी संख्या में लोग वहां कैसे एकत्र हो सकते हैं?

हत्या से पहले युवती से की गई दरिंदगी? आरोपियों के डीएनए टेस्ट से पता लगाएगी पुलिस

अयोध्या, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सहनवा कांड में पुलिस वैज्ञानिक ढंग से साक्ष्य संकलन भी कर रही है, ताकि आरोपियों को कठोरतम दंड दिलाया जा सके। इसके लिए पुलिस ने आरोपियों का डीएनए टेस्ट भी कराने का निर्णय लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टि भी की है। युवती के साथ दुष्कर्म हुआ या नहीं इसकी पड़ताल के लिए डीएनए जांच कराई जाएगी। भाजपा प्रवक्ता आलोक अवस्थी ने बताया कि अनुसूचित जाति की युवती की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। योगी आदित्यनाथ की सरकार में अपराधी पाताल में भी घुस जाए तो उसे निकाल कर लाएंगे। सीएम का निर्देश है कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से अपराधियों को शीघ्र अतिशीघ्र कठोर सजा दिलाई जाए। पुलिस विवेचना कर रही है और विभिन्न पहलुओं पर जांच जारी है। बता दें, युवती की हत्या में उसी के गांव के तीन लोग शामिल पाए गए हैं, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मिल्कीपुर उपचुनाव: वोटिंग से पहले अखिलेश यादव का गंभीर आरोप, कहा- जनता देगी जवाब

लखनऊ, 4 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव जनता और प्रशासन के बीच सीधा मुकाबला है, जो उत्तर प्रदेश की राजनीति के भविष्य के लिए एक मजबूत संदेश देगा। उपचुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन मिल्कीपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से 5 फरवरी को पार्टी उम्मीदवार अजीत प्रसाद के पक्ष में वोट करने का आग्रह किया। अखिलेश यादव ने कहा कि मिल्कीपुर का उपचुनाव, चुनाव नहीं चुनौती है। एक तरफ़ मिल्कीपुर की समझदार जनता है तो दूसरी तरफ़ प्रशासनिक पक्षपात है। पीडीए की एकता के सामने कोई भी छल-बल काम नहीं आएगा, पीडीए के पक्ष में आया अयोध्या का परिणाम फिर से मिल्कीपुर में दोहराया जाएगा। सपा प्रमुख ने कहा कि मिल्कीपुर चुनाव एक चुनौती है क्योंकि यह सरकार के खिलाफ जनता द्वारा लड़ा जा रहा है। यह जनमत संग्रह राजनीति की दिशा के बारे में संदेश देगा। मिल्कीपुर की जनता समाजवादियों के साथ है। इसीलिए भाजपा ने नौ सीटों पर उपचुनाव के साथ मिल्कीपुर का चुनाव नहीं होने दिया। अयोध्या के लोगों ने भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को खत्म कर दिया है। मिल्कीपुर में समाजवादियों का महाकुंभ भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को समाप्त कर देगा।

अधिकारियों को बदलने का आरोप

अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि उपचुनाव को प्रभावित करने के लिए अधिकारियों को बदला जा रहा है। उन्होंने कहा, पीडीए अधिकारियों को अयोध्या से हटा दिया गया है। वे समाजवादियों को वोट डालने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है। यह पीडीए का सुरक्षा कवच है। संविधान ने पीडीए की रक्षा की। अब पीडीए संविधान की रक्षा करेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार महाकुंभ में स्नान करने वाले लोगों का प्रति घंटा आंकड़ा तो दे रही है,

ब्लैकमेल से परेशान थी महिला, संबंध बनाते समय दबा दिया प्रेमी का गला

बरेली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला ने अपने 'प्रेमी' की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हत्या उस समय हुई जब महिला उसके साथ संबंध बना रही थी। मृतक की पहचान इकबाल के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि महिला का प्रेमी उसे लगातार संबंध बनाने के लिए ब्लैकमेल कर रहा था। ऐसे में इस बात से परेशान होकर महिला ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पीड़ित का शव उसके घर के पास से बरामद किया है। हालांकि हत्या के दो दिन बाद शव बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला ने कहा कि वह ब्लैकमेलिंग से तंग आ चुकी थी और उसके पास उसे मारने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी पहचान इकबाल से उसके गांव में हुई थी।

मध्य प्रदेश के इंदौर में 2 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

लिखा- 'आरडीएक्स लगा दिया गया है

इंदौर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में दो प्राइवेट स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद स्कूल को खाली करा लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि खंडवा रोड पर स्थित न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल (एनडीपीएस) और राऊ क्षेत्र के इंदौर पब्लिक स्कूल (आईपीएस) को मंगलवार सुबह ई-मेल से इन शैक्षणिक संस्थानों को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई। उन्होंने बताया, ''ई-मेल में कहा गया कि दोनों विद्यालयों में आरडीएक्स लगा दिया गया है और इसके जरिये शैक्षणिक संस्थानों में विस्फोट होगा। ई-मेल में तमिल भाषा में भी कुछ बातें भी लिखी गई हैं।'

बम निरोधक दस्ते की टीम पहुंची

दंडोतिया ने बताया कि दोनों विद्यालयों के भवनों को खाली करा लिया गया है और वहां बम निरोधक दस्ते को भेजकर जांच की जा रही है, लेकिन अब तक वहां कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है।

भोपाल में 500 परिवारों और 110 दुकानदारों को बड़ी राहत बुलडोजर की कार्रवाई रोकी गई

भोपाल, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के मोती नगर बस्ती में करीब 400 मकान/झुग्गियों को हटाने की कार्रवाई अनिश्चितकालीन समय के लिए टाली गई। लेकिन 110 दुकानों को हटाने की कार्रवाई बुधवार 5 फरवरी को शुरू होगी। इस संबंध में जिला प्रशासन इलाके में मुनादी कर रहा है। कल सुबह 10:00 बजे जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मोती नगर बस्ती के लोग अभी हाल में ही कलेक्टर से मिले थे। लोगों ने डीएम से दो महीने का और समय देने की मांग की थी। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि उन्हें समय मिल गया है। एक मुस्लिम महिला ने कहा कि हमने डीएम से कहा है कि हमारे घर में शादी है इसलिए शादी तक समय दिया जाए। जबकि छोटे बच्चों का कहना है कि उनका एग्जाम है इसलिए समय दिया जाए। कब तक रोक रहेगी अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक प्रशासन 5 फरवरी को बुलडोजर की कार्रवाई कर सकता है। पर्याप्त पुलिस बल न होने के कारण प्रशासन कार्रवाई करने से पीछे हटा है। जानकारी के अनुसार, प्रशासन ने इलाके को बैरिकेड भी कर दिया था। लेकिन बीती रात से पुलिस ने बैरिकेड हटाने शुरू कर दिए।

सुप्रिया सुले के आरोपों पर केंद्रीय कृषि मंत्री का जवाब

कहा- महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार की होगी जांच

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कृषि विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जांच कराने की बात कही। लोकसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं करेगी। जांच के बाद अगर कोई भ्रष्टाचार में शामिल पाया जाएगा तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र के एक मंत्री और विधायक ने कहा है कि राज्य के कृषि विभाग में पांच हजार करोड़ का भ्रष्टाचार हुआ है। इसके जवाब में लोकसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं इस बारे में पहली बार सुन रहा हूं। मुझे नहीं पता कि वास्तविकता क्या है? लेकिन अगर कहीं कोई अनियमितता पाई जाती है तो हम जांच कराएंगे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एक दूसरे सवाल के जवाब में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि अब तक 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) को लागू किया है, जबकि शेष राज्यों ने अभी तक इसे स्वीकार नहीं किया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना है। कुछ राज्य अपनी फसल बीमा योजनाएं चला रहे हैं। हमने उन्हें पीएमएफबीवाई के लाभों के बारे में बताकर इसे लागू करने के लिए कहा है।

पीएम मोदी की प्राथमिकता किसानों की आय बढ़ाना

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी की प्राथमिकता किसानों की आय बढ़ाना है। नारियल उत्पादन में भारत दुनिया में शीर्ष देश है और हम बहुत ही कम समय में नारियल उत्पादन को 140 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 153 लाख मीट्रिक टन करने में सफल रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने भी लगाए थे आरोप

पिछले दिनों महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने बीड में फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन में अनियमितताओं का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि इस योजना के तहत 105 करोड़ रुपये फर्जी खातों में ट्रांसफर किए गए हैं और डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिक ट्रांसफर) योजना को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा था कि मंत्री धनंजय मुंडे की टीम ने 150-200 किसानों के नाम झूठे दावों में जोड़े हैं। मंत्री खुद इन अनियमितताओं में शामिल हैं।

रेवाड़ी में बड़ा हादसा टला: हिमाचल एक्सप्रेस के इंजन से टकराई नई पटरी की टुकड़ी, बैटरी बॉक्स टूटा

रेवाड़ी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रेवाड़ी के हरी नगर में हिमाचल एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बची। दरअसल, हरी नगर में पटरियों के पास नई पटरियां पड़ी थी। ट्रेन के इंजन से नई पटरी की टुकड़ी टकरा गई। इस टकराव से इंजन का बैटरी बॉक्स टूट गया। इसकी वजह से कुछ समय तक रेल यातायात प्रभावित रहा। बाद में इंजन बदला गया और ट्रेन को रवाना किया गया। गनीमत रही कि किसी प्रकार का कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। हादसे के बाद कई यात्री ऑटो पकड़कर वहां से रवाना हुए। इस दौरान ऑटो चालकों ने मौके का फायदा उठाते हुए दोगुने दाम वसूले। यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

'महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना अनवरत जारी रहेगी

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लाडकी बहिन योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में लाडकी बहिन योजना बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी। महाराष्ट्र में महायुति सरकार महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत के एनडीए गठबंधन की बड़ी जीत का श्रेय लाडकी बहिन योजना को दिया जाता है। लाडकी बहिन योजना के तहत महाराष्ट्र में महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जाती है। महाराष्ट्र में भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ठाणे में रात एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, ''महायुति सरकार कभी भी लाडकी बहिन योजना को बंद नहीं होने देगी, प्रदेश में यह योजना बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।''

खिचड़ी घोटाले में आरोपी शिवसेना यूबीटी नेता को मिली जमानत

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने मुंबई में हुए खिचड़ी घोटाले में आरोपी शिवसेना यूबीटी नेता को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। कोरोना महामारी के दौरान मुंबई में प्रवासी मजदूरों को खिचड़ी के पैकेट बांटे गए थे। आरोप है कि उसमें करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ था। जस्टिस मिलिंद जाधव की पीठ ने खिचड़ी घोटाले के आरोपी शिवसेना यूबीटी नेता सूरज चव्हाण को जमानत देते हुए कहा कि आरोपी को जेल में एक साल से ज्यादा का समय हो गया है और इस मामले में सुनवाई के जल्द पूरा होने की उम्मीद कम है। अदालत ने कहा कि अगर आवेदनकर्ता को ज्यादा लंबे समय तक बंद रखा जाता है तो यह संविधान में अनुच्छेद 21 के तहत मिले मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा, जो जल्द सुनवाई और निजी आजादी की गारंटी देता है। ईडी ने चव्हाण को जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया था। चव्हाण शिवसेना यूबीटी की युवा शाखा युवा सेना का समिति सदस्य है। खिचड़ी घोटाले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जांच कर एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद मामले की जांच ईडी को सौंप दी गई।

क्या है खिचड़ी घोटाला

ईडी के अनुसार, बीएमसी ने मजदूरों को खिचड़ी के पैकेट बांटने के लिए 8.64 करोड़ रुपये जारी किए थे। आरोप है कि इसमें से 3.64 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ। जिसमें 1.25 करोड़ रुपये कथित तौर पर सूरज चव्हाण के बैंक खाते में स्थानांतरित किए गए और 10 लाख रुपये चव्हाण की साझेदार फर्म फायर फाइटर एंटरप्राइजेज को ट्रांसफर किए गए। आरोप है कि चव्हाण ने 1.35 करोड़ रुपये से संपत्ति और डेयरी उद्योग में निवेश किया।

तमिलनाडु के मदुरै जिले में दो दिनों के लिए लगाया गया कर्फ्यू

थिरुपुरनकुंद्रम, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पहाड़ी पर स्थित सिकंदर दरगाह पर पशु बलि की अनुमति देने की कुछ मुस्लिम समूहों की मांग के खिलाफ हिंदू मुन्नानी के विरोध प्रदर्शन से एक दिन पहले, मदुरै जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (सीआरपीसी की धारा 144) लागू कर दी है। इस धारा के तहत विरोध प्रदर्शनों और सार्वजनिक प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मदुरै जिला प्रशासन ने चार फरवरी को प्रदर्शन की घोषणा किये जाने के बाद थिरुपरनकुंद्रम और जिले के अन्य हिस्सों में दो दिनों तक के लिए निषेधाज्ञा लगा दी है। जिलाधिकारी एमएस संगीता ने कहा है कि तीन फरवरी सुबह छह बजे से पांच फरवरी की रात 12 बजे तक यानी दो दिनों के लिए निषेधाज्ञा लगायी गई है। 'हिंदू मुन्नानी' यानी हिंदू मोर्चा ने थिरुपरनकुंद्रम में मांसाहारी भोजन खाने वाले लोगों के एक वर्ग के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। बता दें कि थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर भगवान सुब्रह्मण्य स्वामी का मंदिर है। पुलिस ने मंदिर के सामने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है और थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी के चारों ओर सुरक्षा के लिए 300 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

इस वजह से हो रहा है प्रदर्शन

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी तमिलनाडु में भगवान मुरुगा के छह निवासों में से एक है और प्रिवी काउंसिल के फैसले के अनुसार, यह भगवान सुब्रह्मण्य स्वामी के मंदिर के अंतर्गत आता है। हिंदुओं का मानना है कि पहाड़ी पर खून की एक बूंद भी नहीं गिरनी चाहिए। रामनाथपुरम से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के सांसद के नवास कानी के दौरे के बाद मामले ने एक और मोड़ ले लिया। उन्होंने कहा कि दरगाह वक्फ संपत्ति है और उन्होंने पहाड़ी पर मांसाहारी भोजन कर रहे लोगों के एक समूह की तस्वीरें भी पोस्ट कीं। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर के मुताबिक पके हुए मांसाहारी भोजन के सेवन पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

फाइनेंशियल फ्रॉड की राजधानी बनी 'मुंबई', 2024 में 2 लाख मामले आए सामने, नुकसान के आंकड़े चौंकाने वाले

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को सपनों का शहर कहा जाता है। हर किसी का सपना होता है इस शहर में पनाह मिल जाए या फिर कोई रोजगार मिले, जिससे आगे जिंदगी जीने के साधन जुड़ पाएं। मुंबई में ऐसा होता भी है, लेकिन सबसे अमीर शहरों के टॉप 10 में आने वाली मुंबई पर फाइनेंशियल स्कैमर की सबसे ज्यादा नजर है। दरअसल, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में सबसे आगे है। महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल राज्य में वित्तीय धोखाधड़ी के 2,19,047 मामले सामने आए। इन मामलों में 38,872 करोड़ का फ्रॉड हुआ, जो काफी चौंकाने वाले हैं। चौंकाने वाले इसलिए कि अधिकतर मामलों में पीड़ित को उसके पैसे वापस भी नहीं मिल पाते हैं।

पुलिस के पास अपराधियों की कुंडली

फिर भी खुलेआम घूम रहे; जेलों के अंदर से नेटवर्क चला रहे कुख्यात बदमाश

जम्मू, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कुख्यात बदमाश एवं गैंगस्टर खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस के पास इनका पूरा रिकॉर्ड है, इसके बावजूद हिस्ट्रीशीटर अपने गुर्गों के साथ पार्टियां कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई तरह के पोस्ट डाल रहे हैं। हैरानी की बात तो ये है कि पिछली बड़ी वारदातों में शामिल अपराधियों पर 6 से 10 मामले तक दर्ज हैं। इस सबके बावजूद पुलिस कार्रवाई करने पर मौन साधे हुए है। जानकारी के अनुसार ज्वेल हत्याकांड में शामिल आरोपी हर्ष पर पांच एफआईआर दर्ज हैं। मीरां साहिब में पुलिस पर फायरिंग करने वाले गैंगस्टरों में एक पर 11 और दूसरे पर 5 मामले दर्ज हैं। जम्मू , सांबा और कठुआ जिले में पिछले एक महीने के दौरान पुलिस ने 35 ऐसे नशा तस्करों, कुख्यात बदमाशों और अपराधियों को तेजधार हथियारों और पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार किया है, जिन पर 5 से 6 मामले दर्ज हैं।

पुणे बना गुलियन-बैरे सिंड्रोम का हॉटस्पॉट! 5 नए मामले सामने आए, कुल संख्या 163 पहुंची

पुणे, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पुणे में 5 और लोगों के 'गुलियन बैरे सिंड्रोम' (जीबीएस) से संक्रमित होने का पता चलने के बाद महाराष्ट्र में इस दुर्लभ तंत्रिका विकार से संक्रमण के संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 163 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि राज्य में इस बीमारी से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा,''पांच मामले सामने आए हैं, हालांकि सोमवार को किसी की मौत नहीं हुई और 127 लोगों में जीबीएस की पुष्टि हुई है। संदिग्ध मामले 163 हैं, जिनमें पुणे शहर में 32, पुणे नगर निगम क्षेत्र में जोड़े गए नए गांवों से 86, पिंपरी चिंचवड में 18, पुणे ग्रामीण में 19 और अन्य जिलों में आठ मामले शामिल हैं।''अधिकारी ने बताया कि 163 मरीजों में से अब तक 47 को छुट्टी दे दी गई है, 47 मरीज आईसीयू में हैं और 21 वेंटिलेटर पर हैं। उन्होंने बताया कि पुणे शहर के विभिन्न स्थानों से पानी के कुल 168 नमूने रासायनिक और जैविक विश्लेषण के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला भेजे गए थे। उन्होंने बताया कि आठ जल स्रोतों के नमूने दूषित पाए गए। जीबीएस एक दुर्लभ विकार है, जिसमें शरीर के हिस्से अचानक सुन्न पड़ जाते हैं और मांसपेशियों में कमजोरी आ जाती है। इसके साथ ही इस बीमारी में हाथ-पैरों में गंभीर कमजोरी जैसे लक्षण भी होते हैं। माना जाता है कि दूषित भोजन और पानी में पाया जाने वाला 'बैक्टीरिया कैम्पिलोबैक्टर जेजुनी' इस प्रकोप का कारण है।

2020 के दिल्ली चुनाव का टूटा रिकॉर्ड

नकदी और मादक पदार्थों की चार गुना अधिक हुई जब्ती

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। 5 फरवरी को दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हैं। चुनाव से पहले 220 करोड़ रुपये मूल्य से अधिक की नकदी, मादक पदार्थ और कीमती धातुएं जब्त की गई हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सीईओ ने बताया कि जब्त किए गए सामान में 88 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 81 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और लगभग 40 करोड़ रुपये की नकदी शामिल हैं। दिल्ली में मतदान 5 फरवरी को होना है, जिसके नतीजा 8 फरवरी को आएगा। वहीं सीईओ ने कहा कि यह जब्ती 2020 के विधानसभा चुनावों की तुलना में चार गुना अधिक है, जब कुल जब्ती मात्र 57.15 करोड़ रुपये थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि चुनाव 'स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी' तरीके से कराए जाएंगे।

'सी-विजिल' पर हजारों शिकायतें दर्ज

सीईओ ने बताया कि आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से 'सी-विजिल' मंच पर 7,500 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 7,467 शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान कर दिया गया है, जबकि मात्र 32 शिकायतों पर काम किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने इस बार शिकायतों के निपटारे में तेजी दिखाई है। रिपोर्ट के अनुसार, 90 प्रतिशत मामलों में शिकायतों का समाधान केवल 100 मिनट के भीतर कर दिया गया, जिससे मतदाताओं का भरोसा बढ़ा है।

जब्ती के बाद कड़ी निगरानी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहरभर में पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो। नकदी, शराब और अवैध सामग्री के परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट और निगरानी दल सक्रिय किए गए हैं। वहीं चुनाव आयोग का कहना है कि दिल्ली के मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

बच्चे ने उपमा की जगह मांगा चिकन फ्राई तो अब बदलेगा आंगनवाड़ी का मेन्यू; बड़ा फैसला लेने की तैयारी में केरल सरकार

कोच्चि, 4 फरवरी (एजेंसियां)। केरल से एक हैरान करने वाला मामले सामने आया है। वहां के आंगनवाड़ी में उपमा के बजाय एक बच्चे ने बिरयानी और चिकन फ्राई मांगा, बच्चा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राज्य की स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री वीना जॉर्ज ने अपने फेसबुक पेज पर शंकू नाम के एक बच्चे का ऐसा अनुरोध करते हुए वीडियो साझा किया और कहा कि आंगनवाड़ी के मेन्यू को संशोधित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चे ने मासूमियत में ऐसा बोला और इस पर विचार किया जा रहा है। मंत्री ने शंकू, उसकी मां और आंगनवाड़ी स्टाफ को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'शंकू के सुझाव को ध्यान में रखते हुए मेन्यू की जांच की जाएगी। जॉर्ज ने बताया कि बच्चों के लिए पोषणयुक्त भोजन सुनिश्चित करने के लिए आंगनवाड़ियों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के भोजन उपलब्ध कराए जाते हैं।

अंडे और दूध की सुविधा

जॉर्ज ने आगे कहा, 'इस सरकार के तहत, आंगनवाड़ियों के माध्यम से अंडे और दूध उपलब्ध कराने की योजना सफलतापूर्वक लागू की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से, स्थानीय निकाय आंगनवाड़ियों में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराते हैं।'

वायरल हुआ वीडियो

वायरल वीडियो में, टोपी पहने हुए बच्चे को मासूमियत से अपनी मां से पूछते हुए सुना गया, 'मुझे आंगनवाड़ी में उपमा के बजाय 'बिरनानी' (बिरयानी) और 'पोरिचा कोझी' (चिकन फ्राई) चाहिए।' उनकी मां ने कहा कि घर पर बिरयानी खाते समय जब उन्होंने अनुरोध किया तो उन्होंने वीडियो बनाया, फिर इसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जहां यह वायरल हो गया। वीडियो देखने के बाद, हमें कुछ लोगों के फोन आए जिन्होंने शंकू को बिरयानी और चिकन फ्राई की पेशकश की। नेटिजेंस ने भी बच्चे के अनुरोध का समर्थन किया, कुछ ने सुझाव दिया कि सरकार को जेलों में दोषियों को दिए जाने वाले भोजन को कम करना चाहिए और आंगनबाड़ियों के माध्यम से बच्चों को बेहतर खाना देना चाहिए।

इंदौर में बीजेपी कार्यकर्ता के घर फिल्मी अंदाज में फायरिंग, तीन बदमाशों ने बरसाईं तड़ातड़ गोलियां

इंदौर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर के गौतमपुरा में फिल्मी अंदाज में घर पर फायरिंग करने का वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि पैसों के लेन-देन को लेकर बीजेपी कार्यकर्ता के घर पर बुलेट सवार आरोपियों की ओर से फायरिंग की गई और वे फरार हो गए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल इंदौर से सटे गौतमपुरा के समीप ग्राम चंबल के व्यापारी विवेक मूंदड़ा, जो बीजेपी कार्यकर्ता भी हैं, उनके घर पर शनिवार रात तीन बदमाशों ने बंदूक से तीन फायरिंग की। तीनों पैसों की लेन-देन को लेकर कुछ दिनों से व्यापारी विभोर मूंदड़ा और उनके भाई विवेक मूंदड़ा को परेशान कर रहे थे। तीनों फायरिंग करते हुए सीसीटीवी में कैद हो गए। व्यापारियों का आरोप है कि हमारी ओर से सीसीटीवी फुटेज पुलिस को दिया गया है।

सिंहस्थ के अमृत स्नान में शामिल होंगे 3 करोड़ लोग, ऐसी होगी व्यवस्था

उज्जैन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के अमृत स्नान में 3 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है। इसके लिए सरकार द्वारा अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अपर मुख्य सचिव ने दो दिन तक उज्जैन में रहकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की, साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। 31 दिसंबर 2027 तक सभी निर्माण कार्यों को पूरा किए जाने पर जोर दिया गया। इस बीच निर्माणस्थलों का भी निरीक्षण भी किया गया। अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने उज्जैन पहुंचकर सिंहस्थ-2028 की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सिंहस्थ के अमृत स्नान में 3 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई है। राजौरा ने उज्जैन पहुंचकर श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए तैयारी करने के निर्देश दिए। वह दो दिन से सिंहस्थ को लेकर समीक्षा कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने कुछ कार्य स्थलों का निरीक्षण भी किया। अपर मुख्य सचिव ने अखाड़ों और संतों के लिए आवंटित स्थानों की मैपिंग, सड़कों और पुलों की सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने रामघाट पर स्नान की व्यवस्था देखी। साथ ही शंकराचार्य चौराहा पहुंचकर मार्ग चौड़ीकरण की जानकारी ली। उज्जैन के पेशवाई मार्ग और सवारी मार्ग विकास का निरिक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा निर्माणाधीन महाराजवाडा हेरिटेज होटल का भी निरीक्षण किया गया। अमृत स्नान को लेकर अपर मुख्य सचिव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। सिंहस्थ 2028 में भीड़ को नियंत्रण करने के लिए तैयारी की जाएगी। अमृत स्नान के लिए 15 मिनट का रिस्पांस टाइम तय हुआ है। मेला इलाके में दो नए थाने और अस्थाई पुलिस चौकियां बनाई जाएंगी, जिसमें 42 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात की जाएंगे।

भोपाल में अब भीख मांगना पड़ेगा बहुत महंगा, प्रशासन ने जारी किया आदेश

भोपाल, 4 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल में अब भीख मांगना अपराध की श्रेणी में गिना जाएगा। साथ ही जो व्यक्ति किसी को भीख देगा, वो भी अपराधी की श्रेणी में गिना जाएगा। इसके लिए प्रशासन की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, किसी भी चौक-चौराहे पर भीख मांगता कोई पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश भोपाल जिले से लगी सभी सीमाओं तक लागू होगा। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि भीख मांगने वाले नशे में लिप्त लोग या फिर अनैतिक गतिविधियों में शामिल लोग संलिप्त रहते हैं। ऐसे बहुत से लोगों की शिकायत प्रशासन के पास पहुंची है। आदेश के मुताबिक, अब भोपाल शहर से लेकर किसी भी कस्बे या गांव में भी भीख मांगना जुर्म की श्रेणी में आएगा। प्रशासन की तरफ से सभी जगहों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अपने आदेश में कहा है कि भोपाल में ट्रैफिक सिग्नल, चौक, चौराहों, धार्मिक स्थल, पर्यटन जगहों से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगने वाले लोग ट्रैफिक बाधित करते हैं। इतना ही नहीं वे शासन के आदेशों की भी नहीं मानते। इतना ही नहीं ये भी देखा गया है कि भीख मांगने में दूसरे राज्यों और शहरों के लोग भी शामिल रहे है। कई लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड भी होता है। कई लोग नशे और गलत संगत में पड़ जाते है। इसके अलावा भीख मांगने की आड़ में कई अपराधिक गिरोह भी चलाया जाता है। भोपाल कलेक्टर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सिर्फ भीख मांगना ही नहीं, बल्कि भिक्षुकों को भिक्षा देना या उनसे कोई सामान खरीदना भी अपराध माना जाएगा। अगर कोई शख्स किसी भिखारी को खाना, पैसा या दूसरी को भी चीज देता है या उससे कोई सामान खरीदता है, तो इसे भी आदेश का उल्लंघन माना जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 5 फरवरी - 2025

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा का मकसद

अशोक भाटिया

अमेरिका के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण के एक हफ्ते बाद 27 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान दोनों नेता व्यापार, उर्जा और रक्षा के क्षेत्र में भारत-अमेरिका सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक भरोसेमंद साझेदारी की दिशा में काम करने पर सहमत हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब ट्रंप ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं और इन सबके केंद्र में 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति है। तो चलिए, ऐसे में जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत के लिए क्यों और कैसे अहम साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले 'व्हाइट हाउस' ने जिस तरह के संकेत दिए हैं उसे समझना भी बेहद दिलचस्प है। 'व्हाइट हाउस' ट्रंप की मोदी की बातचीत को सार्थक बताते हुए, कहा है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों समेत भारत-अमेरिका सहयोग को और अधिक गहरा करने की दिशा में काम करने पर जोर दिया है। यहां देखने वाली बात यह भी है कि एक तरफ अमेरिका भारत के साथ संबंधों को तरजीह दे रहा है तो वहीं ट्रंप प्रशासन ने उच्च शुल्क वाले देशों की श्रेणी में चीन और ब्राजील के आलावा भारत का नाम भी शामिल किया है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। अमेरिका भारत के बड़े कारोबारी साझेदारों में एकमात्र देश है, जिससे भारत का व्यापार घाटा नहीं है। यानी भारत अमेरिका में अपना सामान बेचता ज्यादा है और खरीदता कम है। 2022 में भारत और अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 191.8 अरब डॉलर का था। भारत ने 118 अरब डॉलर का निर्यात किया था और आयात 73 अरब डॉलर का था। यानी भारत का 2022 में 45.17 अरब डॉलर सरप्लस व्यापार था। अब ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी के तहत भारत के खिलाफ टैरिफ लगाया तो चीजें बदलती हुई भी नजर आएंगी। अब प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे से ट्रंप सरकार के रुख में क्या बदलाव आएगा यह देखने वाली बात होगी। अमेरिका और अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए निरंतर आर्थिक सुधारों और कारोबारी सुगमता में बेहतरी के कारण भारत उनके लिए आकर्षक गंतव्य बन गया है। ऐसे में भारत और अमेरिका के संबंध कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। सुरक्षा संबंध भी इसमें अहम हैं। ट्रंप और मोदी के बीच हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया और यूरोप में सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर भी चर्चा हुई है। 'व्हाइट हाउस' ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका में निर्मित सुरक्षा उपकरणों की भारत द्वारा खरीद बढ़ाने और उचित द्विपक्षीय व्यापार संबंधों की दिशा में आगे बढ़ने के महत्व पर जोर दिया है। भारत ने हाल के वर्षों में अमेरिका से रक्षा उपकरणों की खरीद की है, इनमें हेलिकॉप्टर तक शामिल हैं। लेकिन, भारत के फाइटर जेट तेजस के लिए इंजन आपूर्ति में देरी अमेरिकी मंशा पर सवाल खड़े करती है। ऐसे में भारत को विकल्प तलाशने होंगे। अब प्रधानमंत्री मोदी के इस अमेरिका दौरे से सुरक्षा मुद्दों पर व्यापक सहमति किस स्तर तक बन पाती है यह देखना दिलचस्प होगा। हिंद प्रशांत क्षेत्र विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला और आर्थिक रूप से सक्रिय क्षेत्र है, जिसमें चार महाद्वीप शामिल हैं एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका। इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल से सारे देश सतर्क हैं। दरअसल, चीन से मिलने वाली चुनौतियों से पार पाने के मकसद से ही क्वाड का गठन किया गया है। इस क्षेत्र में भारत की भूमिका अहम है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान चीन का मुकाबला करने के लिए दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर में भारत की उपस्थिति चाहते हैं। इन देशों के एक मंच पर आने से चीन को जवाब दिया जा सकता है। चीन की विस्तार नीति को क्वाड के जरिए रोकना आसान होगा। मोदी और ट्रंप ने भी अपनी बातचीत के दौरान अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी और हिंद-प्रशांत क्वाड साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। फिलहाल, किसी देश की ताकत उसकी तकनीकी संपन्नता पर काफी हद तक निर्भर करती है। इसमें चीन कई मामलों में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया से बहुत आगे है। खासकर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में चीन का दबदबा है। अमेरिका ने पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में काफी तरक्की की है, पर अब भी वह चीन से पीछे है। भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में तेजी से कदम आगे बढ़ाया है, मगर अब भी लंबा रास्ता तय करना है। अब नई तकनीकों के क्षेत्र में भारत और अमेरिका साथ आते हैं तो निश्चित ही यह दोनों देशों के लिए बेहतर होगा और चीन के दबदबे को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका यात्रा से भारत को किस तरह के तात्कालिक और दूरगामी लाभ मिलेंगे इस पर नजर जरूर रहेगी। बताया जाता है कि इस समय ट्रम्प अमेरिकी वाहनों पर अपने देश के कारों के बारे में नाराज हैं, एक गुस्सा जो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कई बार व्यक्त किया है। ट्रंप को अपना अमेरिकी दौरा शुरू करने के लिए इस मुद्दे पर 'चुप' रहने की जरूरत है। ताजा बजट में आयात शुल्क को करीब 50 फीसदी कम करने का फैसला किया गया है और आयात शुल्क को अब 125 फीसदी से घटाकर 70 फीसदी किया जाएगा। इसका मतलब है कि सिर्फ हार्ले-डेविडसन की बाइक्स ही नहीं बल्कि एलन मस्क की 'टेस्ला' इलेक्ट्रिक कार भी भारत में सस्ती हो सकती है। यह, जाहिर है, ट्रम्प को खुश करने के लिए है। अपने नवीनतम झगड़े में, ट्रम्प ने पड़ोसी मैक्सिको, कनाडा और दूर-दराज के चीन पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए, पड़ोसी मैक्सिको और कनाडा के लिए 25 प्रतिशत से, चीन के लिए 10 प्रतिशत, जिसका अर्थ है कि इन तीन देशों के उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक महंगे होंगे, और अमेरिकी कारें भारत में दोपहिया वाहनों की कीमतों में उतने ही प्रतिशत की कमी आएगी। दोनों एक ही दिन हुए थे। इसने इस फैसले लेने की अहमियत के साथ-साथ ऐसे फैसले लेने वालों की मानसिकता का भी पता चलता है। ट्रम्प ने जो किया है उसे विश्व स्तर पर व्यापार युद्ध की शुरुआत, नया व्यापार युद्ध और इसी तरह वर्णित किया गया है, लेकिन एक और महत्वपूर्ण सवाल यह है कि हमारे साथ क्या होगा?

यह ट्रम्प की चीन विरोधी बयानबाजी के कारण है कि हमारे पास लोगों का एक वर्ग गुदगुदी कर रहा है, और अगर हमारे दुश्मन का कांटा पारस्परिक रूप से हटा दिया जाता है तो कौन इसे पसंद नहीं करेगा? लेकिन इस तथ्य को याद रखना महत्वपूर्ण है कि चीन पर ट्रम्प की स्थिति को इस तरह के शत्रुतापूर्ण प्रकाश में देखना हमारे लिए अनुचित हो सकता है। इसका मतलब यह है कि जितना अधिक वह चीन के खिलाफ भय फैला रहा है, उतना ही वह वास्तव में उस देश के खिलाफ जाना चाहता है। यदि वह वास्तव में ऐसा करना चाहते थे, तो उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपना राष्ट्रपति बनने के लिए आमंत्रित नहीं किया होता। शी ट्रम्प द्वारा दिए गए व्यक्तिगत निमंत्रणों में से हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने किसी को आमंत्रित नहीं किया था। ट्रम्प शी जिनपिंग को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करने पर नहीं रुके, जो हमारे लिए और भी गंभीर है। राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने के बाद, ट्रम्प ने व्यक्तिगत रूप से कुछ विश्व नेताओं को बुलाया और आगे के रास्ते पर चर्चा की। कहने की जरूरत नहीं है, ट्रम्प चीन के खिलाफ कितनी दूर जाएंगे, इस सवाल पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि हमारे और चीन के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका और हमारे बीच भविष्य के संबंध इस प्रश्न के ईमानदार उत्तर पर निर्भर करते हैं। ट्रम्प से पहले डेमोक्रेट जो बिडेन ने भारत को चीन के विकल्प के रूप में देखा, एक कम्युनिस्ट, सत्तावादी देश, इसलिए भारत डेमोक्रेट्स के लिए चीन की नाक खुजलाने, उस देश को चेतावनी देने, या चीन विरोधी मोहरे के रूप में महत्वपूर्ण था। इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस के साथ अपने संबंधों पर आंखें मूंद लीं, जिसने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए। ट्रम्प का रिपब्लिकन दृष्टिकोण अलग है। वे चीन के साथ सीधे चीन के रूप में सौदा करना चाहते हैं। उन्हें नहीं लगता कि चीन के विकल्प के रूप में एक सहयोगी होना बेहतर है, और उनके दृष्टिकोण की तुलना इस तथ्य से की जा सकती है कि शीत युद्ध के दौरान अमेरिकी नेतृत्व अंततः सोवियत संघ के नेतृत्व के साथ सीधे गठबंधन करता था, जो उस समय उनका कड़वा दुश्मन था। सोवियत राष्ट्रपति ब्रेझनेव इस अवधि के दौरान व्हाइट हाउस आए, और उस समय संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ दोनों ने ऐसा करने की कोशिश करने का एक कारण इस शत्रुता का लाभ उठाना था।

सम्मान का अपमान नहीं चलेगा

सरकार अब कोई पुरस्कार देने से पहले काबिल व्यक्ति से शपथ पत्र लेगी कि वे राजनीतिक कारणों से प्रेरित हो कर पुरस्कार वापस नहीं करेंगे। जेडीयू सांसद संजय झा की अगुवाई में बनी संसदीय समिति की सिफारिश के अनुसार, एजेंडाधारी अवॉर्ड वापसी गैंग ने बीते वर्षों में जिस तरह से सम्मान का अपमान किया है, वह किसी से छुपा नहीं है। इसीलिए सरकार अब साहित्य, संस्कृति, कला आदि क्षेत्रों का पुरस्कार देने के लिए किसी प्रतिभा के चयन में विशेष शर्त रखने की तैयार कर रही है। अवॉर्ड वापसी गैंग ने सम्मान का अपमान पर अपमान करके ऐसा निकृष्टतम काम किया है जिससे सरकार यह कदम उठाने को मजबूर हो गई। संसदीय समिति ने सिफारिश की है कि अब उसी व्यक्ति को अवॉर्ड दिया जाएगा जो शपथ पत्र भरकर संकल्प ले कि वह किसी एजेंडे के तहत पुरस्कार वापस नहीं करेगा। यदि संसदीय समिति की सिफारिश मानी गई तो निश्चित रूप से बुद्धिजीवी का नकाब ओढ़े एजेंडावादियों का चेहरा बेनकाब हो जाएगा। ऐसे एजेंडाधारियों ने बीते सालों में मोदी सरकार के खिलाफ सम्मान का अपमान तो किया ही, देश की आम जनमानस की भावनाओं की भी कद्र नहीं की। जब किसी को पुरस्कार मिलता है तो पूरे देश की दृष्टि उसके प्रति सम्मान से भर जाती है। लेकिन ये अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने की चाहत में पुरस्कार की प्रतिष्ठा को भी जूते की नोंक पर रख देते हैं। बता दें कि जब किसी पुरस्कार के लिए चयन किया जाता है तो अनगिनत प्रतिस्पर्धियों की छंटनी की जाती है। अवॉर्ड वापसी उन प्रतिभाओं पर दोहरी मार है जो पुरस्कार के लायक थे, लेकिन नियम के लिहाज से वंचित रह गए। जब कोई अवॉर्ड वापस करता है तो वह उन पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को नीचा दिखाने की भी अप्रत्यक्ष कोशिश करता है जो ऐसा नहीं करते। हैरानी तो तब होती है जब अवॉर्ड वापसी गैंग ने मोदी सरकार पर 'असहिष्णुता' पर आरोप लगाकर पुरस्कारों का अपमान किया। नफरत में वे खुद इतने 'असहिष्णु' हो गए जो विरोधी विचार को बर्दाश्त नहीं कर सके। ये ऐसा गैंग है जो लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की जय-जय तो करते हैं, लेकिन उसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनी हुई सरकार के पतन के लिए सारी मर्यादाएं ताक पर रख देते हैं। इनमें इतनी भी गैरत नहीं बचती कि जिस संस्थान ने उन्हें पुरस्कार दिया है, उनसे भी अलग हो जाएं। वो पुरस्कार तो लौटा देंगे, लेकिन संस्थान नहीं छोड़ेंगे। अगर पुरस्कार सरकार ने दिया तो संस्थान भी तो सरकार ही चला रही है। लेकिन अवॉर्ड वापसी के गिरोहबाज दिखावे भर का नुकसान तो बर्दाश्त कर सकते हैं, जीवन पर वास्तविक असर डालने वाले नुकसान से उनका मोह नहीं भंग होता। अवॉर्ड वापसी इसलिए भी घोर अनैतिक है क्योंकि ये अवॉर्ड प्रतिभा का सम्मान होते हैं, राजनीतिक विचारधारा का नहीं। अगर व्यवहारिक तौर पर राजनीतिक विचारधारा को ही सम्मानित किया जाता है तो इस विकृति को दूर करने की जिम्मेदारी भी तो बौद्धिक वर्ग की ही है। वो अगर राजनीति से प्रेरित होकर सम्मान का अपमान करके अवॉर्ड वापसी अभियान चलाएंगे तो यह परंपरा तो मजबूत ही होगी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इन गिरोहबाजों ने ही अवॉर्ड के लिए चयन प्रक्रिया को भी दूषित नहीं किया है? क्या ये ईमानदार, निष्पक्ष और अपनी कला में रमे-जमे लोगों को गिरोहबाजी करने को मजबूर नहीं करते? अगर ऐसे ही लोग सम्मान पाने के योग्य हैं तो फिर दंडित होने वाले कौन होंगे?

आम बजट का दूसरा पक्ष

रघु ठाकुर

वर्ष 2025 का आम बजट मध्य वर्ग के लिए मीडिया के एक हिस्से में स्वर्ग बताया जा रहा है । निसंदेह इस बजट में मध्य वर्ग के लिए अनेकों राहत दी गई है जिनमें मुख्यतः 12 लाख रु तक की आय को आयकर से मुक्त करना,किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाकर 5 लाख करने ,आयुष्मान के तहत इलाज के दायरे को बढ़ाने जैसी अनेक राहतें प्रदान की गई हैं ।यह सुविधायें तार्किक भी हैं और न्याय संगत भी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 फरवरी 2025 को दिल्ली की एक रैली में भाषण देते हुए कहा कि नेहरू सरकार में 12 लाख की आय पर 3 लाख और इंदिरा गांधी की सरकार में 10 लाख , मनमोहन सिंह की सरकार में ढाई लाख रुपये टैक्स देना होता था ।अब टैक्स की सीमा में छूट 12 लाख कर देने से एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार मध्य वर्ग के 3लाख 30हजार करोड रुपए बचेंगे और जो बाजार में आएंगे। इससे 10% खपत बढ़ेगी और इससे व्यापारियों को भी भारी फायदा होगा । केंद्र को भी जीएसटी के रूप में 40 हजार करोड रुपए बढे कर मिलेंगे तथा केंद्रीय करों में राज्यों की भागीदारी 8 हजार करोड रुपए ज्यादा बढ़ कर 28 हजार करोड रुपए ज्यादा मिलेंगे । निसंदेह यह बजट देश के 55 करोड़ मध्य वर्ग के लिए सुखद है परंतु अगर हम उसे राष्ट्रीय दृष्टिकोण से सोचे तो यह बहुत चिंताजनक और एक कठिन भविष्य का संकेत देता है। इस बजट में 10 लाख करोड रुपए के सार्वजनिक क्षेत्र के यानी सरकारी क्षेत्र की संपत्तियों को बेचने का निर्णय हुआ है ।औसतन 2 लाख करोड रुपए प्रति वर्ष राष्ट्रीय संपत्ति को खुले बाजार में निजी हाथों में बेचा जाएगा । यह जो सुविधा मध्य वर्ग को दी है इन्हें दो लाख करोड रुपए की राष्ट्रीय संपत्ति को बेचकर पूरा किया जाएगा। यानी सरकार के बजट से तो मात्र 1 लाख 30 हजार करोड रुपए ही जाना है । शेष लगभग 66 से 70% मध्य वर्ग के रियायतों की पूर्ति राष्ट्रीय संपत्ति को बेचकर की जाएगी। यह तो ऐसा हुआ जैसे कोई व्यक्ति अपने घर को बेचकर समाज सेवा करें। बजट में इस मध्य वर्ग के सुविधाओं के कोलाहल में यह बात नज़र अंदाज़ हो गई कि बजट का 20% तो केवल भारत सरकार के द्वारा लीए गए कर्ज के ब्याज में चुकाना है ।यह राशि कितनी बड़ी होगी जिसकी कल्पना प्रतिशत में नहीं की जा सकती । यह कर्ज और ब्याज प्रतिवर्ष बढ़ता ही जा रहा है। इस कर्ज के ब्याज चुकाने के लिए 2023=2024में कुल बजट का 14% देना था,अब यह बढ़कर 20% हो गया है। यानी हम लोग एक राष्ट्र के रूप में निरंतर कर्जदार बनते जा रहे हैं।

क्या एक राष्ट्र के रूप में यह हमें चिंता का विषय नहीं होना चाहिए ? सरकारें आएंगीं जाएंगीं और प्रधानमंत्री -वित्त मंत्री भी आएंगे जाएंगे, परंतु देश का भविष्य भी सोचना होगा।

अगर मध्य वर्ग के व्यक्ति को 12 लाख की आय में ढाई लाख रुपए का टैक्स चुकाना हो तो वह खुश होगा या दुखी होगा? यही कल्पना हमें राष्ट्रीय होने के नाते भी करना चाहिए । भारत माता को और अधिक कर्जदार बनाकर सुविधा प्राप्त करें तो क्या यह हमारी राष्ट्रीयता होगी ? भारत माता के आभूषणों को बेचकर कुछ सुविधाएं हासिल करना क्या हमारी राष्ट्रीयता होगी? कल्पना करिए कि अगर कोई अपनी मां के जेवर बेचकर सुखोपभोग करे तो उसे हम क्या मां का वफादार कहेंगे? बीमा के क्षेत्र में 73% से बढ़कर 100% विदेशी पूंजी निवेश की अनुमति प्रदान कर दी गई है। यानी कुल बीमा कंपनियों का आधा काम या व्यापार विदेशी पूंजी के मालिक करेंगे।

रैगिंग की बलि चढते निर्दोष छात्र

मनोज कुमार अग्रवाल

केरल के कोच्चि में 15 वर्षीय स्कूली छात्र ने छब्बीस वीं मंजिल से छलांग लगा कर आत्महत्या कर ली।यह बेहद दुखद और दिल दहलाने वाला मामला है। इस नाबालिग छात्र की आत्महत्या के पीछे रैगिंग एक मात्र बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है।कालेज कैंपस में छात्र-छात्राओं के साथ सीनियर छात्र अब रंग नस्ल क्षेत्र के आधार पर आतंकवादियों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। आपको बता दें कि अभी दो माह पहले गुजरात के एक मेडिकल कॉलेज में एक छात्र पर सीनियर छात्रों की तरफ से किए गए रैगिंग की हैरान कर देने वाली खबर सामने आई थी जहां पर 18 साल के मेघावी एमबीबीएस छात्र अनिल मेथानिया की मौत हो गई थी अनिल को उसके सीनियर्स ने रैगिंग दौरान करीब तीन घंटे तक खड़े रखा और लगातार डांस करने के लिए मजबूर किया जिसके बाद वह बेहोश हो गया और मौत हो गई। यह घटना शनिवार रात पाटन के धारपुर में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के हास्टल में हुई।आए दिन इंजीनियरिंग मेडिकल व मैनेजमेंट कालिजों से लगातार छात्रों के साथ रैगिंग के नाम पर अभद्रता शारीरिक शोषण व मानसिक प्रताड़ना के मामलों की झड़ी लगी है। सख्त कानून बनाने के बावजूद रैगिंग पर रोक नही लग पाना हमारे सिस्टम के नाकारापन का सबूत है वहीं प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं के जीवन को लील रहा है सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं द्वारा हर साल आत्महत्या की जा रही है। यह घटनाएं पूरे परिवार को दुख और अवसाद मे धकेल देती हैं जिनकी कोई भरपाई नहीं है। कोच्चि में छात्र की आत्महत्या के बाद, उसकी मां ने आरोप लगाया है कि क्रूर रैगिंग ने उसके बेटे को तोड़ दिया और उसे मौत के मुंह में धकेल दिया। इंस्टाग्राम पर की गई एक पोस्ट में राजना ने आरोप लगाया कि उसके बेटे मिहिर अहमद को जमकर पीटा गया, गंदी गालियां दी गईं और उसे टॉयलेट सीट चाटने के लिए मजबूर किया गया।पुलिस ने आत्महत्या का मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन मिहिर की मां ने कहा है कि उन्होंने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के कार्यालय और केरल पुलिस प्रमुख को पत्र लिखकर अपने बेटे की मौत की तत्काल और निष्पक्ष जांच की मांग की है। मिहिर ने 15 जनवरी को कोच्चि के त्रिपुनिथरा में अपने 26वीं मंजिल के फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। मिहिर ने यह कदम स्कूल से लौटने के करीब एक घंटे बाद उठाया। मिहिर की मां ने कहा कि उसे उसके रंग के कारण भी परेशान किया जाता था। मिहिर की मां ने कहा, 'बेटे की मौत के बाद मेरे पति और मैंने यह समझने के लिए जानकारी जुटानी शुरू की कि मिहिर ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। उसके दोस्तों, क्लासमेट से बातचीत और सोशल मीडिया मैसेज की समीक्षा करके हमने उसकी भयावह सच्चाई को उजागर किया। मिहिर को स्कूल और स्कूल बस में छात्रों के एक ग्रुप की ओर से क्रूर रैगिंग, धमकियां और शारीरिक हमले का सामना करना पड़ा था। हमने जो साक्ष्य एकत्र किए हैं, वे एक भयावह तस्वीर पेश करते हैं। मिहिर को पीटा गया, उसके साथ मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किकिया गया। मिहिर ने जिस दिन सुसाइड किया उस दिन सुबह भी उसे अपमान सहने के लिए मजबूर किया गया। मिहिर को जबरन शौचालय में ले जाया गया, शौचालय की सीट चाटने के लिए मजबूर किया गया और फ्लश करते समय उसका सिर शौचालय में धकेल दिया गया। क्रूरता के इन कृत्यों ने उसे इस तरह से तोड़ दिया कि हम समझ नहीं सकते।" राजना पीएम ने कहा कि मिहिर के दोस्तों ने न्याय की मांग को बढ़ाने के लिए 'जस्टिस फॉर मिहिर' नाम से एक इंस्टाग्राम पेज शुरू किया था। "हालांकि, अब पेज हटा दिया गया है, और ऐसी खबरें हैं कि स्कूल सच्चाई को दबाने के लिए छात्रों को डरा रहा है। जब मैंने सबूतों के साथ स्कूल अधिकारियों से संपर्क किया और जवाबदेही की मांग की, तो उन्होंने मुझे केवल यह बताया कि सूचना पुलिस को भेज दी गई है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि वे स्कूल की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए इन घटनाओं को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं," उन्होंने कहा। किशोर की मां ने कहा कि उन्होंने तत्काल कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय और डीजीपी से संपर्क किया है। "मुझे डर है कि डिजिटल साक्ष्य एकत्र करने में देरी से अपराधी अपने निशान मिटा सकते हैं।" उन्होंने लिखा, "उसकी मौत के बाद भी उन्होंने क्रूरता नहीं रोकी। एक चौंकाने वाला चैट स्क्रीनशॉट उनकी क्रूरता की हद को दर्शाता है।उन्होंने संदेश भेजा 'वह वास्तव में मर गया' और उसकी मौत का जश्न मनाया।" राजना पीएम ने कहा कि उन्होंने इस घटना की शिकायत केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग से भी की है। जानकारी के अनुसार, बाल अधिकार निकाय के अध्यक्ष ने पुष्टि की है कि पैनल ने किशोर की दुखद मौत पर ध्यान दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि स्कूल के उप-प्रधानाचार्य ने मिहिर को परेशान किया। मातृभूमि की रिपोर्ट के अनुसार, केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने इस भयावह घटना की गहन जांच के आदेश दिए हैं। सामंथा रूथ प्रभु, कीर्ति सुरेश और पृथ्वीराजसमेतकई फिल्म जगत की कई मशहूर हस्तिओं ने रैगिंग के खिलाफ आवाज उठाई है। मिहिर की मौत पर शोक व्यक्त किया है। सामंथा रूथ प्रभु ने कहा, 'इस खबर ने उन्हें पूरी तरह से तोड़ दिया है। यह 2025 है। फिर भी, हमने एक और उज्ज्वल युवा जीवन खो दिया है, जो कुछ व्यक्तियों द्वारा, घृणा और विष से भरे होने के कारण समाप्त हो गया!" उन्होंने कहा, 'मिहिर की मौत याद दिलाती है कि बदमाशी, उत्पीड़न और रैगिंग केवल 'हानिरहित परंपराएं' या 'संस्कार' नहीं हैं। मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और कभी-कभी शारीरिक हिंसा का रूप भी लेती हैं। हमारे पास स्पष्ट रूप से सख्त रैगिंग विरोधी कानून हैं, फिर भी हमारे छात्र चुपचाप पीड़ित होते रहते हैं, बोलने से डरते हैं। वे परिणामों से डरते हैं, डरते हैं कि कोई उनकी बात नहीं सुनेगा। हम कहां चूक रहे हैं?"अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, "माता-पिता, घर, शिक्षक, स्कूल, सहानुभूति ही पहला सबक है।" अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने किशोर की मौत को "दिल दहला देने वाला" बताया। कीर्ति सुरेश ने कहा, "अगर स्कूल में रैगिंग शुरू हो जाती है और बच्चों के एक समूह ने एक लड़के को इस हद तक प्रताड़ित किया है कि उसने अपनी जान ले ली, तो यह कितनी शर्म की बात है! दुखी माँ और उसके परिवार के बारे में सोचना बंद नहीं कर पा रही हूं।"क्या हमारे कालेज शिक्षा के स्थान पर रंग व नस्ल भेद क्षेत्रवाद के आधार पर बच्चों के शोषण का अड्डा बनाए जाएंगे।

बेहतर समझ की ओर बढ़ता 'निपुण भारत'

प्रियंका सौरभ

शिक्षा मंत्रालय ने निपुण भारत कार्यक्रम 2021 की शुरुआत की, जो समझ और अंकगणित के साथ पढ़ने में दक्षता के लिए एक राष्ट्रीय पहल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का हर बच्चा 2026-2027 तक ग्रेड 3 के अंत तक बुनियादी साक्षरता और अंकगणित समझ हासिल कर ले। निपुण भारत मिशन को केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा योजना के तत्वावधान में लॉन्च किया गया है; यह स्कूली शिक्षा के बुनियादी वर्षों में छात्रों तक पहुँच प्रदान करने और उन्हें बनाए रखने, शिक्षक क्षमता का निर्माण करने, सीखने के परिणामों की दिशा में प्रत्येक बच्चे की प्रगति पर नज़र रखने और उच्च गुणवत्ता वाले और विविध छात्र और शिक्षक संसाधन / शिक्षण सामग्री विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। हालिया वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट बुनियादी सीखने के परिणामों में महत्त्वपूर्ण सुधार का खुलासा करके आशा की किरण प्रदान करती है, विशेष रूप से ग्रेड III में। यह विकास आंशिक रूप से शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए भारत सरकार के ठोस प्रयासों के कारण है, जिसमें निपुण भारत मिशन एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) को बढ़ावा देने के लिए रूपरेखा स्थापित की। इसने प्रारंभिक शिक्षा को समग्र शैक्षिक विकास के एक महत्त्वपूर्ण घटक के रूप में बल दिया। निपुण भारत मिशन एक गेम चेंजर 2021 में शुरू की गई राष्ट्रीय पठन, समझ और संख्यात्मकता पहल (निपुण) भारत, शिक्षा मंत्रालय का एक मिशन है। निपुण भारत का लक्ष्य 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों के पढ़ने, लिखने और अंकगणित कौशल में सुधार करना है। निपुण भारत के घटक हैं अपनी मौखिक भाषा सुनने की समझ, शब्दावली और बातचीत करने की क्षमताओं में सुधार करें। प्रतीकों और ध्वनियों के बीच सम्बंध सीखकर लिखित शब्दों को पढ़ना सीखें, रोजमर्रा की स्थितियों को हल करने के लिए सरल गणित विचारों का उपयोग करने के लिए मौलिक संख्यात्मकता सीखें। निपुण भारत कार्यान्वयन के लिए योजनाएँ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा बनाई जाती हैं।

सीखने के स्तर को समझने के लिए, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद बुनियादी सीखने के शोध को अंजाम देती है। निपुण भारत की विशेषताओं में दिलचस्प पाठ्यक्रम और शिक्षण-शिक्षण संसाधन शामिल हैं जिनकी लागत प्रति बच्चा 500 रुपये है। यह प्रत्येक शिक्षक को संसाधन सामग्री के लिए 150 रुपये और उनकी क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रमों के लिए 5, 000 रुपये देता है। यह राज्यों को छात्र मूल्यांकन के लिए 10 से 20 लाख रुपये और राज्य और जिला-स्तरीय परियोजना प्रबंधन इकाइयों के लिए 25 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच देता है। निपुण भारत अभियान के प्रभाव की कहानियों के अनुसार, शिक्षक गणित को अधिक रोचक बनाने के लिए गीतों का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, हालिया वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि ग्रेड III के विद्यार्थियों ने अपने पढ़ने के कौशल (24% से 34%) और घटाव के कौशल (29% से 41%) में सुधार किया है। श्रगतिका घोष जैसे युवा पाठक इस बात के उदाहरण हैं कि कैसे जीवंत और प्रासंगिक कार्यपुस्तिकाओं को अपनाने से ओडिशा में साक्षरता परिणामों में सुधार हुआ है। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक रवि शर्मा द्वारा गीतों के माध्यम से गणित पढ़ाया जाता है। जैसे-जैसे वे संख्याएँ सीखते हैं, वे नारा लगाते हैं, ₹एक-दो थैला लो, तीन-चार चलो बाज़ार।₹ दूसरी कक्षा की छात्रा श्रगतिका घोष अब आत्मविश्वास के साथ ओडिया पुस्तकें पढ़ सकती है। रंगीन और प्रासंगिक कार्यपुस्तिकाएँ कोर साक्षरता को बढ़ाती हैं। निपुण आवश्यक है, लेकिन इसमें कुछ कठिनाइयाँ हैं। प्रारंभिक शैक्षणिक प्रगति के बाद, कई बच्चे बाद की कक्षाओं में संघर्ष करते हैं। हाशिए पर पड़े बच्चे अक्सर बुनियादी क्षमताओं की कमी के साथ स्कूल में प्रवेश करते हैं। निपुण भारत को परिणाम देने में चार साल लगे। यदि इसे 2030 तक बढ़ाया जाता है तो इसका प्रभाव अधिक होगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई) में निवेश करना और कक्षा III-V को सीखने का समर्थन प्रदान करना महत्त्वपूर्ण है।

जैसे-जैसे वे अधिक जटिल विचारों की ओर बढ़ते हैं, कई बच्चे अभी भी बुनियादी शिक्षा के साथ संघर्ष करते हैं। प्रारंभिक तैयारी की कमी हाशिए के समुदायों के लिए अतिरिक्त बाधाएँ पैदा करती है। निपुण भारत की चार साल की यात्रा से पता चलता है, प्रणालीगत परिवर्तन के लिए लगातार प्रयासों की आवश्यकता होती है। अधिक गहरा और स्थायी प्रभाव डालने के लिए, निपुण 2.0 को 2030 तक बढ़ाया जा रहा है। उच्च-क्रम और बुनियादी कौशल के बीच ज्ञान के अंतर को पाटने के लिए ग्रेड III-V तक विस्तार, प्रीस्कूल निर्देश को बेहतर बनाने और प्राथमिक विद्यालय के लिए छात्रों की तैयारी बढ़ाने के लिए प्रारंभिक बचपन शिक्षा को प्राथमिकता दें।

नौकरी की तलाश

डॉ. सुरेश मिश्रा

शहर का नाम था निराशपुर, जहां लोगों के चेहरे पर एक अजीब सा बोझ था। लोग बिना काम के भटकते रहते थे, जैसे मछली बिना पानी के। यहां की सबसे बड़ी समस्या थी बेरोजगारी, और यही मुद्दा सबसे ज्यादा चर्चा में था। सबको काम चाहिए था, लेकिन काम नहीं मिल रहा था। सुरेश, एक साधारण युवक, जो अपनी बीवी और दो बच्चों का पालन-पोषण करने की कोशिश कर रहा था, रोज़ की तरह सुबह जल्दी उठकर नौकरी की तलाश में निकलता था। उसने बहुत से कॉलेज की डिग्रियां हासिल की थीं, लेकिन नौकरी मिलने का नाम ही नहीं ले रहा था। एक दिन, सुरेश ने अपने एक पुराने दोस्त, रामु, से मिलने का फैसला किया। सुरेश ने सोचा, शायद रामु कुछ सलाह दे सके। जब सुरेश रामु के घर पहुंचा, तो वह उसे अपने घर की स्थिति बताने लगा। भाई, मुझे काम नहीं मिल रहा है। मुझे अब क्या करना चाहिए? रामु ने हंसते हुए कहा, सुरेश, तुमने नौकरी की तलाश में एक चीज़ भूल गए हो। तुम सोच रहे हो कि तुम बस एक आवेदन भेजोगे और तुम्हें काम मिल जाएगा। असल में, तुम्हें अपने नेटवर्क का इस्तेमाल करना चाहिए। सुरेश ने पूछा, नेटवर्क? वो क्या होता है? ओह, यार! सबको पता है, नौकरी पाना अब कोई आसान काम नहीं है। तुम्हें लोगों से मिलना होगा, उनसे बात करनी होगी, और फिर वो तुम्हें किसी और से मिलवाएंगे। सुरेश ने सोचा, चलो, आज से मैं नेटवर्किंग करना शुरू करता हूं। कुछ दिनों बाद, सुरेश ने एक स्थानीय सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेने का फैसला किया। वहां उसने कई लोगों से बातचीत की, और सबने उसे कहा कि उसे सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति बढ़ानी चाहिए। सुरेश ने अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जो उसने हर बार काम के लिए आवेदन करते समय लगाई थीं। फिर, एक दिन, सुरेश ने एक फेसबुक पोस्ट लिखी, मैं नौकरी की तलाश में हूं, कृपया मदद करें। इस पोस्ट पर उसके दोस्तों ने कमेंट्स करने शुरू किए। एक दोस्त ने लिखा, तुम बहुत अच्छे हो, तुमको नौकरी मिल जाएगी! दूसरा बोला, तुम्हारे लिए तो काम करना आसान होगा! लेकिन किसी ने भी उसके लिए वास्तविक नौकरी का सुझाव नहीं दिया। सुरेश ने सोचा, क्या ये सब लोग मजाक कर रहे हैं?

मैं नौकरी की तलाश में हूं, और ये सब बस हंस रहे हैं! कुछ समय बाद, सुरेश ने नौकरी के लिए एक स्थानीय कंपनी में आवेदन किया। साक्षात्कार के दिन, सुरेश ने अपना सबसे अच्छा कपड़ा पहना। जब वह कंपनी पहुंचा, तो उसे पता चला कि वहां सब कुछ बहुत असामान्य था। साक्षात्कार में, पहले तो हर कोई खुश था, लेकिन जैसे ही सुरेश ने अपने बारे में बताया, माहौल बदल गया। आपके पास क्या अनुभव है? एक सदस्य ने पूछा। सुरेश ने कहा, मेरे पास बहुत सारी डिग्रियां हैं। वह बोला, लेकिन अनुभव तो नहीं है।

आज गुप्त नवरात्रि की अष्टमी, कल नवमी

देवी दुर्गा को चढ़ाएं सुहाग का सामान, छोटी कन्याओं की भी करें पूजा और दान में दें पढ़ाई से जुड़ी चीजें

अभी माघ मास की गुप्त नवरात्रि चल रही है और देवी पूजा के इस उत्सव की अष्टमी 5 फरवरी और नवमी 6 फरवरी को है। नवरात्रि की इन दोनों तिथियों का महत्व काफी होता है। जो लोग नवरात्रि के शुरुआती सात तिथियों में देवी पूजा नहीं कर पाते हैं, वे अगर अष्टमी-नवमी पर देवी पूजा कर लेते हैं तो उन्हें पूरी नवरात्रि में पूजा-पाठ करने का पुण्य मिल सकता है, ऐसी मान्यता है।

गुप्त नवरात्रि में देवी सती की दस महाविद्याओं के लिए साधना की जाती है, ये साधनाएं विशेष साधक करते हैं। सामान्य और गृहस्थ देवी भक्तों को गुप्त नवरात्रि में देवी दुर्गा की सामान्य पूजा ही करनी चाहिए और किसी पौराणिक देवी मंदिर में दर्शन भी करना चाहिए।

देवी मां को चढ़ाएं सुहाग का सामान

देवी मां को सुहाग का सामान जैसे लाल चुनरी, कुमकुम, सिंदूर, चूड़ियां, आभूषण, बिंदिया आदि चीजें चढ़ाने की परंपरा है।। पूजा में ये चीजें रखी जाती हैं और पूजा के बाद इन चीजों का दान किसी सुहागिन को किया जाता है।

गुप्त नवरात्रि में पूजा-पाठ और दर्शन के साथ ही छोटी कन्याओं को पढ़ाई से जुड़ी चीजें जैसे कॉपी, पेन, पेंसिल, किताबें, स्कूल बेग, स्कूल ड्रेस, जूते-चप्पल और धन का दान कर सकते हैं।

ऐसे कर सकते हैं देवी दुर्गा की पूजा

स्नान के बाद घर के मंदिर में सबसे पहले प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा करें।

गणेश जी को स्नान कराएं। दूर्वा, हार-फूल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करें, मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

गणेश पूजा के बाद घर के मंदिर में देवी दुर्गा की प्रतिमा और शिवलिंग स्थापित करें।

देवी दुर्गा और शिव जी का ध्यान करते हुए देवी प्रतिमा और शिवलिंग पर जल, पंचामृत चढ़ाएं। पंचामृत के बाद फिर जल से कराएं।

देवी दुर्गा को सुहाग का सामान और शिवलिंग पर जनेऊ अर्पित करें। आभूषण, पुष्प हार चढ़ाएं। इत्र अर्पित करें। तिलक लगाएं। लाल फूल, बिल्व पत्र, धतूरा, दूर्वा अर्पित करें।

चावल, नारियल अर्पित करें। मिठाई और मौसमी फलों का भोग लगाएं। धूप और दीप जलाएं। आरती करें। आरती के बाद परिक्रमा करें।

पूजा में दुं दुर्गायै नमः और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। अंत में पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना करें।

पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

नवरात्रि में छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर भोजन कराने की परंपरा है। इसलिए छोटी कन्याओं को भोजन कराएं और अपने सामर्थ्य के अनुसार दान भी दें।

एक साल में चार बार आती हैं नवरात्र

हिन्दी पंचांग में एक साल में चार बार नवरात्र आती है- माघ, चैत्र, आषाढ़ और आश्विन माह के शुक्ल पक्ष में। इनमें से माघ और आषाढ़ माह की नवरात्र गुप्त होती है। गुप्त साधनाओं की साधना के लिए गुप्त नवरात्र श्रेष्ठ होते हैं।

मासिक दुर्गाष्टमी व्रत पूजा विधि

हर महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत रखा जाता है। इस दिन माता दुर्गा की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है। दुर्गाष्टमी का व्रत करने वाले भक्तों पर मां अंबे की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन देवी दुर्गा की उपासना करने से भक्तों की सभी मनोकामना पूरी होती है। साथ ही घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। तो आइए जानते हैं कि फरवरी में मासिक दुर्गा अष्टमी का व्रत कब रखा जाएगा।

फरवरी 2025 मासिक दुर्गाष्टमी व्रत डेट और मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी की तिथि का आरंभ 5 फरवरी 2025 को देर रात 2 बजकर 30 मिनट पर होगा। अष्टमी की तिथि का समापन 6 फरवरी को देर रात 12 बजकर 35 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, माघ मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत 6 फरवरी को रखा जाएगा।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन इन नियम का करें पालन

मासिक दुर्गा अष्टमी के दिन प्रातःकाल उठकर स्नान आदि कर लेना चाहिए।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन तामसिक चीजों से दूर रहें। इस दिन केवल सात्विक आहार ही ग्रहण करें।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन झूठ नहीं बोलें और न ही किसी के लिए बुरा सोचना चाहिए।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन बड़े-बुजुर्ग और महिलाओं का अनादर न करें।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन गरीब और जरूरतमंदों को दान करें।

मासिक दुर्गा अष्टमी के दिन मां दुर्गा को फूल, चंदन, रोली, सिंदूर आदि अर्पित करना चाहिए।

मासिक दुर्गा अष्टमी के दिन इन मंत्रों का करें जाप

या देवी सर्वभूतेषु शांतिरूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

या देवी सर्व भूतेषु विद्या रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः।।

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते।

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

ऊँ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तु ते।।

श्री देवनारायण मंदिर, यहां पहाड़ को चीरकर भगवान ने लिया था अवतार

भगवान देवनारायण का जन्म भीलवाड़ा के मालासेरी डूंगरी में हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मंदिर में शीश झुकाया। भगवान विष्णु ने नीले घोड़े के रूप में अवतार लिया।

भगवान विष्णु के कई मंदिर देश प्रदेश में देखें होंगे लेकिन आज हम आपको भीलवाड़ा के मालासेरी डूंगरी में स्थित एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे जो विष्णु भगवान के अवतार भगवान देवनारायण की जन्मस्थल है। यहां भगवान देवनारायण ने पहाड़ को चीरकर कमल के फूल में अवतार लिया था। भीलवाड़ा जिले के आसींद तहसील के मालासेरी ग्राम पंचायत के पास स्थित मालासेरी डूंगरी पर भगवान श्री देवनारायण का अवतार हुआ था उनका जन्मोत्सव माघ महा की सप्तमी को मनाया जाता है। भगवान देवनारायण के प्रति आस्था प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में फैली हुई है। इतना ही नहीं यहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपना शीश झुकाया था।

मालासेरी डूंगरी देवनारायण मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल ने बताया कि भगवान श्री देवनारायण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भगवान विष्णु की सवारी गुरूड़ है उसका भी अवतार नीले घोड़े के रूप में यहां हुआ था। भगवान विष्णु के शेषनाग का भी मालासेरी में अवतार हुआ था। इसी मालासेरी डूंगरी के ऊपर पांच कामधेनु गायों के साथ भगवान श्री देवनारायण के अंग रक्षक और सृष्टि की रचना के समय जो भेरू प्रकट हुए। इस बार भगवान श्री देवनारायण का 1113 वा जन्मोत्सव मनाया जा रहा है।

इस तरह देवनारायण ने लिया अवतार

मालासेरी मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल ने कहा कि जब माता साडू की परीक्षा लेने भगवान विष्णु आए तब उन्होंने माता का आशीर्वाद दिया कि जब बगडावतों का युद्ध समाप्त हो जाए तो वह मालसेरी डूंगरी चली जाए। जहां तपस्या के बाद भगवान विष्णु उनके पुत्र के रूप में अवतार लेंगे तब माता ने उनसे कहां कि मुझे इसका कैसे विश्वास होगा कि आपका अवतार होगा। तब भगवान विष्णु ने कहा कि भादवी छठ के दिन मालसेरी डूंगरी पर जाकर वहां पत्थर चीरकर देखना तब मेरा वाहन नीला घर घोड़े के रूप में प्रकट होगा। इसके बाद माता साडू ने संवत 968 भादवी छठ को मालासेरी डूंगरी पहुंची तो नीला घर घोड़ को देखा तो उनको विश्वास हो गया और उन्होंने अखंड तपस्या की तब भगवान देवनारायण का अवतरण हुआ। और बाद में भगवान श्री देवनारायण का संवत 968 में माघ सुदी सप्तमी के दिन अवतार लिया। यह मंदिर गुर्जर समाज ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए आस्था का केंद्र है और यहां पर प्रदेश ही नहीं देश भर से श्रद्धाल यहां आते हैं। कई श्रद्धालु तो पैदल ही यहां सैंकड़ों किलोमीटर चलकर पहुंचते हैं और भगवान देवनारायण का आशीर्वाद लेकर यहां से जाते हैं। श्री देवनारायण जन्म स्थली विकास समिति मालासेरी डूंगरी के अध्यक्ष जयदेव चाड का कहना है कि भगवान श्री देवनारायण का संवत 968 में माघ सुदी सप्तमी तारीख शनिवार को सुबह 4 बजे मालासेरी डूंगरी पर कमल के पुष्प में प्रकट हुए थे। यहां पर डूंगरी के अन्दर जो पत्थर है वह दुनियां में कहीं पर नहीं पाया जाता है। इसके साथ ही एक नीम का पेड़ ऐसा भी है जिसका एक पत्ता कड़वा तो एक मिठ्ठा लगता है।

गाय की पूंछ से दुर्भाग्य, कालसर्प और पितृ दोष से मिलेगी मुक्ति!

गाय की पूंछ के बाल से दुर्भाग्य दूर होता है। कालसर्प और पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। उसकी पूंछ छूने से पापों का नाश होता है।

गाय को गौ माता कहा गया है। गाय की पूंछ को छूने मात्र से ही सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है। गौ माता समुद्र मंथन से उत्पन्न हुई हैं, जगत कल्याण के लिए देवताओं को उन्होंने अपने शरीर में स्थान दिया और इसके दूध को अमृत समान माना जाता है। दूध पीने से अनेक प्रकार की बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है।गौ माता की पूंछ में हनुमान जी का वास होता है। ऐसा वेदों और शास्त्रों में लिखा हुआ है। आज हम आपको जो जानकारी देने वाले हैं वह बहुत ही सुंदर है। गाय की पूंछ से आज भी कई जगह झाड़ा लगाया जाता है। अगर किसी को नजर दोष हो नजर उतारनी हो तो गाय के बाल से झाड़ा लगाने मात्र से तत्काल ही बुरी नजर उतर जाती है। आइये विस्तार से जानते हैं गाय की पूंछ के बालों से क्या क्या लाभ हैं।

गाय के बालों से दूर होगा दुर्भाग्य : आपके जीवन में दुख और दरिद्र दोनों निरंतर बने रहते हैं। आप हमेशा दुखी बने रहते हैं। दुर्भाग्य आपके सर पर ही बैठा रहता है। तो ऐसे में आप गौ माता की पूंछ के बाल जरूर धारण करें। गाय की पूंछ के बाल धारण करने से दुर्भाग्य दूर-दूर तक आप पर नजर नहीं लगा पाएगा। कालसर्प, पितृ दोष, मृत्यु योग की होगी मुक्ति : अगर किसी को अकाल मृत्यु का खतरा है या मृत्यु योग है, जिन लोगों को कालसर्प दोष लगा हो, पितृ दोष लगा हो तो यह दोनों दोष भी मृत्यु योग बनाते हैं। इन दोषों को दूर करने के लिए भी आपको गौ माता की पूंछ के बाल को अवश्य ही धारण करना चाहिए। हमारे हिंदू धर्म शास्त्रों में ऐसा माना जाता है कि गौ माता को अगर आप घास खिलाते हैं तो धन की कमी आपको कभी भी नहीं सताएगी।

कैसे करें धारण : सबसे पहले आप गौ माता की पूंछ के थोड़े से टुकड़े ले लें और उसे ताबीज बनाकर के आप धारण कर लें। पहनने से पहले ताबीज को गंगाजल से धोकर शुद्ध करें। धूप-दीप दिखाकर उसको शुभ समय में धारण करें।

बिगड़े काम आसान बनाएगा ये रत्न, धारण करते ही मेष राशि के जातकों को होगा लाभ

मेष राशि और मंगल ग्रह का संबंध

मेष राशि का स्वामी ग्रह मंगल होता है, जो कि ऊर्जा, साहस और संघर्ष का प्रतीक है। जब मंगल ग्रह कमजोर होता है, तो जातक को जीवन में कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रत्न शास्त्र में ऐसे कई रत्न बताए गए हैं, जो मेष राशि वालों के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं। इन रत्नों को सही समय और तरीके से धारण करना जरूरी है, ताकि आप अपने जीवन की समस्याओं से निजात पा सकें।

मूंगा रत्न: मंगल ग्रह को मजबूत करने वाला रत्न

मेष राशि के जातकों के लिए मूंगा रत्न को सबसे अधिक प्रभावशाली माना गया है। यह रत्न मंगल ग्रह से जुड़ा हुआ है और माना जाता है कि इसे पहनने से मंगल ग्रह की ऊर्जा मजबूत होती है। इस रत्न का पहनना मेष राशि के जातकों को विशेष रूप से धन, समृद्धि और मानसिक शांति प्रदान करता है। मूंगा रत्न को मंगलवार के दिन दाएं हाथ की कनिष्ठ उंगली या तर्जनी उंगली में पहनना चाहिए। अगर मंगल ग्रह कमजोर है, तो इस रत्न को तांबे के छल्ले में पहनना फायदेमंद हो सकता है।

हीरा: समृद्धि और सफलता का प्रतीक

इसके अलावा, मेष राशि के लिए हीरा भी एक शुभ रत्न है। यह रत्न न सिर्फ कुंडली के बुरे प्रभावों को कम करता है, बल्कि जीवन में समृद्धि और सफलता भी लाता है। हीरा पहनने से आपके सभी बिगड़े काम सधने लगते हैं और मंगल ग्रह की सकारात्मक ऊर्जा जीवन में प्रवेश करती है। यह रत्न जीवन में किसी भी तरह की रुकावट को दूर करने में मदद करता है और व्यक्ति को आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति प्रदान करता है।

मुझे छोटी-छोटी चीजों में 'प्यार' मिला : श्रद्धा कपूर

श्रद्धा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें गुलाबी जैकेट और नीले रंग की लैगिंग के साथ फ्लैट्स पहने हुए कैजुअल लुक में दिखाई देने वाली श्रद्धा जैसे ही अपनी कार की ओर बढ़ती है, उसके मोबाइल के वॉलपेपर में फोटोग्राफरों को किसी लड़के के साथ उसकी तस्वीर दिखाई दी।

अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से फैन्स का दिल जीतने वाली श्रद्धा कपूर ने न तो कभी अपने रिलेशनशिप में होने की खबर को ऑफिशियल किया और न ही कभी ब्रेकअप को लेकर कोई रिएक्शन दिया लेकिन कहते हैं न कि इश्क और मुश्क छिपाए नहीं छिपते। अपनी प्रोफैशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहने वाली श्रद्धा के लिए अपने प्रेम को छिपाना मुश्किल होता जा रहा है। पिछले दिनों लेखक राहुल मोदी के साथ एक खूबसूरत सैल्फी शेयर करने वाली श्रद्धा ने लिखा था कि 'दिल रख ले, नींद तो वापस दे यार।'

वहीं श्रद्धा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें गुलाबी जैकेट और नीले रंग की लैगिंग के साथ फ्लैट्स पहने हुए कैजुअल लुक में दिखाई देने वाली श्रद्धा जैसे ही अपनी कार की ओर बढ़ती है, उसके मोबाइल के वॉलपेपर में फोटोग्राफरों को किसी लड़के के साथ उसकी तस्वीर दिखाई दी। श्रद्धा के वॉलपेपर पर शख्स की तस्वीर देख प्रशंसक कयास लगा रहे हैं कि आखिर यह लड़का है कौन? कुछ प्रशंसकों का कहना है कि कहीं यह उसका कथित ब्वॉयफ्रेंड राहुल मोदी तो नहीं है? इस पोस्ट के बाद दोनों के रिलेशनशिप में होने की खबरों को जोरदार हवा मिल रही है। अभी उस वॉलपेपर की आग ठंडी भी नहीं हुई कि श्रद्धा ने एक बार फिर आग को हवा देते हुए सोशल मीडिया पर एक ऐसी तस्वीर शेयर की, जिसमें वह राहुल के साथ नजर आ रही है।

यह दूसरी बात है कि तस्वीर में केवल दोनों के पैर दिखाई पड़ रहे हैं और दोनों ने एक जैसे कपड़े पहने हुए हैं। श्रद्धा ने इस तस्वीर को कैप्शन देते हुए लिखा, प्यार छोटी-छोटी चीजों में है। उसकी इस पोस्ट के बाद कई फैंस उससे पूछ रहे हैं कि वह अपने विवाह की खबर कब सुनाने वाली है?

पिता शक्ति कपूर के साथ जुहू में खरीदा आलीशान अपार्टमैंट श्रद्धा और उसके पिता शक्ति कपूर ने हाल ही में मुंबई में एक अपार्टमेंट खरीदा है। यह लग्जरी अपार्टमेंट पीरामल महालक्ष्मी साऊथ टावर में स्थित है। प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन कुछ ही दिन पहले हुआ है। श्रद्धा की ओर से इससे पहले जुहू में लिया किराए का अपार्टमेंट भी काफी चर्चा में रहा था।

लग्जरी कार के बाद उसने बड़ी धनराशि आलीशान आशियाने के लिए खर्च की है। वह अभी अपने माता-पिता के साथ ही रहती है लेकिन इस प्रॉपर्टी से कयास लगाए जा रहे हैं कि वह शिफ्ट हो सकती है। सूत्रों के अनुसार शक्ति कपूर और श्रद्धा कपूर की इस प्रॉपर्टी की कीमत 6.24 करोड़ रुपए है। 1042.73 वर्ग फुट में फैले इस अपार्टमेंट में दो बालकनी हैं और इसके प्रति वर्ग फुट की कीमत 59,875 रुपए है।

पीरामल महालक्ष्मी साऊथ टॉवर, जो रेस कोर्स और सी-व्यू के लिए मशहूर है, में 2 बी.एच.के. और 3 बी.एच.के. फ्लैट हैं। बता दें कि श्रद्धा ने 2024 में जुहू के एक हाईएंड रैजिडेंशियल टावर में 6 लाख रुपए प्रति महीने पर एक लग्जरी अपार्टमैंट किराए पर लिया था।

'आशिकी 2', 'बागी', 'छिछोरे' और 'स्त्री 2' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी श्रद्धा को फिल्म इंडस्ट्री में 12 साल हो गए हैं। फिल्मों के साथ ही वह सोशल मीडिया पर भी लोगों के दिलों पर राज करती है जहां उसकी सबसे ज्यादा फैन फॉलोइंग है। उसका कहना है कि उसने तीन फिल्में साइन की हैं जिनके नाम जल्द बताए जाएंगे।

निकिता दत्ता ने पूरी की 21 किलोमीटर 'दौड़'

निकिता अगली मूवी जल्द ही सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ फिल्म 'ज्वैल थीफ' जो की रिलीज के लिए तैयार है

हाल ही में आयोजित मुंबई हाफ मैराथन-2025 में हजारों फिटनैस उत्साही लोगों ने हिस्सा लिया। उनमें निकिता दत्ता भी शामिल रही जिसने अपनी दसवीं मुंबई हाफ मैराथन पूरी करते हुए एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

सेहत और फिटनैस के प्रति अपने समर्पण के लिए प्रशंसित निकिता ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अपने जीवन में इसके महत्व को प्रतिबिंबित करते हुए लिखा, यह दौड़ने का मेरा 10वां साल है! क्या मैं एक बार फिर बता सकती हूं कि टाटा मुंबई मैराथन को पूरा करना कितना अद्भुत लगता है। यह तब होता है जब यह शहर वास्तव में जीवंत हो जाता है। इस बार भी 21.097 कि.मी. लम्बी मैराथन को मैंने पूरा किया।

फिटनैस के प्रति अपने जुनून के साथ मनोरंजन उद्योग में अपने करियर को संतुलित करते हुए, निकिता ने लगातार अपने प्रशंसकों को शारीरिक और मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया है। अनुशासित दृष्टिकोण के लिए जानी जाती, निकिता योग से लेकर वर्कआऊट तक सब कुछ अपनी दिनचर्या में शामिल करती है।

उसके लिए दौड़ना व्यायाम से कहीं अधिक है। यह कुछ ऐसा है जो उसे जमीन से जुड़े रहने में मदद करता है।

अब तक का करियर

निकिता के परिवार में दूर-दूर तक कोई भी फिल्मों से नहीं था इसलिए अभिनय में आने को संयोग मानने वाली निकिता ने टी.वी. शो 'एक दूजे के वास्ते' से अभिनय के क्षेत्र में अपनी शुरूआत की थी। फिर उसने 'कबीर सिंह', 'ड्रीम गर्ल', 'बिग बुल', 'रॉकेट गैंग' जैसी फिल्मों में अभिनय कर सफलता प्राप्त की।

अगली फिल्म

निकिता जल्द ही सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ज्वैल थीफ' की रिलीज के लिए तैयार है। रॉबी ग्रेवाल निर्देशित और सिद्धार्थ आनंद के मार्फ्लिक्स प्रोडक्शन द्वारा निर्मित यह फिल्म इसी साल एक लोकप्रिय ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

रोहित एक बहुत ही अच्छे इंसान हैं : तेजस्वी प्रकाश

तेजस्वी प्रकाश पहले 'बिग बॉस 15' और 'खतरों के खिलाड़ी 10' जैसी रियलिटी शोज का हिस्सा रही है और अब एक बार फिर वह छोटे पर्दे पर लौटी है। इस बार वह 'सैलिब्रिटी मास्टर शैफ' में अपनी खाना बनाने की कला का जादू दिखा रही है।

तेजस्वी ने बताया है कि फिल्म मेकर रोहित शैट्टी के साथ उसका रिश्ता कितना स्पैशल है। वह मानती है कि रोहित एक बहुत ही अच्छे इंसान हैं। तेजस्वी ने कहा, वह मुझे बहुत पसंद करते हैं और हम साथ में बहुत मस्ती करते हैं।

उसने यह भी कहा कि रोहित शैट्टी जैसा जज कोई और नहीं है, वह बैस्ट है।

तेजस्वी ने कहा, वह भले ही बड़े और स्ट्रांग दिखते हों, लेकिन अंदर से बहुत ही अधिक सॉफ्ट हैं। वह हमेशा अच्छे इरादों वाले लोगों को स्वीकार करते हैं और उनसे दिल खोल कर बात करते हैं। रोहित के साथ उसका एक्सपीरियंस काफी पॉजिटिव रहा है और उसने उसके बारे में कहा कि वह अपनी जिंदगी में

कई लोगों से मिली है, लेकिन रोहित जैसा इंसान नहीं देखा।

रोहित की एक फिल्म में भीकिया है काम

तेजस्वी ने वर्ष 2023 में रोहित के मराठी प्रोडक्शन की पहली फिल्म 'स्कूल कॉलेज आनी लाइफ' में एक्टिंग की जिसमें उसके साथ करण परब था। फिल्म की कहानी एक युवती के जीवन से जुड़े संघर्षों और खुशियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बचपन से लेकर बड़े होने तक के अनुभवों से गुजरती है।

तेजस्वी के साथ 'सैलिब्रिटी मास्टर शैफ' में निक्की तम्बोली, राजीव अदातिया, गौरव खन्ना, दीपिका कक्कड़, अभिजीत सावंत, अर्चना गौतम, फैसल शेख, उषा नाडकर्णी, कविता सिंह और चंदन प्रभाकर आदि भी प्रतियोगी के रूप में भाग ले रहे हैं।तेजस्वी को लगता है कि यह नया कदम उसके लिए एक और शानदार शुरूआत है। खास बात है कि उसके फैंस भी उसे इस शो में देखकर खुश हैं। उसे फैन्स से काफी अच्छे कमैंट्स मिल रहे हैं जिसके चलते वह इस शो को लेकर काफी उत्साहित है।

फराह खान ने 'लवयापा' से हटाए जुनैद खान के डांस सीन्स बताया खराब डांसर, बोलीं- तुझसे नहीं होगा

जुनैद खान ने एक बुरे डांसर होने की बात स्वीकार की और बताया कि आने वाली फिल्म 'लवयापा' के गाने रहना कोल में उनका हिस्सा तब रद्द कर दिया गया, जब कोरियोग्राफर फराह खान ने उन्हें डांस करते देखा। जुनैद खान इस फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत करेंगे। हाल ही में फिल्म से नया गाना जारी हुआ, जिसमें जुनैद और खुशी की परफॉर्मेंस को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं।

जुनैद ने किया दिलचस्प खुलासा

अब जुनैद खान ने भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया से उनके पॉडकास्ट के लिए बात करते हुए खुलासा किया कि वह एक खराब

डांसर हैं। जुनैद खान ने दोनों से बात करते हुए बताया, 'फराह मैम ने हमारा डांस कैंसिल कर दिया। रिहर्सल के दौरान उनके असिस्टेंट ने हमें स्टेप्स सिखाए, लेकिन जब उन्होंने मुझे परफॉर्म करते देखा तो उन्होंने सिर्फ खुशी का डांस रखने का फैसला किया और मेरा पार्ट कैंसिल कर दिया। उन्होंने मुझे अपने सामने परफॉर्म करने के लिए कहा। मुझे देखा और कहा, 'तुझसे नहीं होगा, तू चलके आ। खुशी से डांस होगा, तू बैठ के देख इसको।''

डांस का शौक है, लेकिन करना नहीं आता

जुनैद खान ने माना कि भले ही उन्हें डांस करना पसंद है, लेकिन वे इसमें खास अच्छे नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म महाराज में गरबा सीक्वेंस के लिए कई दिनों तक अभ्यास किया था, लेकिन केवल उनके वाइड शॉट्स ही रखे गए थे, ताकि उनका ध्यान उनके डांस पर न जाए।

'महाराज' के लिए की थी प्रेक्टिस

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे महाराज में गरबा करना था। मैंने 10 सप्ताह तक अभ्यास किया, प्रतिदिन चार घंटे अभ्यास किया। अगर आप मुझे फिल्म में देखेंगे तो पाएंगे कि मैं बहुत पतली हूं। यह सब वैभवी मैम (कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट) का जादू है। श्वेता मैम ने उस गाने में सब कुछ काट दिया, मैं उसमें बहुत अच्छा लग रहा था। उन्होंने मेरा एक भी शॉट बीच में नहीं रखा। उन्होंने केवल वाइड से क्लोज शॉट ही रखा है।'

साड़ी के दाम बताने पर उर्मिला को पड़ी 'डांट'

कुछ दिन पहले ही फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा की कल्ट गैंगस्टर फिल्म 'सत्या' की री-रिलीज से पहले स्क्रीनिंग हुई। इस दौरान सितारों ने फिल्म को लेकर अपनी अपनी यादें सांझी कीं। बातचीत के दौरान फिल्म में उर्मिला की लुक और साड़ियों को लेकर भी बात हुई।

उर्मिला ने फिल्म में अपनी साड़ियों को लेकर कहा, मुझे याद है एक बार मुझे मनीष की डांट भी पड़ गई थी। 'रंगीला' जैसी फिल्मों को करने करने के बाद एक इंटरव्यू में मुझसे कहा गया कि आपने बहुत अच्छी साड़ी पहनी। मैंने उससे कहा कि तुम लोग मेरी लुक्स और साड़ी से इतने प्रभावित क्यों हो, मैंने तो 500 रुपए की भी साड़ी पहनी है। हालांकि, मैंने यह बात ऐसे ही बस कह दी थी।

उर्मिला ने आगे कहा, इसके तुरंत बाद मुझे मनीष का कॉल आया कि तुमने 500 रुपए की साड़ी क्यों बोला, यह बोलना जरूरी था? हालांकि, इसके बाद आज के समय में ऐसी बातें सब आम हो चुकी हैं।

सफल नहीं रही 8 साल लम्बी शादी

उर्मिला इस वक्त तलाक की खबरों को लेकर चर्चा में है। कहा जा रहा है कि वह शादी के 8 साल बाद पति मोहसिन अख्तर मीर से तलाक ले रही है। उसने कोर्ट में तलाक की अर्जी भी दाखिल कर रखी है।

मोहसिन को पहली नजर में उर्मिला से प्यार हो गया था। दोनों के न सिर्फ धर्म अलग थे, सोच भी अलग थी पर प्यार के आगे सब फर्क छोटे पड़ गए। मोहसिन उससे शादी करने की जिद पर अड़े थे। आखिरकार 2016 में उन्होंने पहले हिंन्दू रीति-रिवाजों से शादी की।

अभी मेरे पास शादी के लिए समय नहीं है : सान्या मल्होत्रा

सान्या मल्होत्रा आज बॉलीवुड की एक प्रसिद्ध एक्ट्रैस बन चुकी है। इस समय वह अपनी अगली फिल्म 'मिसेज' को लेकर चर्चा में है। फिल्म में उसको एक गृहिणी के किरदार में देखा जाएगा। हाल ही में सान्या ने भारतीय समाज में स्त्री-पुरुष को लेकर होने वाले भेदभाव पर बात करते हुए कहा, यह बहुत आम हो चुका है कि महिलाओं से लोग उम्मीद करने लगते हैं कि वे बच्चा पैदा करने के बाद अपनी नौकरी छोड़ दें लेकिन बच्चा तो हस्बैंड-वाइफ दोनों का होता है। बच्चों की जिम्मेदारी दोनों पर होती है और मुझे लगता है कि हमें इसको अच्छे से बैलेंस करने की जरूरत होती है।

सान्या ने अपने बारे में कहा, मैं खुद भी किसी एक बक्से में बंद होकर नहीं रहना चाहती। मैंने कई सारे बोल्ड कदम उठाए हैं और मुझे तरह-तरह की नई चीजों को सीखना बहुत अच्छा लगता है। अभिनेत्री ने बताया, मैं जिंदगी में काफी ज्यादा रिलैक्स रहती हूं और जब फिल्मों की बात आती है तो मैं सब कुछ करना चाहती हूं।

सान्या ने बहुत कम वक्त में फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। उसको 'दंगल' से लेकर 'जवान' और 'पगलेट' जैसी फिल्मों में देखा जा चुका है। सितार वादक से जुड़ा नाम उसकी निजी जिंदगी की बात करें तो सान्या का नाम सितार वादक ऋषभरिखीराम शर्मा के साथ जोड़ा जा रहा है।

जब उससे उसकी शादी को लेकर लग रही अटकलों के बीच शादी की योजना के बारे में पूछा गया तो उसने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा, नहीं, अभी मेरे पास इन चीजों के लिए समय नहीं है। मैं सच में काम में काफी व्यस्त हूं। मेरे पास तो छुट्टी लेने का समय भी नहीं है।

'मेरी जान को खतरा हो सकता है...', अपना फर्जी एक्स अकाउंट देख भड़के सोनू निगम

गायक सोनू निगम ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति उस समय की है, जब गायक को पीठ में गंभीर ऐंठन की शिकायत थी। मूल पोस्ट को भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल द्वारा साझा किया गया था। तस्वीर में सोनू निगम ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ नजर आए थे। वहीं, अब उस तस्वीर को एक्स अकाउंट पर साझा किया गया, जिसे देख ऐसा लगा कि वह सोनू निगम का आधिकारिक एक्स अकाउंट है, लेकिन गायक ने अब खुद इसका सच बताया है।

क्या है पूरा मामला

सोनू निगम ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर बताया कि वह एक्स पर नहीं हैं और उनके नाम से बनाया गया अकाउंट फेक है, जिसके जरिए उनके बारे में जानकारियां साझा की जा रही हैं। ऐसे में उस पोस्ट के जरिए के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। दरअसल, उस एक्स

अकाउंट से सोनू निगम की द्रौपदी मुर्मू के साथ मुलाकात वाली तस्वीर साझा की गई थी, जिसके साथ कैप्शन में लिखा था, 'जय जगन्नाथ। माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महोदया हमारे राष्ट्र की गौरव हैं।

सोनू निगम का पोस्ट

अब इस पर सोनू निगम ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। गायक ने फेसबुक पोस्ट के जरिए इस बारे में बात की। उन्होंने इस ट्वीट के स्क्रीनशॉट साझा किया और लिखा, 'मैं ट्विटर या एक्स पर नहीं हूं। क्या आप सोच सकते हैं कि इस 'सोनू निगम सिंह' की एक भी विवादित पोस्ट मुझे या मेरे परिवार की जान को खतरे में डाल सकती है? क्या आप सोच सकते हैं कि यह आदमी किस हद तक मेरे नाम और विश्वसनीयता के साथ खेल रहा है? हमारी कोई गलती नहीं है। और प्रेस, प्रशासन, सरकार, कानून, जो इस बारे में जानते हैं, सब चुप हैं। कुछ होने का इंतजार कर रहे हैं और फिर संवेदना व्यक्त करेंगे।'

सोनू निगम का सच में है फर्जी अकाउंट?

अपने बयान के साथ, सोनू ने फर्जी पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी साझा किया और सवाल किया, 'क्या यह भ्रामक नहीं है? लोग यह क्यों नहीं मानेंगे कि यह असली मैं हूं?' हालांकि, इस अकाउंट पर यूजर ने कहीं भी यह दावा नहीं किया है कि वह गायक सोनू निगम है। यूजर नेम में भी 'सोनू निगम सिंह' लिखा है। बायो में बताया गया है कि वह बिहार का रहने वाले हैं और एक क्रिमिनल लॉयर हैं, लेकिन उनके द्वारा किए जाने वाले पोस्ट को लोग गायक सोनू निगम की पोस्ट समझ कर साझा कर रहे हैं।

बच्चों की संगत का ऐसे रखें ध्यान

अक्सर देखा गया है कि हर बच्चे के माता-पिता इस बात से परेशान नजर आते हैं कि कहीं उनका बच्चा किसी गलत संगत का शिकार न हो जाए। विशेष रूप से स्कूली शिक्षा के दौरान हर माता-पिता की यह परेशानी या सोच गलत नहीं होती।

स्कूली शिक्षा के दौरान ही बच्चों की मित्रता अन्य बच्चों से होती है, यहीं से उनकी संगत सामने आने लगती है। इस दौरान यदि बच्चा गलत संगत में पड़ जाता है तो इसका बुरा प्रभाव जीवनभर रहता है। बच्चों की संगत का असर उनके व्यक्तित्व और व्यवहार में दिखने लगता है। इसके लिए बच्चों से नजदीकी बढ़ाते हुए उनकी हरकतों पर नजर रखने की जरूरत होती है। आज हम अपने पाठकों को बताने जा रहे हैं कि किस तरह बच्चों को बुरी संगत में जाने से बचाया जा सकता है।

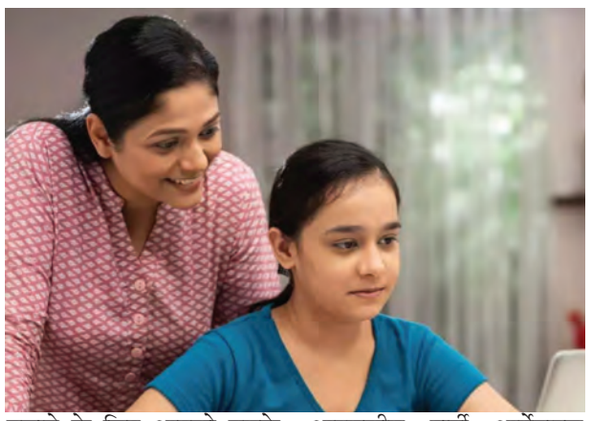

बच्चे के दोस्तों की पूरी जानकारी रखें

बच्चे को गलत संगत से बचाने के लिए आपको उसके दोस्तों के बारे में जानकारी जरूर होनी चाहिए। इसलिए, आप इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आपका बच्चा कैसे लोगों के साथ दोस्ती रखता है। उसके दोस्त कैसे हैं।

इसकी जानकारी होने पर उसके गलत संगत में जाने का खतरा कम होगा और आप उसे आसानी से गलत संगत में जाने से बचा सकती हैं।

बच्चे के दोस्तों को करीब से जानने के लिए आप घर में किड्स पार्टी रख सकती हैं। बर्थडे के अलावा आप आइसक्रीम पार्टी आर्गेनाइज करें। इससे आप बच्चे के हर दोस्त से रू-ब-रू होंगी और उसके बारे में करीब से जान पाएंगी।

बहुत ज्यादा सख्ती से पेश न आएं

जो बच्चे ज्यादा इमोशनल होते हैं, उनके साथ सख्ती से पेश न आएं। ऐसे बच्चों से आपको नर्मी बरतनी होगी। जो बच्चे ज्यादा इमोशनल होते हैं, वे ज्यादा समझदार भी होते हैं, आप उन्हें कोई बात प्यार से समझाएंगी तो वे आसानी से समझ पाएंगे। अगर आप सख्ती दिखाएंगी तो बात बिगड़ सकती है। बहुत ज्यादा इमोशनल बच्चे सख्ती से पेश आने की वजह से और ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

बन जाएं बच्चों के दोस्त

यूं तो हर बच्चा घर से बाहर दूसरे बच्चों से दोस्ती करता ही है लेकिन जिन बच्चों के पेरेंट्स जरूरत से ज्यादा बिजी रहते हैं या बच्चों की तरफ बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते, ऐसे बच्चे अक्सर खुद को अकेला महसूस करते हैं और अकेलापन दूर करने के लिए बाहर की दुनिया की तरफ ज्यादा भागते हैं।

इसलिए बच्चे को गलत संगत में जाने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि पहले आप ही उसकी दोस्त बन जाएं। इससे कई लाभ होंगे।

सबसे पहले तो उसे बाहर दोस्त बनाने की जरूरत महसूस नहीं होगी और उसके दोस्त बेहद सीमित होंगे। इसके अलावा जब उसकी आपसे बॉडिंग अच्छी होगी तो यकीनन वह हर बात आपसे शेयर करेगा और आपकी सुनेगा भी।

पार्टनर चुनने में न करें जल्दबाजी, अरेंज मैरिज में सही जीवनसाथी

चुनना एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय है। पहली मुलाकात में ही यह तय करना मुश्किल हो सकता है कि व्यक्ति शादी के लिए उपयुक्त है या नहीं। हालांकि, सही प्रश्न पूछकर, बातचीत के दौरान उनके व्यक्तित्व और विचारों को समझकर और अपने दिमाग और दिल के बीच संतुलन बनाकर आप बेहतर निर्णय ले सकती हैं। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं, जो सही जीवनसाथी चुनने में आपकी मदद कर सकते हैं।

खुद को समझें

शादी से पहले अपनी प्राथमिकताओं और अपेक्षाओं को समझें। यह तय करें कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है करियर,परिवार, बच्चों के प्रति दृष्टिकोण, धार्मिक मान्यताएं या लाइफस्टाइल अथवा सभी। अपनी कमजोरियों और ताकतों को पहचानें और जीवनसाथी में किस तरह के गुण चाहती हैं, यह तय करें।

पूछें ये सवाल

शादी के बारे में क्या सोचती हैं? उनके लिए शादी का मतलब क्या है ? वे अपने भविष्य की क्या योजनाएं देखते हैं? करियर, परिवार और व्यक्तिगत जीवन को लेकर उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं? जैसे परिवार का महत्व, लाइफस्टाइल, और जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण।

उनकी नौकरी, करियर ग्रोथ और वर्क-लाइफ बैलैंस को लेकर उनके विचार क्या हैं? अगर आपको इन सभी के सही सवाल मिल गए तो आप उस इंसान को अपना जीवनसाथी बनाने का फैसला ले सकती हैं।

परिवार पृष्ठभूमि और मूल्यों का मिलान

उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि, संस्कार और परंपराओं को समझें। सुनिश्चित करें कि उनके और आपके परिवार के बीच आपसी सम्मान और समझ हो। शादी केवल दो व्यक्तियों के बीच नहीं होती, बल्कि यह दो परिवारों को जोड़ने वाला संबंध है। उनसे जानें कि वह अपने करियर, परिवार और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन कैसे बनाना चाहते हैं।

उनकी प्राथमिकताएं और रुचियां जानें

यह जानें कि उनके शौक, पसंद-नापसंद और दैनिक जीवन के बारे में क्या विचार हैं। उनकी रुचियां आपकी रुचियों से मेल खाती हैं या नहीं ? उनका लाइफस्टाइल कैसा है-सरल या लग्जरी ? यह न भूलें कि एक मजबूत रिश्ता आपसी समझ और रुचियों पर आधारित होता है। यदि आप दोनों के जीवन के लक्ष्य एक-दूसरे के लिए उपयुक्त हैं, तो शादी अधिक सफल हो सकती है।

ईमानदारी और विश्वास की जांच बातचीत के दौरान देखें कि वह कितने ईमानदार हैं। क्या उनकी बातें और व्यवहार में स्थिरता और पारदर्शिता है? उनके शब्दों और कार्यों में कोई विरोधाभास तो नहीं?

उनकी आर्थिक स्थिति और जिम्मेदारियों के बारे में खुलकर चर्चा करें। यह जरूर जानने की कोशिश करें कि क्या वह फाइनांशियल प्लानिंग के प्रति जागरूक हैं? यह जरूरी नहीं कि वह बहुत अमीर हों, लेकिन उनके पास स्थिरता और भविष्य के लिए योजना होनी चाहिए।

विवाह के बाद थोड़ी सी 'समझदारी'

पौधे की वृद्धि के लिए जिस प्रकार खाद, हवा व पानी की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार दाम्पत्य जीवन की खुशहाली के लिए स्नेह व प्यार की। विवाह के प्रारंभिक दिनों में पति-पत्नी अपने स्वप्निल संसार में खोए रहते हैं। तब हर क्षण उन्हें रूमानी प्रतीत होता है, परंतु यथार्थ की जमीन से टकराते ही ये खुशगवार, खुशनुमा

व हसीन लम्हे जीवन की समस्याओं में उलझ कर रह जाते हैं।

विवाह के कुछ वर्ष पश्चात बढ़ती जिम्मेदारियां, बच्चों का आगमन व रोजमर्रा की उलझनें पति-पत्नी के बीच परोक्ष रूप से एक दूरी सी बनाती चलती हैं। इससे उनकी दिनचर्या से मधुर क्षणों का खजाना धीरे-धीरे खाली होता जाता है। ऐसी स्थिति में निजी क्षणों में भी न तो उतनी अंतरंगता रह पाती है और न ही उत्साह।

फिर भी आप चाहें तो विवाह के प्रारंभिक दिनों जैसी उमंग एवं उत्साह बरकरार रख सकते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि आप घर की कठिनाइयों को स्वयं पर हावी न होने

दें, अन्यथा आपका अस्तित्व घर-गृहस्थी की कठिनाइयों में ही खोकर रह जाएगा। यदि कुछ दिनों के लिए पत्नी घर के कार्यों से अपना ध्यान हटा कर पति के प्रति कुछ अधिक स्नेहभिभूत रहे तो हो ही नहीं सकता कि पति-पत्नी के दाम्पत्य जीवन में नीरसता आए। यदि पति अधिक व्यस्त है तो पत्नी का दायित्व बन जाता है कि उसके कार्यों में पूरा सहयोग दे और व्यस्तताओं तथा चिंताओं के प्रति सच्ची सहानुभूति दिखाने और पति को चिंतामुक्त करने के लिए कुछ क्षण ऐसे निकाले, जो नितांत 'अपने' हों।

अपने कार्य-व्यापार की व्यस्तताओं के बावजूद जब आपके पति आपके जन्मदिन पर उपहार लाकर आपको चौंका देना चाहें तो उन्हें अवश्य मौका दीजिए। इन बातों को पति फैशन या दिखावा कह कर टालते हैं तो वह एक-दूसरे की भावनाओं के साथ चाहे अनचाहे ही सही, खिलवाड़ कर रहे हैं। जीवन में व्यस्तता भी जरूरी है, परंतु व्यस्तताओं के बीच उलझे मस्तिष्क के लिए किसी की प्यार भरी पलकों की छांव भी उतनी ही जरूरी है।

बच्चों के 'दांतों की सेहत' के लिए जरूरी टिप्स

अगर आपका बच्चा ब्रैस्टफीड करने की बजाय बोतल से दूध पी रहा है, तो उसके दांतों का खास ध्यान रखें। क्योंकि आजकल बच्चों में 'मिल्क बॉटल कैविटी' या 'बेबी बॉटल सिंड्रोम' की समस्या बढ़ती जा रही है। यह एक सामान्य समस्या है, जो ज्यादातर बच्चों में देखी जाती है। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया जाए, तो इसे ठीक करना काफी मुश्किल हो सकता है।

क्या है मिल्क बॉटल कैविटी

मिल्क बॉटल कैविटी या बेबी बॉटल सिंड्रोम एक ऐसी समस्या है, जो छोटे बच्चों में होती है, जब वे बोतल से दूध पीते रहते हैं, खासकर सोते वक्त। जब बच्चा सोते हुए बोतल से दूध पीता है, तो दूध उसके दांतों पर लंबे समय तक रहता है। दूध में शक्कर होती है, जो बैक्टीरिया के लिए खाना बनती है। ये बैक्टीरिया दांतों पर एसिड पैदा करते हैं, जो धीरे-धीरे दांतों में कीड़े (कैविटी) बना सकते हैं।

जब छोटे बच्चों के दांतों में सड़न या कैविटी की जाए, तो उसे मिल्क बॉटल सिंड्रोम कहते हैं। पहली बार समस्या हो दिखाई देने पर गम लाइन के पास सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अगर इस समस्या पर समय रहते ध्यान नहीं दिया जाए, तो दांतों में कैविटी बन सकती है, जो आगे जाकर दर्द और इन्फैक्शन का कारण बन सकती है।

मिल्क बॉटल कैविटी से कैसे करें बचाव

बोतल की आदत छुड़ाएं

मांओं को बच्चों को मुंह में दूध की बोतल रखकर सोने की आदत डालने से बचना चाहिए। बच्चों को सोते समय बोतल से दूध पिलाना सही नहीं, क्योंकि इससे दूध उनके दांतों पर लंबे समय तक रहता है। इसकी बजाय, बच्चे को सोने से पहले दूध पिलाएं और फिर उसके दांत साफ करें। बच्चा जब बड़ा हो जाए, तो उसे धीरे-धीरे बोतल से दूध पीने की आदत से हटाना शुरू करें। उसे कप से दूध पिलाने की आदत डालें, ताकि बोतल का असर दांतों पर कम पड़े।

बच्चे के दांतों की सफाई करें

जैसे ही बच्चे के दांत आना शुरू हो जाएं, उन्हें हल्के से सफाई की आदत डालें। एक मुलायम कपड़े से बच्चे के दांतों को साफ कर सकती हैं या छोटे बच्चों के लिए बनाए गए खास ब्रश का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बच्चों के लिए सिपर का इस्तेमाल करें

बच्चा अगर ब्रैस्टफीड नहीं करता, तो बोतल से दूध पिलाने की बजाय उसके लिए सिप्पी कप या टंबलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह मिल्क बॉटल कैविटी से बचने का अच्छा तरीका है।

दूध के बाद पानी पिलाएं

अगर बच्चा बोतल से दूध पीने के बाद सोने जा रहा है, तो उसे कुछ देर बाद पानी पिलाना फायदेमंद हो सकता है। इससे दांतों पर जमी शक्कर और बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं और दांतों को नुकसान नहीं होता।

चॉकलेट डे के लिए तैयार करें खास कप केक

चॉकलेट डे वैलेंटाइन वीक का बेहद ही खास दिन होता है, जिसे 9 फरवरी को मनाया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे को चॉकलेट देते हैं। इस दिन को मनाने का उद्देश्य अपने साथी को प्यार, स्नेह, और खुशी का एहसास दिलाना है। चॉकलेट को हमेशा प्यार और रोमांस से जोड़ा जाता है।

माना जाता है कि चॉकलेट में फिनाइलथामाइन नामक तत्व होता है, जो शरीर में खुशी और प्यार के एहसास को बढ़ाता है। यही कारण है कि चॉकलेट को उपहार के रूप में बहुत खास माना जाता है। ऐसे में इस दिन आप अपने साथी को उनके पसंदीदा चॉकलेट्स गिफ्ट कर सकते हैं।

यदि सिंपल चॉकलेट नहीं देना चाहते तो अपने पार्टनर के लिए घर पर खास तरह से चॉकलेट कप केक तैयार करें। यहां हम आपको चॉकलेट कप केक बनाने की आसान रेसिपी बताने जा रहे हैं।

चॉकलेट कप केक बनाने की सामग्री

मैदा – 1 कप
कोको पाउडर – 1/4 कप
बेकिंग पाउडर – 1/2 चम्मच
बेकिंग सोडा – 1/4 चम्मच
चीनी – 1/2 कप
नमक – 1/4 चम्मच
दूध – 1/2 कप
ताजे पानी – 1/4 कप
तेल – 1/4 कप
वनीला एसेंस – 1/2 चम्मच
अंडा – 1

सजावट के लिए

चॉकलेट चिप्स
क्रीम या बटर क्रीम
चॉकलेट सॉस

विधि

चॉकलेट कप केक बनाने के लिए सबसे पहले ओवन को 180C (350F) पर प्रीहीट करें। अब बड़े बाउल में मैदा, कोको पाउडर, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, चीनी और नमक को अच्छे से छान लें। दूसरे बाउल में दूध, तेल, वनीला एसेंस, अंडा और पानी डालकर अच्छे से फेंटें। गीली सामग्री को सूखी सामग्री में डालें और अच्छे से मिलाकर एक स्मूद बैटर तैयार करें।

ध्यान रखें कि बैटर में गांठें न रहें। तैयार बैटर को कपकेक ट्रे में 2/3 भरें, ताकि कपकेक ओवरफ्लो न हो। कपकेक ट्रे को प्रीहीटेड ओवन में रखें और 18-20 मिनट तक बेक करें।

बेकिंग के दौरान, एक टूथपिक या चाकू डालकर चेक करें। अगर यह साफ बाहर आता है, तो कपकेक तैयार हैं। कपकेक को ओवन से निकालने के बाद ठंडा होने दें। फिर आप चाहें तो चॉकलेट चिप्स, क्रीम या चॉकलेट सॉस से सजाकर सर्व कर सकती हैं। अगर आपको कपकेक में और भी चॉकलेट फ्लेवर चाहिए तो चॉकलेट चिप्स डाल सकती हैं।

ये तोहफे वैलेंटाइन डे पर अपनी गर्लफ्रेंड को दे सकते हैं

प्यार और स्नेह का पर्व 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर लोग अपने क्रश, पसंदीदा शख्स या प्रेमी/जीवनसाथी के साथ वक्त बिताते हैं और एक दूसरे को खास महसूस कराते हैं। अपने पार्टनर को तोहफे देकर भी खास महसूस कराया जा सकता है। वैलेंटाइन डे पर गर्लफ्रेंड को तोहफे देकर उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं और इस दिन सेलिब्रेट कर सकते हैं।

पर्सनलाइज्ड तोहफा

कस्टमाइज्ड गिफ्ट का चलन है। इस तरह के तोहफे बजट में मिल सकते हैं। इसमें उनकी फोटो या कोई प्यार भरा संदेश मग या कुशन पर प्रिंट करा सकते हैं। पेंडेंट या ब्रेसलेट उनकी पसंद के अनुसार कस्टमाइज्ड करा सकते हैं। फोटो फ्रेम या स्क्रैपबुक में आप दोनों की खूबसूरत यादों को सजाकर उन्हें तोहफे में दे सकते हैं। इस तरह के तोहफे उनके प्रति आपके स्नेह और प्रेम को जाहिर करते हैं।

स्किनकेयर या सौंदर्य उत्पाद

स्किनकेयर या सौंदर्य उत्पाद लड़कियों की लिए काम के होते हैं और ये उनके लिए पसंदीदा भी होते हैं। आप उन्हें कोई अच्छा लिप बाम, हैंड क्रीम या फेस मास्क सेट दें सकते हैं। उनकी त्वचा में निखार लाने वाले उत्पाद दे सकते हैं। साथ ही परफ्यूम या बॉडी मिस्ट भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

फंकी एक्सेसरीज

अधिकतर लड़कियां एक्सेसरीज का उपयोग करती हैं। बजट में आप अपनी गर्लफ्रेंड को वैलेंटाइन डे का तोहफा देना चाहते हैं फंकी एक्सेसरीज गिफ्ट कर सकते हैं। इसमें ट्रेंडी इयररिंग्स, क्लचर, हेयर बैंड या स्क्रंचीज गिफ्ट कर सकते हैं। एक स्टाइलिश स्लिंग बैग या वॉलेट भी अच्छा विकल्प हो सकता है।

डीआईवाय गिफ्ट्स

डीआईवाय गिफ्ट्स चलन में हैं। इस तरह के तोहफे आपकी भावनाओं की अभिव्यक्ति का शानदार जरिया है। इसमें आप अपने हाथों से बनाया गया तोहफा गर्लफ्रेंड को दे सकते हैं। आप चाहें तो गर्लफ्रेंड को अपने हाथ से एक प्यार भरा ग्रीटिंग कार्ड या छोटा सा वीडियो मैसेज तैयार करें।

नारियल तेल को चेहरे में लगाने के चमत्कारी फायदे

हम सब बचपन में अपनी दादी-नानी से नारियल तेल के फायदों के बारे में सुनते आए हैं। हालांकि आजकल बाजार में बहुत से तेल मिलते हैं, जो अपने फायदों का दावा करते हैं, फिर भी नारियल तेल सबसे अच्छा माना जाता है। ज्यादातर लोग सिर्फ बालों में नारियल तेल लगाना जानते हैं, लेकिन यह हमारी त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

सर्दी के मौसम में हमारी त्वचा रूखी होने लगती है। ऐसे में नारियल तेल इसको नमी और सॉफ्टनैस देने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं रात में चेहरे पर नारियल तेल लगाने के कुछ फायदे :चेहरे की नमी बनाए रखता है नारियल तेल त्वचा को गहराई से मॉइस्चराइज करता है। यह त्वचा को ड्राइ और रूखा होने से बचाता है, खासकर सर्दियों में। रात भर यह त्वचा में समा कर नमी बनाए रखता है, जिससे सुबह उठने पर त्वचा मुलायम और हाइड्रेटेड महसूस होती है।

एंटी-एजिंग प्रभाव

नारियल तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फैटी एसिड्स त्वचा को उम्र के असर से बचाते हैं। यह झुर्रियों और महीन रेखाओं को कम करने में मदद करता है। रात में इसे लगाने से त्वचा को रिपेयर होने का समय मिलता है और वह ज्यादा युवा दिखने लगती है।

त्वचा को सॉफ्ट और स्मूद बनाता है

नारियल तेल का नियमित इस्तेमाल त्वचा को नरम और चिकना बनाता है। यह त्वचा की ऊपरी परत को मुलायम करता और उसे सुधारता है, जिससे चेहरे पर झुर्रियां और रुखापन कम होता है।

पिंपल्स की समस्या को कम करता है

नारियल तेल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो चेहरे पर होने वाले पिंपल्स और मुंहासों से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। रातभर तेल लगाने से त्वचा पर जमी गंदगी और बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं, जिससे मुंहासे कम हो सकते हैं।

चेहरे की चमक बढ़ाता है

नारियल तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। रात में इसे लगाने से त्वचा की चमक बढ़ती है क्योंकि यह डैड सैल्स को हटाकर नए सैल्स को बढ़ावा देता है। इससे चेहरे पर नैचुरल ग्लो आती है।

बेहतर नींद में मदद

रात में चेहरे पर नारियल तेल लगाने से त्वचा को जो आराम मिलता है, वह केवल बाहरी नहीं होता, बल्कि इससे मानसिक शांति भी मिलती है। इसका हल्का-सा खुशबू और नमी देने का गुण त्वचा को राहत देता और बेहतर नींद में मदद करता है। नारियल तेल लगाने का तरीका आप या तो एलोवेरा जैल, चावल का पानी, ग्लिसरीन को नारियल के तेल में मिलाकर नाइट क्रीम बना सकती हैं या अपने चेहरे पर नारियल के तेल की मालिश कर रात भर के लिए छोड़ सकती हैं।

नारियल तेल के इस्तेमाल से आप एक स्वस्थ और सुंदर त्वचा पा सकती हैं। तो, अगर आप भी अपनी त्वचा को और भी खूबसूरत बनाना चाहती हैं, तो रात में नारियल तेल लगाना न भूलें।

देश में हर पांचवां घर शेयर बाजार से जुड़ा, 5 साल में इक्विटी से घरेलू संपत्ति 40 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले एक दशक में भारतीय कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में छह गुना वृद्धि हुई है। भारत में हर पांच में से एक परिवार अब शेयर बाजारों से जुड़ा हुआ है। एनएसई ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। एनएसई की रिपोर्ट के अनुसार, शेयर बाजार निवेश से जुड़े खातों की संख्या 21 करोड़ को पार कर गई है, जिसमें 18 करोड़ से अधिक डीमैट खाते हैं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार दो करोड़ निवेशक बीते पांच महीने से थोड़े अधिक समय में ही शेयर बाजार से जुड़े।

'किसी दबाव में नहीं बंद हुई हिंडनबर्ग', एंडरसन बोले- अदाणी से जुड़ी अपनी रिपोर्ट पर अब भी कायम

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अदाणी समूह जैसी कंपनियों के खिलाफ अपने हाई-प्रोफाइल अभियानों के लिए जाने जाने वाले एक्टिविस्ट शॉर्ट-सेलर नाथन एंडरसन ने साफ किया है कि उन्होंने अपनी कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को किसी कानूनी या अन्य खतरे के कारण बंद नहीं किया है और वे वह अपनी सभी रिपोर्टों में कही गई हर बात पर कायम हैं। एंडरसन ने पीटीआई को बताया कि हिंडनबर्ग की जनवरी 2023 की रिपोर्ट, जिसमें अदाणी समूह पर कॉरपोरेट इतिहास में सबसे बड़ी धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था, मीडिया रिपोर्टों में समूह के खिलाफ उठाए गए सवालों का परिणाम था। अदाणी समूह ने रिपोर्ट में लगाए गए सभी आरोपों का बार-बार खंडन किया है। एंडरसन ने हिंडनबर्ग को ओसीसीआरपी और जॉर्ज सोरोस जैसे कथित भारत विरोधी समूहों के साथ जोड़ने के प्रयासों को मूर्खतापूर्ण षड्यंत्र करार दिया और कहा कि उनके संगठन ने कभी ऐसी बातों पर टिप्पणी नहीं की क्योंकि वह मूर्खतापूर्ण षड्यंत्र के सिद्धांतों को बढ़ावा न देने की नीति का पालन करते हैं। एंडरसन ने पिछले महीने अपनी फोरेंसिक रिसर्च फर्म को, जिसकी स्थापना उन्होंने लगभग आठ वर्ष पहले की थी, बंद करने की घोषणा की थी। इसका कारण उन्होंने काम की तीव्रता और उसमें लगने वाले असीमित फोकस को बताया था। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने हिंडनबर्ग को बंद करने का निर्णय क्यों लिया, जबकि वे पीछे हट सकते थे और कंपनी की बागडोर किसी और को सौंप सकते थे, उन्होंने कहा कि मुझे ब्रांड से अलग करने का कोई तरीका नहीं है। उन्होंने कहा, हिंडनबर्ग मूल रूप से मेरा पर्याय है।अगर यह कोई सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन या साइकिल फैक्ट्री होती तो आप एप्लीकेशन या फैक्ट्री बेच सकते थे। लेकिन जब यह मेरी ओर से अनुसंधान होता है, तो आप वास्तव में इसे किसी और को नहीं दे सकते, और इसलिए मेरा इससे वास्ता 'समाप्त' नहीं होता। लेकिन अगर वे (उनकी टीम) कोई नया ब्रांड लॉन्च करना चाहते हैं, तो मैं टीम का समर्थन करने में खुश हूं, जिसकी मुझे उम्मीद है कि वे ऐसा करेंगे। एंडरसन, जो पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रक कंपनी निकोला के खिलाफ एक रिपोर्ट के कारण चर्चा में आए थे। इसके साथ ही पिछले महीने बंद होने वाली कंपनी हिंडनबर्ग ने कार्ल इकान की इकान एंटरप्राइजेज एलपी सहित प्रमुख वित्तीय हस्तियों की कंपनियों पर हमला बोला था।

'बजट में हमने न्यूक्लियर सेक्टर खोल दिया है'

संसद में एआई व रक्षा क्षेत्र पर बोले पीएम मोदी

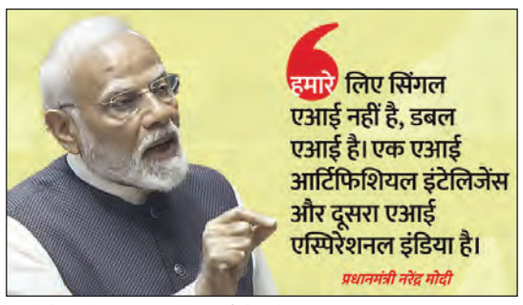

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद धन्यवाद प्रस्ताव पर बोले। इस दौरान पीएम ने कहा, बजट में हमने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में विकास के लिए न्यूक्लियर सेक्टर को खोल दिया है। पीएम ने कहा कि हम विकासित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए परमाणु ऊर्जा की क्षमता विकासित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पीएम ने कहा कि 2014 के पहले ऐसे बम गोले फेंके गए, बंदूक की ऐसी गोलियां चलाई गई कि देशवासियों का जीवन छलनी कर दिया गया। हम धीरे-धीरे उन घावों को भरते-भरते आगे बढ़े। पीएम मोदी ने कहा है कि 2013-14 में महज 2 लाख रुपये आयकर के दायरे से बाहर था और आज 12 लाख रुपये संपूर्ण रूप से आयकर से मुक्त कर दिया गया है। हम यह काम बीते काल खंड में 14 में 17 में 19 में 23 में भी लगातार करते आए। घाव भरते गए और आज बैंडेज बाकी था वो भी कर लिया। स्टैंडर्ड डिडक्शन के अगर 75 हजार जोड़ दें तो पहली अप्रैल के बाद देश में सैलरीड क्लास है उनके पौने 13 लाख रुपये तक कोई इनकम टैक्स नहीं देना होगा। पीएम मोदी ने लोकसभा में कहा कि एक प्रधानमंत्री रट गए थे इक्कीसवीं सदी, इक्कीसवीं सदी। आरके लक्ष्मण ने एक कार्टून बनाया था, एक हवाई जहाज था, एक पायलट था और 21वीं सदी लिखा था। ये हवाई जहाज एक ठेले पर रखा हुआ था और मजदूर उसे धक्का लगा रहे थे। ये कार्टून बताता है कि तब के प्रधानमंत्री कितने कटे हुए थे। तब 21वीं सदी की बातें की थी जो 20वीं सदी की जरूरतें भी पूरा नहीं कर पाए थे। आज जब देखता हूं तो बड़ा दर्द होता है। हम 40-50 साल लेट हैं। जो काम पहले ही हो जाने चाहिए थे, वो नहीं हो पाए। हमने ज्यादा से ज्यादा युवाओं पर फोकस किया। हमने युवाओं की आकांक्षाओं पर बल दिया, युवाओं के लिए ज्यादा अवसर बनाए, कई क्षेत्रों को खोल दिया। पीएम ने कहा, हमने डिफेंस सेक्टर, स्पेस को खोल दिया। सेमीकंडक्टर मिशन लेकर आए। स्टार्टअप इंडिया का पूरा ईकोसिस्टम डेवलप किया। पीएम ने कहा कि 12 लाख की इनकम टैक्स माफी इतनी बड़ी खबर बन गई कि न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर को खोलने के निर्णय पर किसी का ध्यान नहीं गया है। पीएम ने कहा एआई, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, हम तो गेमिंग क्रिएशन के लिए भी हमने प्रयास किए। पीएम ने कहा दुनिया का गेमिंग कैपिटल भारत क्यों न बने, उस दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है। हमारे लिए सिंगल एआई नहीं है, डबल एआई है। एक एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दूसरा एआई एस्पिरेशनल इंडिया है। 50 हजार नए टिंकरिंग लैब्स का प्रावधान बजट में किया गया है। विश्व के एआई प्लेटफॉर्म में भारत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर चुका है। हमने डीप टेक के क्षेत्र में निवेश की बात की है। 21वीं सदी पूरी तरह टेक्नोलॉजी ड्रिवेन सेंचुरी है।केंद्रीय बजट 2025-26 में भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा संक्रमण रणनीति के हिस्से के रूप में परमाणु ऊर्जा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम उठाने की बात कही गई है। सरकार ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार के अनुसार बजट में हुई घोषणाओं के अमल में आने परमाणु ऊर्जा भारत के ऊर्जा मिश्रण का एक प्रमुख स्तंभ बन जाएगा।

अपना काम कर गई 'निर्मला ताई'

अब लोन ईएमआई कम करेगी आरबीआई?

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026 के बजट में मिडिल क्लास को राहत देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 लाख रुपए की सालाना कमाई को इनकम टैक्स से मुक्त कर दिया है। इस फैसले के बाद पूरे देश में यही चर्चा है कि 'निर्मला ताई' ने अपना काम कर दिया है।

अब सभी की नजरे देश के सेंट्रल बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया पर हैं। 5 से 7 फरवरी को मौजूदा वित्त वर्ष की आखिरी मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग होगी। 7 फरवरी को आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा पॉलिसी रेट का ऐलान करेंगे। जानकारों की मानें तो संजय मल्होत्रा पॉलिसी रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकते हैं।अगर आरबीआई इस बार पॉलिसी रेट में कोई कटौती करता है तो करीब 56 महीने के बाद करेगी। जोकि मिडिल क्लास के लिए बड़ी राहत होगी। कई सालों से देश का मिडिल क्लास पॉलिसी रेट में कटौती का इंतजार कर रहा है। आखिरी बार मई 2020 में रेपो रेट में कटौती हुई थी। बाद में मई 2022 से लेकर फरवरी 2023 तक रेपो रेट में 2.50 फीसदी का इजाफा देखने को मिला और पॉलिसी रेट 6.50 फीसदी पर आ गए। जोकि आखिर बार अगस्त 2018 में देखने को मिले थे। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर आरबीआई इस बार किस तरह का फैसला ले सकती है।

क्या कम होगी ईएमआई

भारतीय रिजर्व बैंक इस सप्ताह मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख पॉलिसी रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह बजट में खपत को बढ़ावा देने के लिए उठाये गये कदमों को मजबूती देगा। हालांकि रुपए में गिरावट अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि चूंकि खुदरा महंगाई साल के ज्यादातर समय में रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे (दो से छह प्रतिशत) के भीतर रही है, इसलिए केंद्रीय बैंक सुस्त खपत से प्रभावित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत दर में कटौती को लेकर कदम उठा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फरवरी 2023 से नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इससे पहले, पिछली बार नीतिगत दर में कटौती कोविड के समय (मई 2020) की गयी थी और उसके बाद इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। रिजर्व बैंक के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार से शुरू होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। छह सदस्यीय समिति के निर्णय की घोषणा शुक्रवार सात फरवरी को की जाएगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि इस बार नीतिगत दर में कटौती की संभावना है। इसके दो कारण हैं। सबसे पहले, आरबीआई पहले ही नकदी बढ़ाने के उपायों की घोषणा कर चुका है।

इससे बाजार की स्थिति में सुधार हुआ है। नीतिगत दर में कटौती के लिए यह आगे का रास्ता साफ करता है। सबनवीस ने कहा कि केंद्रीय बजट के जरिये प्रोत्साहन दिया गया है और इसे समर्थन देने के लिए रेपो दर को कम करना उचित जान पड़ता है। रिजर्व बैंक ने 27 जनवरी को बैंकों में 1.5 लाख करोड़ रुपये की नकदी डालने के उपायों की घोषणा की है।

बजट के बाद पहली बार बाजार में लौटी खरीदारी

सेंसेक्स 1397 अंक चढ़ा, निफ्टी 24750 के करीब

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मैक्सिको और कनाडा पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के बाद एशियाई समकक्षों में सुधार के अनुरूप बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को लगभग 2 प्रतिशत की तेजी आई।

सेंसेक्स और निफ्टी एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचे

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,397.07 अंक या 1.81 प्रतिशत उछलकर एक महीने के उच्चतम स्तर 78,583.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,471.85 अंक या 1.90 प्रतिशत बढ़कर 78,658.59 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 378.20 अंक या 1.62 प्रतिशत बढ़कर 23,739.25 पर पहुंच गया, जो 3 जनवरी के बाद से अब तक का उच्चतम स्तर है। 30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में से लार्सन एंड टूब्रो में करीब 5 फीसदी की तेजी आई। अडानी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और एशियन पेंट्स भी प्रमुख लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में तेजी, यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में गिरावट

आईटीसी होटल्स, जोमैटो, नेस्ले और मारुति पिछड़ने वालों में शामिल थे। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग में उल्लेखनीय तेजी रही। यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को नकारात्मक दायरे में बंद हुए

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, कल, भारतीय बाजार 'ट्रम्प टैरिफ युद्ध' से उपजे भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण अच्छे केंद्रीय बजट से उत्पन्न आशावाद को आत्मसात करने के लिए संघर्ष कर रहा था। हालांकि, भारत एक कमजोर वैश्विक बाजार में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, और वैश्विक भावना में सुधार के कारण घरेलू इक्विटी में तेज उछाल आया है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.05 प्रतिशत गिरकर 75.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 3,958.37 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को 319.22 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 77,186.74 अंक पर बंद हुआ था, जिससे बाजार में पांच दिन की तेजी थम गई थी। निफ्टी 121.10 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 23,361.05 अंक पर बंद हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मकर	मे
चंद्र-	मेष	मे
मंगल	मिथुन (व)	मे
बुध-	मकर	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मीन	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय	
मकर...	05-27 बजे
कुंभ...	07-17 बजे
मीन...	08-55 बजे
मेष...	10-31 बजे
वृष...	12-16 बजे
मिथुन	14-16 बजे
कर्क..	16-29 बजे
सिंह...	18-41 बजे
कन्या...	20-47 बजे
तुला....	22-53 बजे
वृश्चिक...	01-03 बजे
धनु.....	03-16 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-50 सूर्यास्त. -18-09
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी . 00-35 तक उपरान्त नवमी
मास - माघ शुक्ल , बुधवार 05 February
नक्षत्र - भरणी 20-33 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शुक्ल 21-18 तक उप ब्रह्म
करण- विष्टी 13-31 तक उप बव
विशेष:- व्रत -त्योहार - भीष्माष्टमी

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:30 से 13:56 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:50 - 08:14 शुभ	उत्पात	18:09 - 19:47 अशुभ
अमृत	08:14 - 09:39 शुभ	शुभ	19:47 - 21:21 शुभ
काल	09:39 - 11:05 अशुभ	अमृत	21:21 - 22:56 शुभ
शुभ.	11:05 - 12:30 शुभ	चंचल	22:56 - 00:30 शुभ
रोग	12:30 - 13:56 अशुभ	रोग	00:30 - 02:04 अशुभ
उत्पात	13:56 - 15:21 अशुभ	काल	02:04 - 03:39 अशुभ
चंचल	15:21 - 16:47 शुभ	लाभ.	03:39 - 29:13 शुभ
लाभ	16:47 - 18:09 शुभ	उत्पात	05:13 - 06:50 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है । आपको अपने निर्णय जल्दी लेने होंगे ताकि वह प्रभावी रहे सके ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करें । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे । अपनी भावनाओं को खुल कर व्यक्त करें और घुमा फिराकर कहने से बचे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकारात्मक बातचीत करें। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है । अपने संगठन कौशल को याद रखे और अपने आप को व्यवस्थित रखे । महीने के अंत में एक अप्रत्याशित लाभ की सम्भावना संभव है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन काम और कार्य क्षेत्र के हिसाब से काफी हद तक शांत रहेगा । आज का दिन घटनाओं रहित रहेगा जिससे की आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ी राहत मिलेगी जिसके तलाश आपको काफी समय से थी । इस समय की आप सराहना करे और इसे मनोरंजन में बिताये और उन खुशनुमा पलो को भी याद करे जो अपने अपने कार्य क्षेत्र में महसूस किये है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चों पर भी लगाम लगानी होगी क्योंकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है , दिखानी होगी । कल जो आपने गलतियां करी थी , उन पर आपको अपने ऊपर कुछ हास्य होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं। आज यात्रा के लिए न कोई योजना बनाये और न ही कोई भुगतान करें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योंकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

डोनाल्ड ट्रंप के एक कॉइन से तबाह हो गए लोग, 75 फीसदी गिर गए रेट

वाशिंगटन,4 फरवरी (एजेंसियां)। एक तरफ जहां डोनाल्ड ट्रंप सरकार की ओर से लगाए जा रहे टैरिफ से दुनिया परेशान है, वहीं दूसरी ओर क्रिप्टोकरेंसी ट्रंप मीम कॉइन से उसके निवेशक परेशान हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप की मीम कॉइन ने हाल ही में अपने निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसकी कीमत पिछले कुछ दिनों में अपने ऑल टाइम हाई से 75 फीसदी गिरकर 18.92 डॉलर पर आ गई है।

लॉन्च के समय का उत्साह

ट्रंप मीम कॉइन ने 17 जनवरी 2025 को लॉन्च होते ही क्रिप्टो बाजार में हलचल मचा दी थी। इसकी शुरुआती कीमत लगभग 7 डॉलर थी और कुछ ही घंटों में यह 8000 फीसदी की तेजी के साथ अपने ऑल टाइम हाई 74.85 डॉलर तक पहुंच गई। इस तेजी ने निवेशकों को आकर्षित किया और कई लोगों ने इसमें निवेश किया। लेकिन इसके बाद से इसमें गिरावट शुरू हो गई, जो अब तक जारी है।

इस मीम कॉइन की कीमत में गिरावट के पीछे कई कारण हैं। सबसे पहले, बाजार में सट्टा गतिविधियों का अंत और निवेशकों का विश्वास खोना मुख्य कारण है। हाल के दिनों में, ट्रंप मीम कॉइन की कीमत में 24 घंटे के भीतर 24 फीसदी की गिरावट आई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशक अब इस क्रिप्टोकरेंसी पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में, इसकी कीमत में 30 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है।इस गिरावट ने उन निवेशकों को गंभीर नुकसान पहुंचाया है जिन्होंने इसे इसके ऑल टाइम हाई कीमत पर खरीदा था। मौजूदा समय में, ट्रंप मीम कॉइन का मार्केट कैप घटकर लगभग 3.77 बिलियन डॉलर रह गया है। जिन लोगों ने इसके लॉन्च के समय निवेश किया था, उन्हें अब भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप मीम कॉइन की गिरावट केवल इसकी नहीं बल्कि पूरे क्रिप्टो मार्केट की स्थिति को भी दिखाती है। हाल के दिनों में अन्य प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी के भी कीमतों में कमी आई है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि क्रिप्टो बाजार में सट्टा गतिविधियों का प्रभाव और सरकारी नीतियों का असर इन गिरावटों का मुख्य कारण है। डोनाल्ड ट्रंप की मीम कॉइन ने अपने लॉन्च के समय काफी उत्साह पैदा किया था, लेकिन वर्तमान स्थिति ने इसे एक डरावने सपने में बदल दिया है। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानीपूर्वक विचार करें और अपने निवेश निर्णयों को समझदारी से लें।

10 ग्राम सोने की कीमत 83,000 रुपये

चांदी 162 रुपये बढ़कर 93,475 रुपए किलो पहुंची'

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सोना आज यानी 4 फरवरी को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 259 रुपए बढ़कर 82,963 रुपए हो गया है। इससे पहले कल यानी 3 फरवरी को सोना 82,704 रुपए प्रति दस ग्राम के ऑलटाइम हाई पर था। चांदी के दाम में भी आज बढ़त है। ये 162 रुपए महंगी होकर 93,475 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 93,313 रुपए किलो थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 78,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 85,350 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 78,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 85,200 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 78,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 85,200 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 78,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 85,200 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 78,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 85,250 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 85,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 78,100 रुपये है।

दालों की आसमान छूती कीमतों से सरकार भी थी परेशान

इसलिए बजट में बनाया ये प्लान

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में दाल आम आदमी का सबसे बेसिक प्रोटीन सोर्स है, लेकिन बीते कई सालों में इसकी मात्रा कम हुई है, क्योंकि महंगाई की वजह से इसका इनटेक कम हुआ है. दालों की आसमान छूती कीमतें सरकार के लिए भी सिरदर्द बनी हुई हैं क्योंकि ये देश में फूड इंफ्लेशन को बढ़ाने का भी काम करती हैं. इसलिए सरकार ने बजट 2025 में दालों में आत्मनिर्भरता के लिए योजना पेश की है. लेकिन भारत के लिए ये असलियत में कितना चुनौतीपूर्ण है. केंद्र सरकार ने बजट 2025 में दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 1,000 करोड़ रुपए रखे हैं. इस योजना का मकसद दालों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और गोदामों की व्यवस्था करना है. भारत में दलहन की 3 फसलें होती हैं और सरकार इन तीनों को ही संबल देना चाहती है. निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि नेफेड और एनसीसीएफ दोनों संस्थाएं दालों की खरीद के लिए तैयार हैं. जो भी किसान इन एजेंसी के साथ रजिस्टर कराएंगे, ये एजेंसी उन किसानों से जितनी वो देना चाहें, उतनी पूरी की पूरी दाल खरीद लेंगे." भारत को खाद्य तेल और दालों की अपनी जरूरत की बड़ी मात्रा का इंपोर्ट करना होता है. भारत, जहां कृषि आबादी करीब 50 प्रतिशत है. उसके लिए ये चिंता की बात है. ऐसे में दालों का बढ़ता आयात और भी बड़ी समस्या है. अप्रैल-नवंबर 2024 में भारत का दलहन आयात 3.28 अरब डॉलर का रहा है. ये 2023 की इसी अवधि के 2.09 अरब डॉलर के आयात के मुकाबले 56.6 प्रतिशत अधिक है.अगर आयात की दर यही रही, तो चालू वित्त वर्ष में भारत का दाल इंपोर्ट 5.9 अरब डॉलर हो जाएगा.

कोयला घोटाला, सूर्यकांत, रानू, सौम्या की 50 करोड़ की संपत्ति सीज

ईडी ने की 100 से ज्यादा प्रॉपर्टी कुर्क, अब तक 300 करोड़ से ज्यादा अटैच

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हुए कोयला घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने घोटाले से जुड़े लोगों की संपत्ति कुर्क की है। इनमें बैंक बैलेंस, वाहन, नगदी, जेवरात और जमीन सहित 100 से अधिक चल और अचल संपत्तियां हैं। इसकी कुल कीमत 49.73 करोड़ रुपए है।

ये संपत्तियां कोयला घोटाले के कथित मास्टरमाइंड सूर्यकांत तिवारी के साथ बाकी आरोपियों की भी है। ईडी की जांच में पता चला है कि कुछ लोगों ने पिछली सरकार में रहे नेताओं और वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से मिलीभगत कर कोयला ट्रांसपोर्टर्स से जबरन वसूली की।

जुलाई 2020 और जून 2022 के बीच परिवहन किए गए कोयले में प्रति टन 25 रुपए चार्ज किए गए। ईडी ने अपने प्रेस नोट जारी कर बताया है कि कोल लेवी से आने वाले रुपए का इस्तेमाल सरकारी अधिकारियों और नेताओं को रिश्वत देने के लिए किया गया था। साथ ही इसका कुछ हिस्सा चुनावों में भी खर्च किया गया था। बाकी राशि से चल और अचल संपत्तियां खरीदी गई।

प्रेस नोट जारी कर ईडी ने बताया कि ये संपत्ति निलंबित आईएएस रानू साहू, निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई राज्य प्रशासनिक सेवा आधिकारी सौम्या चौरसिया, तत्कालीन मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के ओएसडी, जय प्रकाश मौर्य, कांग्रेस नेता राम गोपाल अग्रवाल, राम प्रताप सिंह, विनोद तिवारी, पूर्व विधायक चंद्र देव प्रसाद राय और भिलाई विधायक देवेंद्र सिंह यादव की है। छत्तीसगढ़ में कोल लेवी मामले में ईडी ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। वी विशेष न्यायालय (पीएमएलए) के तहत 26 आरोपियों के खिलाफ तीन प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट दायर की हैं, इसके पहले भी ईडी की ओर से आरोपी व्यक्तियों की 270 करोड़ रुपए की संपत्ति सीज की जा चुकी है। इस मामले में ईडी ओर से जांच जारी है।

संपत्ति कुर्क होने से पहले कोयला घोटाला मामले में निलंबित आईएएस रानू साहू और सूर्यकांत तिवारी को हाईकोर्ट से भी झटका लगा। 6 दिन पहले हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज की है। फिलहाल, यह दोनों अभी जेल में ही बंद हैं।

दरअसल, आरोपी रानू साहू और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई पहले हो चुकी थी। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। पिछले सोमवार को जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच ने सुनवाई के बाद दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी।

पुलिस मुखबिरी के शक में मौत की सजा

बीजापुर में नक्सलियों ने 2 ग्रामीणों का काटा गला, 24 सालों में 1800 लोगों की हत्या

जगदलपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक ही गांव के 2 ग्रामीणों की गला रेतकर हत्या कर दी है। रात में घर से दोनों को उठाकर जंगल की तरफ लेकर गए थे, मारकर सुबह दोनों के शव को गांव के नजदीक फेंक दिया। इनपर पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाया और मौत की सजा दे दी। मामला तर्रेम थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने बुड़गीचेरू गांव में वारदात की है। 3 फरवरी की देर रात करीब 10 से 12 की संख्या में हथियारों से लैस नक्सली गांव पहुंचे थे। इस गांव के रहने वाले युवक कारम राजू (32) और माड़वी मुन्ना (27) के घर पहुंच गए। इन दोनों ग्रामीणों को बंदूक के बल पर घर से उठाया फिर इन्हें गांव के पास के ही जंगल में लेकर गए। जहां इनपर पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाया और धारदार हथियार से गला रेत दिया। वारदात के बाद दोनों के शव को गांव के नजदीक लाकर फेंक दिया। जिसके बाद ग्रामीणों ने सुबह इसकी जानकारी पुलिस को दी।

सोनिया और राहुल गांधी पर एफआईआर

एससी-एसटी थाने में हुई है शिकायत दर्ज संसद कैंपस में राष्ट्रपति को पूअर लेडी कहा था

रांची, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रांची के एससी-एसटी थाने में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की गई है। यह एफआईआर नामकुम की रहने वाली अंजली लकड़ा ने कराई है। दरअसल 18वीं लोकसभा के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का अभिभाषण दिया था। उनके इस अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी पर विवाद हो गया। सोनिया गांधी ने द्रौपदी मुर्मू के लिए बेचारी शब्द इस्तेमाल किया। वहीं राहुल ने भाषण को बोरिंग बताया। भाजपा ने इसे आदिवासी समाज का अपमान बताया और माफी की मांग की। अब यह मामला तूल पकड़ता नजर आ रहा है। राष्ट्रपति पर की गई इस तरह की टिप्पणी को लेकर रांची में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अंजली लकड़ा द्वारा कराए गए एफआईआर में लिखा हुआ है कि बजट सत्र के अभिभाषण के दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए बोरिंग, पुवर लेडी, असहाय, लाचार, गरीब महिला और थकी हुई कह कर अपमानित किया गया। भारत के सर्वोच्च राष्ट्रपति, भारत के प्रथम नागरिक, तीनों सेनाओं के अध्यक्ष पद पर आसीन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सोची समझी साजिश के तहत अनुसूचित जनजाति आदिवासी महिला को योजनाबद्ध तरीके से मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। यह अपमान/प्रताड़ित करना पूरे देश के साथ-साथ अनुसूचित जनजाति आदिवासी समाज का अपमान/प्रताड़ित करना है।

सोनिया-राहुल का कमेंट

सोनिया गांधी- अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गईं थीं। बेचारी वह मुश्किल से बोल पा रही थीं।

राहुल गांधी- यह बोरिंग था, वहीं बातें बार-बार रिपीट की गईं।

सोनिया गांधी की आलोचना पर प्रियंका ने कहा- 'मेरी मां 78 साल की बुजुर्ग महिला हैं, उन्होंने बस इतना कहा कि 'राष्ट्रपति ने इतना लंबा भाषण पढ़ा होगा, वह थक गई होंगी, बेचारी।'

वह पूरी तरह से भारत की राष्ट्रपति का सम्मान करती हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया इस तरह की बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है। वे दोनों हमसे बड़े और सम्मानित लोग हैं। उनकी बात का कोई गलत मतलब नहीं था।'

अरुण देव गौतम बने छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी

1992 बैच के अफसर, 6 जिलों के एसपी रहे, मिल चुका है संयुक्त राष्ट्र पदक

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अरुण देव गौतम छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी (डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) बनाए गए हैं। 1992 बैच के अफसर हैं। वे 6 जिलों के एसपी रह चुके हैं। कई अधिकारियों के नाम दिल्ली यूपीएससी को भेजे गए थे। जिसके बाद उनके नाम का ऐलान किया गया है। अरुण देव गौतम को संयुक्त राष्ट्र पदक के अलावा सराहनी सेवाओं के लिए वर्ष 2010 में भारतीय पुलिस पदक और 2018 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2002 में संघर्षग्रस्त कोसोवा में सेवा देने के लिए अरुण देव गौतम को संयुक्त राष्ट्र पदक भी मिला था। बता दें कि छत्तीसगढ़ के डीजीपी रहे अशोक जुनेजा का कार्यकाल सोमवार को समाप्त हो गया। उन्हें पहले 2 बार सेवा विस्तार मिल चुका था।

अरुण देव गौतम मूलतः उत्तरप्रदेश के कानपुर के रहने वाले है। एमए, एमफिल की डिग्री लेने के बाद यूपीएससी क्रैक कर आईपीएस बने है। उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक, भारतीय पुलिस पदक व संयुक्त राष्ट्र पुलिस पदक भी मिल चुका है। उनका जन्म 2 जुलाई 1967 को कानपुर के पास स्थित उनके गांव अभयपुर में हुआ है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा अपने गांव के ही सरकारी स्कूल से की। फिर दसवीं व बारहवीं उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज इलाहाबाद से पूरी की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से आर्टस लेकर बीए किया। राजनीति शास्त्र में एमए किया। मां के बाद जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय कानून में एमफिल की डिग्री हासिल की।

अरुण देव गौतम यूपीएससी निकालकर 1992 बैच के आईपीएस बने। 12 अक्टूबर 1992 को उन्होंने आईपीएस की सर्विस जॉइन की। उन्हें पहले मध्यप्रदेश कैडर एलॉट हुआ था। प्रशिक्षु आईपीएस के तौर पर उनकी जबलपुर में पोस्टिंग हुई। फिर वे बिलासपुर जिले में सीएसपी बने। बिलासपुर के बाद एसडीओपी कवर्धा बने। कवर्धा के बाद एडिशनल एसपी भोपाल बने। मध्य प्रदेश पुलिस की 23वीं बटालियन के कमांडेंट भी रहे। एसपी के रूप में पहला जिला उन्हें भोपाल का मिला।

वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य बनने पर अरुण देव गौतम ने छत्तीसगढ़ कैडर चुन लिया। छत्तीसगढ़ में वे कोरिया, रायगढ़, जशपुर, राजनंदगांव, सरगुजा और बिलासपुर जिले के एसपी रहे। डीआईजी बनने के बाद वे पुलिस हैडक्वाटर, सीआईडी, वित्त और योजना, प्रशासन और मुख्यमंत्री सुरक्षा के महत्वपूर्ण विभागों में पदस्थ रहे। चुनौती पूर्ण जिलों में अरुण देव गौतम को भेजा जाता था। वर्ष 2009 में राजनांदगांव में नक्सली हमले में 29 पुलिसकर्मियों व पुलिस अधीक्षक के शहीद होने के बाद अरुण देव गौतम को वहां का एसपी बन कर भेजा गया।

थीम पार्क में 25 वर्षीय युवक की गला रेतकर हत्या

परिजनों ने कहा- किसी से नहीं थी दुश्मनी घटनास्थल से मिला टॉर्च और ताला

जमशेदपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक वारदात सामने आई है। थीम पार्क में 25 वर्षीय युवक जयप्रकाश धर की बेरहमी से हत्या कर दी गई। जयप्रकाश के सिर पर तेज धारदार हथियार से वार किया गया और गला भी रेत दिया गया। गोविंदपुर कोचा टोला निवासी जयप्रकाश धर बीती रात अपने घर से बाहर गया था। जब वह देर रात तक घर नहीं लौटा और सुबह तक भी उसका कोई पता नहीं चला, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि थीम पार्क में एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान जयप्रकाश के रूप में की।

परिजनों का कहना है कि जयप्रकाश की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, जिससे हत्या का कारण समझ से परे है। घटनास्थल से पुलिस को एक टॉर्च और एक ताला बरामद हुआ है, जिसे जब्त कर लिया गया है।

सीएम साय के समधी चुनावी मैदान में

मंत्री श्यामबिहारी की बहू को भी टिकट, पंचायत-निकाय इलेक्शन में 10 बड़े नेताओं के रिश्तेदार लड़ रहे चुनाव

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एक साथ हो रहे हैं। इन चुनावों में बीजेपी-कांग्रेस दोनों ही दलों में कई बड़े नेताओं के रिश्तेदार चुनावी मैदान में हैं। इनमें मुख्यमंत्री के समधी और एक मंत्री की बहू भी हैं।

साथ ही एक और मंत्री के भाई तो निर्विरोध पार्षद पद का चुनाव जीत भी गए हैं। इनके अलावा बीजेपी के ही 2 पूर्व मंत्रियों के 3 रिलेटिव मैदान में हैं। कांग्रेस की बात करें तो, एक पूर्व मंत्री के परिवार का सदस्य चुनाव लड़ रहा है तो वहीं, कांग्रेस मेयर के पति और एक पूर्व महापौर की पत्नी को भी टिकट मिली है।

बात करें, मौजूदा मंत्रियों के रिश्तेदारों की तो, कोरबा में श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के भाई नरेंद्र पार्षद पद का चुनाव निर्विरोध जीत गए हैं। वहीं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी की बहू चंपा जायसवाल नगर पंचायत झगराखांड से अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रही हैं।

चंपा जायसवाल श्यामबिहारी जायसवाल के भांजे पार्षद उमेश जायसवाल की पत्नी हैं। धमतरी जिला पंचायत सदस्य के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समधी टीकाराम कंवर चुनाव लड़ रहे हैं। पंचायत और नगरीय निकाय दोनों को मिलाकर 3 बीजेपी विधायकों के परिवार के सदस्य चुनावी मैदान में हैं। वहीं एक कांग्रेस विधायक की पत्नी को टिकट मिला है।

भरतपुर-सोनहत की बीजेपी विधायक और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह की बेटी मोनिका सिंह ने सूरजपुर जिला पंचायत क्षेत्र-15 से नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, भाजपा ने अधिकृत प्रत्याशी वेद प्रकाश सिंह को बनाया है।

ऐसे में मोनिका सिंह का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी के साथ-साथ बीजेपी के प्रत्याशी से भी होगा। इस सीट पर दिलचस्प बात यह भी है कि, यहां कांग्रेस से समर्थित प्रत्याशी पूर्व मंत्री तुलेश्वर सिंह के बेटे सतवंत सिंह कोर्राम को बनाया गया है। तुलेश्वर सिंह अजीत जोगी सरकार में राज्यमंत्री थे।

2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने तुलेश्वर सिंह की बेटी शशि सिंह कोर्राम को प्रत्याशी बनाया था। शशि सिंह भी जिला पंचायत सदस्य रही हैं। इस बार रायपुर मेयर की सीट महिला के लिए आरक्षित हो गई। ऐसे में कांग्रेस से प्रमोद दुबे की पत्नी दीप्ति दुबे को टिकट मिल गया। प्रमोद दुबे पूर्व महापौर और इस कार्यकाल में निगम के सभा पति रह चुके हैं। वहीं कुछ बड़े नेताओं के परिजन आरक्षण के कारण चुनावी मैदान से बाहर हो गए हैं। इसमें पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के भतीजे आदितेश्वर शरण सिंहदेव और पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर के बेटे का नाम आगे था।

हालांकि दावेदारी वाली सीट महिला के लिए आरक्षित हो गई। आदितेश्वर शरण सिंहदेव 2019 में सरगुजा जिला पंचायत उपाध्यक्ष भी बने थे।

पूर्व मंत्री रामसेवक पैकरा की पत्नी शशि पैकरा सूरजपुर जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 (ओड़गी 2) से चुनाव मैदान में हैं। भाजपा ने उन्हें समर्थित प्रत्याशी घोषित भी किया है। शशि पैकरा अविभाजित सरगुजा और विभाजन के बाद सूरजपुर में जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं। इसके अलावा रामसेवक पैकरा के बेटे लवकेश पैकरा ने भी जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-10 (प्रतापपुर 1) से नामांकन दाखिल किया है।

सराफा कारोबारी के ठिकानों पर आईटी की रेड

2 दिन पहले की बेटी की शादी, खर्च हुई मोटी रकम, फोन जब्त कर पूछताछ

धमतरी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में मंगलवार को आयकर विभाग की टीम ने सेठिया ज्वेलर्स के मालिक महेश सेठिया के ठिकाने पर दबिश दी है। कारोबारी और उनके परिवार के सदस्यों के फोन जब्त कर उनसे पूछताछ की जा रही है। कारोबारी ने दो दिन पहले ही अपनी बेटी की रायपुर में शादी की है। जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई में रायपुर और धमतरी के आयकर विभाग की 10 सदस्यीय टीम शामिल है। दोपहर करीब 1:30 बजे कारोबारी के इतवारी बाजार के दुकान और मैत्री विहार कॉलोनी के घर में छापेमारी की गई। दोनों जगहों पर दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि, सबसे पहले आयकर की टीम इतवारी बाजार स्थित श्री सेठिया ज्वेलर्स पहुंची। यहां से संचालक महेश सेठिया को लेकर मैत्री विहार कॉलोनी स्थित उनके घर गई। दुकान से ग्राहकों को बाहर निकालकर आधा शटर गिराकर दस्तावेज चेक किए जा रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि, टैक्स चोरी और आय से अधिक संपत्ति की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई चल रही है। दोनों जगहों पर हथियारबंद पुलिस के जवान तैनात हैं। हालांकि घर के सदस्यों का कहना है कि, आयकर विभाग की टीम सर्वे के लिए पहुंची है। बता दें कि, सेठिया परिवार ने दो दिन पहले रायपुर में लड़की की बड़े ही धूमधाम से शादी की है, जिसमें मोटी रकम खर्च करने की बात कही जा रही है।

कैंसर ने पहले पिता, फिर दो बहनों को छीना

खुद इस बीमारी को हराकर अरुण मिश्रा ने लिखी किताब-थैंक्यू कैंसर, कहा-मैं हारा नहीं, जीता हूं

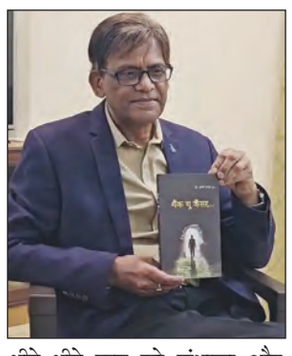

कोडरमा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कैंसर ने पहले पिता की जिंदगी छिन ली। मां सरीखी दो बड़ी बहनों को लील गया। खुद को प्रोस्टेट कैंसर हुआ। एक व्यक्ति के निराश और हताश होने के लिए इतना काफी है। लेकिन इन तमाम झंझावातों के बाद भी अगर कोई अपनी लड़ाई लड़े, जीते और फिर लोगों को जीने के लिए प्रेरित करे तो आप अंदाजा लगाइए कि उस व्यक्ति की इच्छाशक्ति कितनी मजबूत होगी।

विश्व कैंसर दिवस पर आज हम आपको कोडरमा के एक ऐसे कैंसर सर्वाइवर की कहानी बता रहे हैं जिनकी उम्र आज की तारीख में 70 साल है। कैंसर से जंग जीत, कैंसर को धन्यवाद कहते किताब लिखी। किताब को नाम दिया 'थैंक्यू कैंसर'। ऐसा करने वाले शख्सियत हैं डॉ अरुण मिश्रा। डॉ अरुण मिश्रा को साल 2018 में कैंसर डिटेक्ट हुआ था। पहले तो हताश हो गए लेकिन धीरे-धीरे खुद को संभाला और इलाज जारी रखा। इसी दौरान जब वे दिल्ली के एम्स पहुंचे तो इनके रिकवरी रेट को देखकर वहां के चिकित्सक भी हैरान रह गए। इसके बाद वहां के स्टूडेंट्स के बीच इनको संबोधित करने को कहा गया। जब इन्होंने वहां के विद्यार्थियों को संबोधित किया तो पाया कि इनके विचार कई कैंसर पीड़ित की जान बचा सकते हैं। यहीं से इनके अंदर कैंसर पर किताब लिखने की जिज्ञासा जागी, ताकि वैसे लोग जो कैंसर होने के बाद जीने की इच्छा छोड़ देते हैं, उन्हें इनकी किताब से जीने की प्रेरणा मिल सके। अपने कैंसर से संघर्ष को लेकर वो कहते हैं कि मैंने कैंसर को हराया नहीं है बल्कि उसे जीता है। इधर डॉ. अरुण ने बताया कि उनके परिवार में पत्नी, दो बेटियां, उनके भाई, भाई की पत्नी तथा उनके बेटे हैं। जैसे ही उन्हें मेरे कैंसर ग्रसित होने की बात पता चली, वे सभी लोग मेरे देखभाल में लग गए। इसके अलावे उन्होंने मुझे हर समय एक हिम्मत दी, जिससे मैं कैंसर से लड़ने के लिए तैयार हो सका। वह कहते हैं कि मेरे परिवार ने जो मुझे ऊर्जा दी है उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने 70 वर्षीय डॉ अरुण मिश्रा झुमरी तिलैया के देवी मंडप रोड के रहने वाले हैं। कैंसर से जंग जितने के अनुभव से भरी किताब 'थैंक्यू कैंसर' के दूसरे संस्करण का 2023 में झारखंड के राज्यपाल ने विमोचन किया था। इस किताब की प्रभावशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश के सबसे बड़े कैंसर अस्पताल टाटा मेमोरियल ने अकेले 650 प्रतियां मंगवाई हैं।

डॉ अरुण मिश्रा ने बताया कि कैंसर से लड़ते हुए उन्होंने डॉक्टर की कल्पनाओं से भी काफी तेज गति से कैंसर में रिकवरी हासिल किया। उनके स्वास्थ्य परीक्षण के बाद डॉक्टर भी उनकी इस स्थिति को देखकर अचंभित हो गए थे।

शॉर्ट सर्किट से इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लगी भीषण आग

4 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू, डेढ़ करोड़ का सामान जला, दुकानदार झुलसा

हजारीबाग, 4 फरवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के इचाक थाना क्षेत्र स्थित करियातपुर में एक बड़ी आग लगने की घटना सामने आई। बैंक ऑफ इंडिया शाखा के पास स्थित मनीषा इलेक्ट्रॉनिक्स में देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

इस घटना में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए का इलेक्ट्रॉनिक और हार्डवेयर सामान जलकर राख हो गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल कर्मियों और सैकड़ों ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से लगभग 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

आग इतनी भयानक थी कि अगर समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया जाता, तो पास में स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा और दर्जनों अन्य दुकानों तक फैल सकती थी। आग बुझाने के दौरान दुकान के मालिक प्रकाश कुमार भी झुलस गए, जिन्हें तुरंत हजारीबाग सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उनकी स्थिति स्थिर है।

घटना के बाद क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बाजार क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा के उचित इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सेक्स सीडी कांड केस, कोर्ट नहीं पहुंचे आरोपी

वकील के जरिए भेजी सूचना, कहा-चुनाव की वजह से पेश नहीं हो पाएंगे, 25 फरवरी को अगली सुनवाई

रायपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री राजेश मूणत की कथित सेक्स सीडी कांड केस में 7 साल बाद रायपुर कोर्ट में सुनवाई थी, लेकिन आरोपी कोर्ट नहीं पहुंचे। आरोपियों ने वकील के माध्यम से जानकारी दी है कि चुनाव और अन्य कारणों से उपस्थित नहीं हो पाएंगे। अब अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी। कथित सेक्स सीडी कांड केस में कोर्ट ने मुख्य आरोपी कैलाश मुरारका, पूर्व सीएम के मीडिया सलाहाकार रहे विनोद वर्मा, भूपेश बघेल, विजय पांड्या, विजय भाटिया को समन जारी किया था। इस केस के एक आरोपी रिंकू खनूजा की मौत हो चुकी है।

मामले में सीबीआई ने 2018 में चार्जशीट पेश की थी, लेकिन इस पर आगे कोई सुनवाई नहीं हुई थी। अब रायपुर कोर्ट में सीबीआई की चार्जशीट पर बहस होगी। इसके पहले पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा था कि मेरा न्याय जनता कर चुकी है। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सेक्स सीडी कांड की सुनवाई दूसरे राज्य में ट्रांसफर करने सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सीबीआई का कहना था कि निचली अदालत में चल रहे ट्रायल में गवाहों को धमकाने और झूठे केस में फंसाने की बात कही गई। सीबीआई ने कोर्ट से मांग की गई कि थी इस केस के दिल्ली या फिर किसी दूसरे राज्य में ट्रांसफर कर देना चाहिए, जिसके बाद याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर इस सिलसिले में जवाब मांगा था। अक्टूबर 2017 में छत्तीसगढ़ में एक सेक्स सीडी सामने आई थी। इसे कथित रूप से तत्कालीन भाजपा सरकार के लोक निर्माण मंत्री राजेश मूणत का बताया जा रहा था।

बीच सड़क काटा केक, हाईकोर्ट से सरकार को फटकार

जज बोले-आम आदमी को गुंडा बताकर जेल में डाल देते, मॉल संचालक का महज 300 का काटा चालान

बिलासपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में मुंबई-कोलकाता नेशनल हाईवे पर बीच सड़क केक काटने के केस में हाईकोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई है। साथ ही 300 रुपए की चालानी कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आम आदमी ऐसा करता तो उसे गुंडा-बदमाश बताकर जेल में डाल देते।

हाईकोर्ट ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई करने वाले ट्रैफिक पुलिस के अफसर को तत्काल निलंबित करिए। साथ ही मामले में राज्य सरकार को शपथ-पत्र के साथ जवाब देने कहा है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रवींद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की। अब डीडी नगर पुलिस मॉल के मालिक रोशन पांडेय और बड़े बेटे लोक पांडेय के खिलाफ एफआईआर दर्ज करेगी। दोनों पर हाईवे को जाम करना और न्यूसेंस फैलाने का आरोप है। हुड़दंग और आतिशबाजी के बाद ट्रैफिक मुख्यालय से रोशन पांडेय और लोक पांडेय के खिलाफ चालान काटा गया था।

महंत बोले- रिश्वतखोरी का आरोप लगाए तो 5 चप्पल मारें

अवैध कारोबारियों को चेताया, सुधर जाओ, मंत्री बोले- कांग्रेस अपने गिरेबान में झांके

कोरबा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा में कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के बीच बहस छिड़ गई। नेता प्रतिपक्ष ने जिले में चल रहे कोयला, डीजल, कबाड़ और रेत के अवैध कारोबार को लेकर सरकार पर आरोप लगाए।

महंत ने कहा कि वर्तमान भाजपा शासन में अवैध कारोबार चरम पर है और मंत्री को इससे कमीशन मिल रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी कि यदि कोई तस्कर कांग्रेस नेताओं पर रिश्वत का आरोप लगाए तो उसे सरेआम पांच चप्पल मारें।

साथ ही महंत ने अवैध कारोबारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि या तो वे सुधर जाएं या फिर कांग्रेस की जीत के बाद उन्हें भागना पड़ेगा।

इन आरोपों का जवाब देते हुए श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अवैध कारोबार कांग्रेस शासनकाल में शुरू हुआ था और तब बड़े पैमाने पर कमीशनखोरी होती थी।

मंत्री ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने इस पर लगातार कार्रवाई की है और कई आरोपी जेल में हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस काल में कोयला परिवहन ऑफलाइन था, जिससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था। अब भाजपा सरकार ने पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे पारदर्शिता आई है।

चीन ने अमेरिका पर 15% टैरिफ लगाया

इसमें कोयला-एलएनजी शामिल, ट्रम्प ने ड्रैगन पर 10% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था

बीजिंग, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के चीन पर 10% टैरिफ लगाने के फैसले का जवाब बीजिंग ने भी टैरिफ लगाकर दिया है। चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री ने मंगलवार को अमेरिका से आने वाले कोयला-एलएनजी पर 15% और कच्चे तेल, कृषि मशीनरी व बड़े इंजन वाली कारों पर 10% टैरिफ लगाने का ऐलान किया।

इससे पहले ट्रम्प ने 1 फरवरी को चीन से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने के फैसले पर साइन किए थे। ये फैसला आज से लागू हो रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक टैरिफ को लेकर चीन ने अमेरिका को डब्ल्यूटीओ में घसीटा में है।

दोनों देशों के बीच इस टैरिफ वॉर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों और चीनी मुद्रा युआन में गिरावट आई है। अमेरिकी और यूरोपीय स्टॉक फ्यूचर्स भी नीचे आए हैं।

ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ का फैसला टाला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने के फैसले को 30 दिन के लिए टाल दिया है। ट्रम्प ने इसे लेकर सोमवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से बात की।

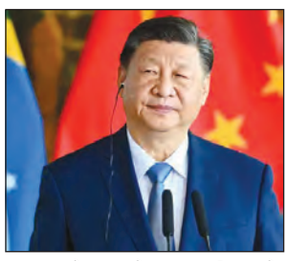

ट्रम्प ने बाद में बताया कि ट्रूडो और शिनबाम के साथ उनकी बातचीत अच्छी रही। दोनों देशों ने अमेरिका के साथ बॉर्डर को सिक्योर करने पर सहमति जताई है। इसके बाद ट्रम्प ने दोनों देशों पर टैरिफ रोकने से जुड़े कार्यकारी आदेश पर साइन किए।

दरअसल ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको पर 25% और चीन पर 10% टैरिफ लगाने का फैसला लिया था, जो आज यानी मंगलवार से लागू होने वाला था। हालांकि चीन पर 10 टैरिफ का आदेश आज से लागू हो रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ के बाद कनाडा, मेक्सिको और चीन पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने 1 फरवरी को इससे जुड़े आदेशों पर साइन भी कर दिया था। ट्रम्प के इस फैसले के बाद कनाडा ने भी 2 फरवरी को अमेरिका पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसमें अमेरिका से होने वाले 106 अरब डॉलर के निर्यात को शामिल किया गया था। दूसरी तरफ मेक्सिको ने भी जवाबी कार्रवाई की बात कही थी। सोमवार को ट्रम्प के फैसले के बाद ट्रूडो ने X पर पोस्ट कर बताया कि टैरिफ पर रोक के बदले में कनाडा बॉर्डर सिक्योरिटी में भारी निवेश करेगा। साथ ही संगठित अपराध, फेंटेनाइल की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए दोनों देश मिलकर कनाडा-यूएस ज्वाइंट स्ट्राइक फोर्स बनाएंगे। इसके अलावा कनाडा फेंटेनाइल जार (फेंटेनाइल की तस्करी रोकने वाला अधिकारी) की नियुक्ति भी करेगा। तस्करी में शामिल कार्टेल (समूह) को आतंकवादी समूहों की सूची में शामिल किया जाएगा।

मेक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम ने एक प्रेस ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी। शिनबाम जब प्रेस ब्रीफ को संबोधित करने पहुंचीं तो वहां उनका स्वागत तालियों से हुआ। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या उन्होंने उनका सोशल मीडिया पोस्ट देखा है? ट्रम्प टैरिफ टालने पर राजी हो गए हैं। उन्होंने ट्रम्प के फैसले के बदलने को मेक्सिको की जीत बताया। शिनबाम ने बताया कि ट्रम्प से उनकी बातचीत 35 से 40 मिनट तक चली। इस दौरान उन्होंने अमेरिका से मेक्सिको में सप्लाई होने वाले खतरनाक हथियारों की सप्लाई को लेकर शिकायत की। शिनबाम ने कहा कि ये हथियार आपराधिक गुटों के हाथ लग चुके हैं, जिसकी वजह से उनकी ताकत बढ़ गई है। शिनबाम ने कहा कि वे चाहती हैं कि अमेरिका ऐसे हथियारों की सप्लाई पर रोक लगाने के लिए काम करे। ट्रम्प ने इस पर सहमति जताई। शिनबाम ने कहा- ट्रम्प चाहते हैं कि मेक्सिको के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा कम हो। मैंने उनसे कहा कि यह वास्तव में घाटा नहीं है। गौरतलब है कि अमेरिका का कनाडा और मेक्सिको के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है। इसके तहत इन देशों के बीच होने वाले किसी भी तरह के आयात-निर्यात पर टैरिफ (शुल्क) नहीं लगता है। ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में मेक्सिको और कनाडा के साथ नॉर्थ अमेरिका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एनएएफटीए) किया था।

अफगानिस्तान छोड़कर भागे तालिबान के उप-विदेश मंत्री

तालिबान ने गिरफ्तारी का आदेश दिया था लड़कियों की पढ़ाई पर बैन के खिलाफ थे

काबुल, 4 फरवरी (एजेंसियां)। तालिबान के उप-विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई को जबरन देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। वे अफगानिस्तान छोड़कर यूएई चले गए हैं। स्टानिकजई ने अफगानिस्तान में लड़कियों की पढ़ाई पर रोक से जुड़े तालिबानी फैसले की आलोचना की थी। तालिबान ने अफगान लड़कियों के सेकेंडरी और हाईयर ऐजुकेशन में एडमिशन लेने पर रोक लगा दी है। 20 जनवरी को पाकिस्तान बॉर्डर के पास खोस्त प्रांत में एक ग्रेजुएशन सेरेमनी में बोलते हुए स्टानिकजई ने कहा, पैगंबर मोहम्मद के वक्त भी पुरुषों और महिलाओं के लिए शिक्षा के रास्ते खुले थे। ऐसी उल्लेखनीय महिलाएं थीं कि अगर मैं उनके योगदान के बारे में विस्तार से बताऊं तो मुझे काफी वक्त लग जाएगा। शेर मोहम्मद अफगानिस्तान के लोगार प्रोविंस के बराकी बरक जिले का है। 1963 में जन्मा शेर मोहम्मद तालिबान लड़ाकों की तरह ही पश्तून है। पॉलिटिकल साइंस से मास्टर्स करने के बाद उसने देहरादून की इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) में ट्रेनिंग ली। 1970 के दशक से ही इस एकेडमी में अफगान आर्मी के जवानों को भी ट्रेनिंग दी जाती थी।

भारत में अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद शेर मोहम्मद अफगान सेना में शामिल हुआ। सोवियत संघ-अफगानिस्तान युद्ध के दौरान वो अफगान आर्मी का हिस्सा था। 1996 में उसने अफगान सेना की नौकरी छोड़ दी। उस वक्त तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में आ चुका था।

नौकरी छोड़ने के बाद शेर मोहम्मद तालिबान से जुड़ गया। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद शेर मोहम्मद काबुल लौटने की जगह पाकिस्तान चला गया। यहीं वो तालिबान से जुड़ गया।

तालिबान ने पिछले महीने महिलाओं की नर्सिंग ट्रेनिंग पर भी रोक लगा दी थी। दिसंबर में काबुल में स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक में तालिबान सरकार का फैसला सुनाया गया।

अफगानिस्तान में स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था, लेकिन बैठक के दौरान ही उन्हें कहा गया कि महिलाएं और लड़कियां अब इन संस्थानों में पढ़ाई नहीं कर सकती हैं। इसकी कोई वजह नहीं बताई गई।

तालिबान के फैसले पर क्रिकेटर राशिद खान ने भी चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि तालिबान के इस फैसले का अफगानिस्तान पर गहरा असर पड़ेगा, क्योंकि देश पहले से ही मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी से जूझ रहा है।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने भी तालिबान सरकार से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की। मिशन ने कहा कि इस फैसले से देश के हेल्थ सिस्टम और विकास पर बुरा असर पड़ेगा।

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा महिलाओं की मौत बच्चों को जन्म देने के दौरान हो जाती है। देश में पहले से ही मेडिकल स्टाफ की कमी है। तालिबान के फैसले से देश पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।

बीबीसी के मुताबिक तालिबान के इस फैसले से देश में महिलाओं की पढाई का आखिरी रास्ता भी बंद हो गया है। तालिबान ने 2021 में अफगानिस्तान पर दोबारा कब्जा कर लिया था। इसके बाद से वह महिलाओं पर कई पाबंदियां लगा चुका है।

सबसे पहले अलग-अलग सरकारी संस्थानों में काम कर रही महिलाओं से उनकी नौकरियां छीनी गईं। फिर उनकी पढ़ाई पर पाबंदियां लगाई गईं। अफगानिस्तान में महिलाएं सिर्फ छठी कक्षा तक ही पढ़ाई कर सकती हैं। तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद कहा था कि देश में शरिया कानून लागू होगा। दरअसल, शरिया इस्लाम को मानने वाले लोगों के लिए एक लीगल सिस्टम की तरह है। कई इस्लामी देशों में इसका इस्तेमाल होता है। हालांकि, पाकिस्तान समेत ज्यादातर इस्लामी देशों में यह पूरी तरह लागू नहीं है। इसमें रोजमर्रा की जिंदगी से लेकर कई तरह के बड़े मसलों पर कानून हैं। शरिया में पारिवारिक, वित्त और व्यवसाय से जुड़े कानून शामिल हैं।

वेस्ट बैंक में इजरायली सेना की चौकी पर हमला

छह सैनिक घायल, हमलावर ढेर

तेल अवीव, 4 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्ट बैंक में मंगलवार को इजरायली कब्जे वाले इलाके में एक चेकपोस्ट पर हमला हुआ। इस हमले में छह इजरायली सैनिक घायल हुए हैं। घायलों में से दो की हालत गंभीर है। हमलावर को इजरायली जवानों ने मौके पर ही ढेर कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना वेस्ट बैंक के तैसिर गांव की है, जहां इजरायली सेना की चेकपोस्ट स्थित है। मंगलवार को एक हमलावर ने चेकपोस्ट पर गोलीबारी की।

चेकपोस्ट पर हमलावर ने की गोलीबारी

चेकपोस्ट पर गोलीबारी में इजरायली सेना के छह जवान घायल हुए हैं। घायलों में दो जवानों की हालत गंभीर है। वहीं सैनिकों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर मौके पर ही ढेर हो गया। हमास और छोटे इस्लामिक जिहादी समूहों ने इस हमले की सराहना की है। हालांकि अभी तक किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। गौरतलब है कि यह हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब वेस्ट बैंक के जेनिन के पास इजरायली सेना व्यापक अभियान चला रही है, जिसमें इजरायली सैनिकों ने बुलडोजर से कई मकानों को नष्ट कर दिया है। फिलीस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, जेनिन में इजरायली सेना के छापे की शुरुआत से अब तक इजरायली गोलीबारी में कम से कम 20 फिलीस्तीनी मारे गए हैं। 7 अक्तूबर 2023 के हमास के इजरायल पर हमले के बाद से वेस्ट बैंक में हिंसा में बढ़ोतरी हुई है।

कांगो के गोमा शहर पर विद्रोहियों का कब्जा

एकतरफा सीजफायर का ऐलान किया, संघर्ष में अब तक 900 लोगों की मौत

किंशासा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआर कांगो) के पूर्वी शहर गोमा में कई दिनों से सेना और विद्रोही ग्रुप एम23 में संघर्ष जारी है। आज यानी मंगलवार को विद्रोहियों ने गोमा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद उन्होंने एकतरफा सीजफायर का ऐलान कर दिया। विद्रोहियों और सेना के बीच जारी संघर्ष में अब तक करीब 900 लोग मारे जा चुके हैं। इस शहर में लगभग 1000 भारतीय नागरिक भी रहते हैं। हालांकि संघर्ष शुरू होने के बाद इनमें से ज्यादातर सुरक्षित स्थानों पर चले गए।

लगभग 20 लाख की आबादी वाले गोमा शहर में कई नेचुरल खनिज मौजूद हैं। इस पर हमला करने वाले विद्रोही संगठन एम23 के लड़ाकों को पड़ोसी देश रवांडा का समर्थन हासिल है। गोमा के बाद ये विद्रोही बुकावु शहर की

तरफ बढ़ रहे हैं।

सोमवार को विद्रोही संगठन के प्रवक्ता लॉरेंस कान्युका ने कहा- 'हम मानवीय सहायता देने के लिए लड़ाई रोक देंगे। हमारा बुकावु पर कब्जा करने का भी कोई इरादा नहीं है।' अभी तक कांगो की सरकार ने इस पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

यूएन के एक्सपर्ट्स के मुताबिक एम23 विद्रोहियों को पड़ोसी देश रवांडा के लगभग 4000 सैनिकों का समर्थन हासिल है। कांगो के पूर्वी इलाके में 100 से ज्यादा विद्रोही संगठन सक्रिय हैं। इनमें एम23 सबसे बड़ा संगठन है।

कांगो में कई दशकों से तुत्सी और हुतु जनजाति के बीच संघर्ष जारी है। एम23 का कहना है कि वह तुत्सियों जाति की रक्षा कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 1994 में हुतु और कुछ हिंसक संगठनों ने रवांडा में 8 लाख तुत्सियों पर हमला कर कई लोगों कत्ल कर दिया था। इसके बाद कई तुत्सी कांगो भाग गए।

विद्रोही गुट एम23 ने 2012 में भी गोमा पर अस्थायी तौर पर कब्जा कर लिया था। अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण में बाद में पीछे भी हट गए थे। हालांकि 2021 के अंत से इस गुट ने यहां एक बार फिर पैर पसारने शुरू कर दिए थे।

दो दिन पहले रविवार को भारतीय दूतावास ने कांगो में रह रहे भारतीयों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की थी। राजधानी किंशासा से भारतीय दूतावास ने कहा था मौजूदा हालात में लोगों की मदद करने में हमें भी मुश्किल हो रही है। ऐसे में सभी को व्यक्तिगत स्तर पर अपने इमरजेंसी प्लान तैयार रखने की सलाह दी जाती है। बुकावु और दक्षिण किवु शहर में रह रहे भारतीय नागरिक सुरक्षित जगहों पर चले जाएं।

दक्षिण अफ्रीका में हिंदू छात्र का कलावा काटने पर विवाद

शिक्षक पर कार्रवाई की मांग, हिंदू संगठन ने अधिकारियों से की शिकायत

केप टाउन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के एक स्कूल में शिक्षक ने एक हिंदू छात्र के हाथ से धार्मिक धागा (कलावा) काट दिया। हिंदू समुदाय ने इसे असंवेदनशील और गैरजिम्मेदाराना बताते हुए शिक्षक पर कार्रवाई की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते क्वाजुलु-नताल राज्य के ड्रेकेंसबर्ग सेकेंडरी स्कूल में हुई।

दक्षिण अफ्रीकी हिंदू महासभा ने इस मामले को शिक्षा अधिकारियों के सामने उठाया। उनका कहना है कि छात्रों को स्कूल में सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीक पहनने की इजाजत नहीं दी जाती है। त्रिकमजी ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में कुछ साल पहले एक स्कूल ने एक हिंदू छात्रा को नथुनी (नाम में पहनने वाली रिंग) पहनने से रोक दिया था। इसके बाद अदालत ने छात्रा के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा था कि किसी को भी उसकी सांस्कृतिक या धार्मिक प्रथाओं का पालन करने से रोका नहीं जा सकता। दक्षिण अफ्रीका का संविधान धर्म समेत किसी भी मुद्दे पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। सरकार ने इसे लेकर मानवाधिकार आयोग और सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषा अधिकार आयोग की भी स्थापना की है। त्रिकमजी ने आरोप लगाया कि दक्षिण अफ्रीका का शिक्षा मंत्रालय धार्मिक और सांस्कृतिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने में नाकाम रहा है।

अमेरिका ने अवैध भारतीय अप्रवासियों को वापस भेजना शुरू किया

सेना का विमान भारत के लिए निकला

वॉशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अवैध अप्रवासियों को वापस उनके देश भेजने के डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद अमेरिका से बड़ी संख्या में अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब अमेरिका ने अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को भी निर्वासित करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर अमेरिकी सेना का एक सी-17 विमान भारत के लिए रवाना हो चुका है। अभी तक अमेरिका द्वारा दक्षिण अमेरिकी देशों के अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया जा रहा था, लेकिन अब भारत के अवैध अप्रवासियों पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा है कि अमेरिका के एल पासो, टेक्सास और सैन डिएगा, कैलिफोर्निया से पांच हजार से ज्यादा अवैध अप्रवासियों को लेकर जल्द ही सेना के विमान उड़ान भरेंगे। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका से करीब 1.1 करोड़ अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने की बात कही थी। पिछले सप्ताह ही अमेरिकी सेना ने लैटिन अमेरिकी देशों में अवैध अप्रवासियों को लेकर छह उड़ानें भरी हैं।

हालांकि कोलंबिया ने अमेरिका के विमानों को अपने देश में उतरने की इजाजत नहीं दी थी, लेकिन ट्रंप के सख्त रुख के बाद कोलंबिया ने अपने नागरिकों को लाने के लिए अपने ही विमान भेजे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने लगभग 18,000 भारतीय अप्रवासियों की पहचान की है जो अवैध रूप से अमेरिका में हैं। वहीं अमेरिका द्वारा अवैध अप्रवासी भारतीयों को निर्वासित किए जाने की रिपोर्ट के बीच भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने कहा कि अमेरिका आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहा है।

दूतावास के एक अधिकारी ने कहा कि 'मैं कोई विवरण साझा नहीं कर सकता, लेकिन मैं कह सकता हूं कि अमेरिका अपनी सीमा पर सख्ती कर रहा है, आव्रजन कानूनों को सख्त कर रहा है और अवैध प्रवासियों को हटा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'ये कार्रवाइयां एक स्पष्ट संदेश देती हैं कि अवैध प्रवास जोखिम के लायक नहीं है।'

पूर्व पीएम किशिदा के हमलावार ने आरोपों से किया इनकार

कहा- मेरा इरादा उनको मारने का नहीं था

क्योटो, 4 फरवरी (एजेंसियां)। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा पर जानलेवा हमला करने के आरोपी युवक ने अदालत में बड़ा बयान दिया है। आरोपी युवक ने पश्चिमी जापान की अदालत में कहा कि उसका इरादा पूर्व पीएम को मारने का नहीं था। हालांकि युवक ने बम बनाने के आरोपों को स्वीकार किया।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा पर 15 अप्रैल 2023 को जानलेवा हमला हुआ था। वाकायामा शहर में भाषण के दौरान उन पर एक व्यक्ति ने पाइप बम फेंक दिया था। हालांकि, जब तक यह बम फटता, पूर्व पीएम किशिदा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मामले में जापानी युवक रियूजी किमुरा को हिरासत में लिया गया था। उस पर पूर्व पीएम की हत्या का प्रयास करने, विस्फोटकों और हथियार बनाने का आरोप लगाया गया। वाकायामा जिला अदालत में मंगलवार को मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपी रियूजी किमुरा ने पूर्व पीएम के हत्या के प्रयास के आरोप से इनकार किया। आरोपी ने कहा कि उसका इरादा पूर्व पीएम किशिदा को मारने का नहीं था। उसने बम बनाने के आरोपों को स्वीकार किया। घटना की जांच के बाद सामने आया था कि आरोपी युवक देश की चुनाव प्रणाली से नाराज था। रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी ने 2022 में सरकार पर यह आरोप लगाया था कि सरकार ने उसे ऊपरी सदन का चुनाव लड़ने से रोक दिया था। उसने कोबे क्षेत्रीय न्यायालय में मुकदमा दायर किया था।

खनिज के बदले यूक्रेन की जंग में मदद करेगा अमेरिका

ट्रम्प बोले- यूक्रेन के पास बढ़िया खनिज आईटी और मिलिट्री इंडस्ट्री में इनकी डिमांड

वॉशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन से जंग में मदद जारी रखने के बदले रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ मृदा संसाधन) को लेकर समझौता करने की बात कही है। सोमवार को ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में मीडिया से कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को अपने यूरोपीय सहयोगियों के मुकाबले ज्यादा सैन्य और आर्थिक सहायता भेजी है। ट्रम्प ने कहा- हम यूक्रेन के साथ एक ऐसा समझौता करना चाहते हैं कि जिसके तहत वो अपने रेयर अर्थ मटेरियल और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों की सुरक्षा करेगा। रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग आईटी इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीकी ऑयल रिफाइनरी में और कई अन्य इंडस्ट्रीज में होता है।

इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि यूक्रेन में संघर्ष को खत्म करने के लिए चर्चा जारी है। हम जल्द ही जंग खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा- हमने रूस और यूक्रेन के मामले में काफी प्रगति की है। हम देखेंगे कि क्या होता है। हम उस बेतुकी जंग को रोकने जा रहे हैं।

जंग शुरू होने के बाद से अमेरिका यूक्रेन को करीब 63 अरब डॉलर (5.45 लाख करोड़ रुपए) की मदद दे चुका है। ट्रम्प अपने इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी एक दिन में यूक्रेन वॉर खत्म कराने की बात कह चुके हैं। हालांकि उन्होंने इसके बारे में कोई डिटेल नहीं दी थी। वहीं यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उनके देश को शामिल किए बिना अमेरिका और रूस के बीच कोई भी वार्ता स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके (ट्रम्प और पुतिन) अपने संबंध हो सकते हैं, लेकिन हमारे बिना यूक्रेन के बारे में बात करना सभी के लिए खतरनाक है। डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद से उनसे अरबपति सहयोगी इलॉन मस्क लगातार चर्चा में बने हुए हैं। विपक्षी पार्टी का आरोप है कि राष्ट्रपति भले ही ट्रम्प बने हैं लेकर असली ताकत मस्क के हाथों में गई है।

कलश यात्रा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा

सांसद ढुलू महतो बने मुख्य यजमान, श्री श्री रविशंकर से लेकर पवन सिंह भी होंगे शामिल

धनबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद के बाघमारा स्थित चिटाही धाम में मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ 9 दिवसीय श्री राम महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। दामोदर नदी से निकली भव्य कलश शोभा यात्रा में विभिन्न झांकियां, हाथी-घोड़े और विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य का प्रदर्शन किया गया। कलश यात्रा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

इस 9 दिवसीय समारोह में 6 फरवरी को श्री श्री रविशंकर का प्रवचन और भजन गायिका स्वाति मिश्रा का भगवती जागरण होगा। तो वहीं 8 फरवरी को प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास कवि सम्मेलन में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए 9 फरवरी को भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह भजन संध्या प्रस्तुत करेंगे। तेलमच्चो स्थित दामोदर नदी तट से कलश यात्रा शुरू हुई। जिले के 51 हजार श्रद्धालु कलश लेकर तेलमच्चो घाट पहुंचे। वहां से कलश में जल भरकर पैदल 17 किलोमीटर दूर चिटाही स्थित रामराज मंदिर पहुंचे। इस दौरान 20 हजार से अधिक भक्त ध्वज लेकर कलश यात्रा के साथ चल रहे थे।

गाजा में शांति की कोई गारंटी नहीं

इजरायली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात से पहले ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका दौरे पर वॉशिंगटन पहुंचे हैं। मंगलवार को नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजरें हैं। वहीं नेतन्याहू से मुलाकात से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि गाजा में शांति कायम रहने की कोई गारंटी नहीं है। ट्रंप का बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब नेतन्याहू को भी अपने गठबंधन के दक्षिणपंथी गुटों का भारी दबाव झेलना पड़ रहा है, जो गाजा में युद्धविराम को खत्म करने की मांग कर रहे हैं।

ट्रंप और नेतन्याहू की मुलाकात में इजरायल और सऊदी अरब के संबंध स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हो सकती है। साथ ही बंधक को रिहा कराने के दूसरे चरण के समझौते को भी अंतिम रूप देने पर बात हो सकती है। नेतन्याहू का अमेरिका दौरा ऐसे समय हुआ है, जब इजरायल में उनकी लोकप्रियता लगातार कम हो रही है। नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लग रहे हैं।

हालांकि नेतन्याहू इन आरोपों को सिरे से खारिज कर रहे हैं। ऐसे मौके पर ट्रंप से मुलाकात से नेतन्याहू को उम्मीद है कि उनकी लोकप्रियता में हो रही गिरावट थम सकती है क्योंकि इजरायल में डोनाल्ड ट्रंप को काफी पसंद किया जाता है।

अमेरिका के पश्चिम एशिया मामलों के विशेष प्रतिनिधि ने दूसरे चरण के समझौते की बातचीत शुरू कर दी है, लेकिन इजरायल में कई ऐसे लोग हैं, जो हमास के साथ शांति समझौते के पक्ष में नहीं हैं और उनका मानना है कि हमास के पूरी तरह सफाए तक यह युद्ध नहीं रुकना चाहिए।

विशालकाय एस्टेरॉयड के पृथ्वी से टकराने का अंदेशा

भारत समेत दक्षिण एशिया में मचा सकता है तबाही, ऐक्शन में संयुक्त राष्ट्र

वॉशिंगटन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। धरती की तरफ बढ़ते एक विशाल एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। संयुक्त राष्ट्र के खगोलविद इस क्षुद्रग्रह पर नजर रख रहे हैं, जिसके पृथ्वी से टकराने का अंदेशा जताया गया है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने कहा है कि एस्टेरॉयड के 22 दिसंबर 2032 को पृथ्वी के पास सुरक्षित रूप से गुजरने की 99 फीसदी संभावना है लेकिन बाकी एक फीसदी टकराव की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है। ऐसा कोई भी टकराव एक बड़ी तबाही का सबब बन सकता है। इस तबाही की जद में दक्षिण एशिया के देश (भारत-पाकिस्तान और आसपास के मुल्क) भी आ सकते हैं।

इस क्षुद्रग्रह का नाम 2024 वाईआर4 है, जिसका आकार 40 से 90 मीटर के बीच है। ईएसए का कहना है कि इसके सुरक्षित रूप से पृथ्वी से टकराव की संभावना 1.3 फीसदी आंकी गई है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र की ग्रह रक्षा संस्थाएं एक क्षुद्रग्रह की बारीकी से निगरानी कर रही हैं। खगोलविद फिलहाल क्षुद्रग्रह के आकार और गति की गणना कर रहे हैं। इसे टोरिनो इम्पैक्ट हैजर्ड स्केल पर 3 का दर्जा दिया गया है।

एक्सपर्ट का कहना है कि यह एस्टेरॉयड अगर पृथ्वी से टकराता है तो इसमें परमाणु बम जितनी तबाही मचाने की शक्ति होगी। यह किसी आबादी वाले इलाके में गिरता है तो इससे गंभीर नुकसान होगा। हालांकि यह अधिक संभावना है कि वाईआर4 समुद्र या धरती के किसी दूरस्थ भाग में गिरेगा। इस समय यह पृथ्वी से बहुत दूर है। अभी ये तय करना मुश्किल है कि टकराव की स्थिति में इससे क्या प्रभाव होगा।

रविन्द्र सिंह भाटी और मदन दिलावर सहित 21 पर केस, कब होगा फैसला?

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की 16वीं विधानसभा में 200 में से 21 विधायकों के खिलाफ 24 केस दर्ज हैं। इनमें से कुछ विधायकों को दोषी साबित होने पर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट सांसद-विधायक के खिलाफ दर्ज केस में एक साल में फैसला करने का आदेश दे चुका, लेकिन हकीकत यह है कि एक विधायक के खिलाफ केस 2007 से लंबित है। इसके अलावा कुछ मंत्री-विधायकों के खिलाफ एक से अधिक केस दर्ज हैं।

सांसदों-विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों की जारी सूची

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाईकोर्ट, पूर्व व मौजूदा सांसद-विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक प्रकरणों की मॉनिटरिंग कर रहा है। हाईकोर्ट ने हाल ही पूर्व व मौजूदा सांसदों-विधायकों के खिलाफ दर्ज इन मामलों की सूची जारी की है।

सामने आया कि कुछ मामलों में आरोपी कोर्ट नहीं पहुंच रहा तो कुछ में अभियोजन पक्ष गवाहों को पेश नहीं कर पा रहा।

एक मामले में विधायक ने राजीनामा हो जाने की जानकारी दी, लेकिन गवाह नहीं आने के कारण उसे बुलाने के लिए अब गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

सुनवाई नहीं टालनी चाहिए

कोर्ट को इस तरह के मामलों में आसानी से सुनवाई नहीं टालनी चाहिए। सभी कोर्ट इन मामलों को प्राथमिकता से लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अक्षरशः पालना करें।

8 से 18 फरवरी तक नहीं होगी कार्यवाही

बहस के लिए दलों को समय आवंटित

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्यपाल अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के लिए सभी दलों को आवंटित समय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव पर 16 घंटे बहस होगी।

नहीं चलेगी विधानसभा की कार्यवाही

बजट सत्र का पहला चरण सात फरवरी तक होगा, इसके बाद 19 फरवरी को बजट पेश होने के साथ दूसरा चरण शुरू होगा। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने बताया कि मंगलवार और

8 से 18 फरवरी तक विधानसभा की कार्यवाही नहीं होगी।

19 फरवरी को बजट पेश होगा

सात फरवरी को धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब दिया जाएगा, वहीं 19 फरवरी को बजट पेश होगा।

बहस के लिए पार्टियों को मिला कितना समय

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि राज्यपाल अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के लिए भाजपा को 9 घंटे 31 मिनट, कांग्रेस को 5 घंटे 16 मिनट, भारतीय आदिवासी पार्टी को 19 मिनट, बहुजन समाज पार्टी को 10 मिनट व निर्दलीय सदस्यों को 39 मिनट का समय मिलेगा।

'म्हारी तो सरकार ही पर्ची से चाले'

अपनी सरकार के लिए बोले कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पर्ची सरकार का सियासी जुमला अब तक कांग्रेस ही इस्तेमाल करती नजर आती थी, लेकिन अब सरकार के मंत्री ही इस मुद्दे को लेकर बयान देने लगे हैं। सरकार के कैबिनेट मंत्री मंत्री गहलोत का सोशल मीडिया पर एक वीडियो बड़ी तेजी के साथ वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते दिखाई दे रहे हैं कि 'म्हारी तो सरकार पर्ची से चाले'।

अविनाश गहलोत का यह बयान सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। अब कांग्रेस इस वीडियो को शेयर कर बीजेपी को निशाने पर ले रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अविनाश गहलोत के इस बयान को अपने सोशल मीडिया हैंडल ट्वीटर पर साझा कर लिखा है...अब तो खुद सरकार के मंत्री कह रहे हैं... कि भाजपा सरकार पर्ची से चलती है।

दरअसल अविनाश गहलोत अपनी विधानसभा जैतारण के एक लाम्बिया गांव में एक कार्यक्रम में बोले थे। गहलोत बसंत पंचमी के मौके पर जैतारण विधानसभा के लाम्बिया गांव में जयमल जी जैन राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

अविनाश गहलोत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने मंच पर आकर मंत्री अविनाश गहलोत को एक पर्ची थमा दी। पर्ची देखते हुए गहलोत बोले, 'पर्ची लाए हो, म्हारी तो सरकार ही पर्ची से चाले।'

पहले बयान फिर सफाई

ये बयान वायरल होते ही मंत्री सवालों के घेरे में आ गए तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि बसंत पंचमी पर मैं अपने क्षेत्र में जनता के बीच पहुंचा। मैं ज्यादातर हंसी मजाक में बात करके काम करने का प्रयास करता हूं। एक सामाजिक रूप से बातचीत करने का तरीका जो आम अमूमन हमारे क्षेत्र में होता है। उसको किसी तरीके से गलत नहीं बताया जाना चाहिए।

सरेआम फायरिंग, बैग लूटने आए बदमाशों ने राहगीरों पर चलाई गोली, एक घायल

अलवर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर में सरे बाजार फायरिंग का मामला सामने आया। फायरिंग में एक युवक जख्मी भी हो गया। मामला अलवर के एनईबी थाना क्षेत्र में अग्रसेन सर्किल के पास सिटी हॉस्पिटल के सामने रात नौ बजे का है। जानकारी के अनुसार अपनी मामी के साथ बाजार में शॉपिंग करने आई युवती से तीन युवकों ने बैग छीनने की कोशिश की। इस दौरान वहां मौजूद राहगीरों ने उसे बचाने की कोशिश की तो बदमाशों ने फायर कर दिया और भाग निकले। फायरिंग में एक राहगीर को छर्रे लग गए। इसके बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कुछ ही मिनट बाद में पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही

एनईबी थाना एसएचओ दिनेश चंद ने बताया कि फायरिंग की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों से मामले की जानकारी ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं, ताकि बदमाशों को पकड़ा जा सके।

मामी के साथ बाजार आई थी युवती

अलवर के दया नगर निवासी युवती दीपांशी छाबड़ा ने बताया कि वह अपनी मामी के साथ बाजार आई थी। इस दौरान शॉपिंग कर बाजार से लौट रहे थे। तब सिटी हॉस्पिटल के पास उनका बैग गिर गया था। जैसे ही बैग उठाने के लिए मामी आई तो बाइक पर आए तीन लड़कों ने पिस्तौल दिखाकर बैग लूटने की कोशिश की। तभी आसपास मौजूद दो युवक हमें बचाने दौड़े। यह देखकर युवक फायरिंग कर भाग गए। इसके बाद काफी लोगों की भीड़ जुट गई। कुछ ही देर में पुलिस भी आ गई थी।

पीछे दौड़े तो फायर किया

प्रत्यक्षदर्शी लल्लू खान और सकून मास्टर ने बताया कि तीन युवक बाइक पर आए थे। जिन्होंने महिलाओं को कट्टा दिखा बैग ले जाने की कोशिश की। छीनाझपटी कर रहे थे। हम उस ओर दौड़े लेकिन, युवक फायरिंग कर भाग निकले। इसी दौरान छर्रे मुझे भी लग गए।

कैलाश वर्मा ने कसा तंज : गमछा हिलाने से चुनाव नहीं जीता जाता, तो डोटासरा ने किया पलटवार

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस शुरू हो गई। सत्तापक्ष की ओर कैलाश वर्मा ने बहस की शुरूआत करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर हमला बोला और कहा कि पूरे पांच साल प्रदेश में जंगलराज रहा। कुर्सी की लड़ाई में सर्कस चलता रहा।

उधर, विपक्ष की ओर से गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि ईआरसीपी और यमुना जल समझौते को लेकर वाहवाही लूटने के लिए सरकारी पैसा खर्च कर प्रचार के लिए होर्डिंग्स लगाए जा रहे हैं, लेकिन जमीन पर एक रुपए का काम नहीं हुआ। केंद्र के दो बजट आ गए, पर ईआरसीपी को एक धेला नहीं दिया। अभिभाषण पर अंतिम दिन सात को मुख्यमंत्री बहस का जवाब देंगे।

भाजपा के कैलाश वर्मा ने कहा कि अपराधों में कमी आई है। ईआरसीपी और यमुना जल को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय हुए हैं। पिछली कांग्रेस सरकार में तो कुर्सी की लड़ाई में जिलों की बंदरबांट कर दी गई। 17 बार पेपरलीक हुए। उप चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष का मोरिया बोल गया। डोटासरा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि गमछा हिलाने से चुनाव नहीं जीता जाता। भाजपा के गुरवीर सिंह ने कहा कि सरकार के पहले ही कार्यकाल में शानदार समिट हुई है। पिछली कांग्रेस सरकार ने ईआरसीपी को लटकाए रखा। जेजेएम में घोटाले हुए। डीजल-पेट्रोल के दाम कम कर राहत दी गई है।

डोटासरा ने कहा कि मध्य प्रदेश के साथ ईआरसीपी का क्या समझौता हुआ, यह जनता जानना चाहती है। नवनेरा बांध को लेकर उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस सरकार की देन है।

मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे भामाशाह बनकर घूम रहे हैं, लेकिन चार माह बीत गए... यमुना जल समझौते की डीपीआर तक नहीं बनी।

डोटासरा ने कहा कि किरोड़ी वाला मामले का तो हल करना पड़ेगा। वो मेरे तो साढू हैं, लेकिन किरोड़ी ने दौसा में मुख्यमंत्री को तो भाई बताया था, लेकिन भाई ने छुरा घोंप दिया।

मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच हुआ जमकर पथराव

गोलियां चलीं, झगड़े में 7 घायल, छह हिरासत में

भरतपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के डीग जिले के गांव इकलेरा में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। झगड़े में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर पथराव और फायरिंग की, जिसमें सात लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डीग पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रैफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने और फायरिंग करने के आरोप लगाए हैं।

एक पक्ष के केहरी सिंह ने बताया कि एक सप्ताह पहले भोगल सिंह पक्ष के युवक ने प्लास्टिक का पाइप चोरी कर लिया था। जब उससे पाइप लौटाने को कहा गया, तो विवाद बढ़ गया और भोगल सिंह के 40 लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान छतों से पथराव और फायरिंग की गई, जिसमें उनके पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं भोगल सिंह का कहना है कि वह अपने घर में बैठा था, तभी केहरी सिंह पक्ष के 15 लोगों ने उस पर हमला कर दिया। भोगल सिंह ने भी केहरी सिंह पर फायरिंग और पथराव का आरोप लगाया है, जिसमें उनके पक्ष के चार लोग घायल हुए हैं।

इस झगड़े का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भोगल सिंह पक्ष के लोग हाथों में हथियार लहराते और फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। घटना के बाद पुलिस ने गांव में तलाशी अभियान चलाया और शांति भंग के आरोप में छह लोगों को हिरासत में लिया।

गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीग, सदर और खोह थाना पुलिस के साथ क्यूआरटी व डीएसटी टीम गांव में तैनात है। हालांकि अब तक दोनों पक्षों की ओर से कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सीएम बोले- पैसा तो उड़ रहा, पकड़ने वाला चाहिए

आप कुछ बन जाओ, सरपंच से बड़ा कोई नहीं; मुझे मेरे पुराने दिन याद आ गए

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल शर्मा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा है कि हमने राजस्थान के लिए रोडमैप बनाया है, हमारे किसान को पानी मिले। जब वो कहते थे कि हम आलू से सोना बनाएंगे, मैंने कहा वो मशीन तो मेरे पास नहीं है। इतना जरूर है कि राजस्थान के किसान को खेत के लिए पानी मिल गया तो यह धरती मां जरूर सोना उगलेगी। सीएम भजनलाल शर्मा जयपुर के मानसरोवर स्थित शिप्रा पथ ग्राउंड में सरपंच संघ के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। हमने इसीलिए ईआरसीपी, यमुना जल योजना, आईजीएनपी से पानी पहुंचाने की योजना पर काम शुरू किया। ईआरसीपी की योजना को हमने मूर्त रूप दिया। प्रधानमंत्री ने 17 दिसंबर को इसका उद्घाटन किया था। पहली समस्या पानी की थी, उसको सुलझाने का काम किया।

सीएम ने कहा- हमारे विरोधियों से कहता हूं, जो कहा है वो करके दिखाएंगे। आपकी तरह हम नहीं करेंगे। कहते कुछ और करते कुछ हैं। हमने एक लाख नौकरी देने की घोषणा की थी। हम 60 हजार नियुक्ति पत्र दे चुके। 15000 को और दे देंगे तो 75 हजार हो जाएंगे। जुलाई में हमारा बजट आया था। हमने कहा था हम पूरी एक लाख नौकरी देंगे। 81000 वैकेंसी हर क्षेत्र में निकली है। कांग्रेस ने किसान सम्मान निधि में नाम जुड़वाने के लिए किसानों के केंद्र को नाम तक नहीं भेजे थे। इसमें उनका क्या जा रहा था। कांग्रेस राज में किसान परेशान रहे। तुम्हें क्या दिक्कत आ रही थी। अगर नाम जोड़ देते तो किसानों को किसान सम्मान निधि मिल जाती। हमारी सरकार ने आते ही 7.50 लाख किसानों के नाम जोड़कर किसान सम्मान निधि दिलवाई। पहले मैं सरपंच था तो सोचता था विकास की डोर क्या है? चाहे वो दिल्ली से आया हो या जयपुर से आया हो। विकास की डोर तो आप ही हो। आप लोगों से मिलकर मुझे पुराने दिन याद आ गए हैं। उस समय जैसा वातावरण था। जैसा मन था, मैंने किया, लेकिन और भी बहुत कुछ करता। इसे लेकर मेरे ही अंदर हिलोरे आते थे। कभी-कभी मेरे मन में एक बात आती है। आप कुछ भी बन जाओ, लेकिन सरपंच से बड़ा कोई नहीं है। आज भी जब मैं गांव जाता हूं। लोग मेरे को कहते हैं, सरपंच भैया मेरी बात सुन। यह बात आपको जिंदगी भर के लिए मिलेगी।

अनिता चौधरी हत्याकांड की सीबीआई करेगी जांच

जोधपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर शहर के बहुचर्चित ब्यूटीशियन अनिता चौधरी हत्याकांड में राज्य सरकार की सिफारिश के 67 दिन बाद सीबीआइ ने एफआइआर दर्ज कर ली है। इस मामले में सरदारपुरा थाना पुलिस ने पांच दिन पहले ही दंपती के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया है। सीबीआइ एससी- प्रथम नई दिल्ली ने अनिता पत्नी मनमोहन चौधरी की हत्या के मामले में गंगाणा निवासी गुलामुद्दीन फारूखी, व्यवसायी तैयब अंसारी और सुनीता के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। पुलिस उपाधीक्षक प्रणबदास को जांच सौंपी गई है। परिजन के बीस दिन तक शव नहीं उठाने पर राज्य सरकार ने सीबीआइ जांच का भरोसा दिलाया था। राज्य सरकार ने 29 नवंबर को मामले की जांच के लिए केन्द्र सरकार को सीबीआइ जांच की सिफारिश की थी। जोधपुर के सरदारपुरा बी रोड निवासी अनिता चौधरी 27 अक्टूबर को सरदारपुरा बी रोड पर अपनी ब्यूटी पार्लर की दुकान से गंगाणा में गुलामुद्दीन के घर गई थी। जहां स्लाइस में नशीली गोलियां खिलाकर गुलामुद्दीन ने उसे बेहोश कर दिया था। सोने के जेवर लूटकर अनिता की हत्या कर दी थी। फिर शव के छह टुकड़े करके मकान के बाहर गड्ढा खोदकर गाड़ दिया था। 30 अक्टूबर को महिला का शव मिला था। 31 अक्टूबर को पति मनमोहन ने सरदारपुरा थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने दो नवंबर को आबिदा परवीन को गिरफ्तार किया। फिर पति गुलामुद्दीन फारूखी को मुंबई से पकड़ कर 8 नवबर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पति-पत्नी को आरोपी मानकर 30 जनवरी को कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है। तैयब अंसारी और अन्य की भूमिका की जांच लंबित रखी गई है। इनके मोबाइल की एफएसएल जांच के आधार पर भूमिका स्पष्ट होगी। सीबीआइ ने 31 नवबर को पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर के सरदारपुरा थाने में दर्ज हत्याकांड की एफआइआर के क्रम में यह एफआइआर दर्ज की है। उस एफआइआर में गुलामुद्दीन फारूखी, उसकी पत्नी आबिदा और व्यवसायी तैयब अंसारी को नामजद आरोपी बनाया गया था, लेकिन सीबीआइ की एफआइआर में गुलामुद्दीन की पत्नी की जगह सुनीता को आरोपी बनाया गया है।

'बहन-बेटियों को गिरवी रखने को मजबूर आदिवासी'

लोकसभा में सांसद रोत की झलकी पीड़ा; बच्चों की बिक्री का उठाया मुद्दा

बांसवाड़ा, 4 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण राजस्थान के आदिवासी बहुल इलाकों में गरीबी और विकास की कमी के कारण नवजात शिशुओं और बच्चों की बिक्री जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। यह गंभीर मुद्दा सोमवार को डूंगरपुर-बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत ने लोकसभा में उठाया। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि देश में आदिवासियों की स्थिति बेहद चिंताजनक है और वे आज भी शोषण व अत्याचार का सामना कर रहे हैं।

लोकसभा में सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि भारत की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला हैं, लेकिन इसके बावजूद आदिवासी समाज की स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में अगर कोई सबसे ज्यादा पीड़ित और शोषित है, तो वह आदिवासी

समुदाय और उनकी महिलाएं हैं। मणिपुर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

'बहन-बेटियों को गिरवी रख रहे हैं आदिवासी'

सांसद रोत ने लोकसभा में दक्षिणी राजस्थान में आदिवासियों की गंभीर हालत का जिक्र करते हुए कहा कि समुदाय के लोग कभी अपनी ज़मीन और जेवर गिरवी रखते थे, लेकिन अब भुखमरी और कर्ज के कारण अपनी बहन-बेटियों और बच्चों को गिरवी रखने तक मजबूर हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में डबल इंजन की सरकार है, लेकिन इसके बावजूद आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जहां मजबूरी में आदिवासी परिवार अपने बच्चों को बेच रहे हैं।

पुलिस जांच में भी हो चुका है खुलासा

बताते चलें कि जनवरी 2023 में उदयपुर की सवीना पुलिस ने नवजात शिशु बिक्री रैकेट का भंडाफोड़ किया था। इस मामले में पुलिस ने राजकुमारी नामक एक महिला को सात महीने के बच्चे के साथ गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि राजकुमारी उदयपुर के एक आईवीएफ सेंटर में काम करती थी और उसने महज 70,000 रुपये में झाड़ोल ब्लॉक के एक दंपती से बच्चा खरीदा था। महिला ने कबूल किया कि वह इस बच्चे को दिल्ली में 2 लाख रुपये में बेचने की योजना बना रही थी।

सरकार ने विधानसभा में भी किया था स्वीकार

गौरतलब है कि इस मुद्दे को पिछले साल जुलाई में डूंगरपुर से कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा ने भी राजस्थान विधानसभा में उठाया था। उन्होंने सवाल किया था कि माएं अपने बच्चों को बेचने के लिए क्यों मजबूर हो रही हैं? इसके जवाब में सरकार ने स्वीकार किया था कि 2023-2024 के बीच दक्षिणी राजस्थान में बच्चों की बिक्री के सात मामले सामने आए हैं।

रवाहे को लेपर्ड ने जांघ से पकड़ा, दांत गड़ाए

बचाने आए 3 युवकों पर भी कूदा, पहाड़ियों के बीच जा छिपा; तलाश में जुटा वन-विभाग

अजमेर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पहाड़ियों के बीच छिपे लेपर्ड ने जंगल में चर रही बकरियों पर हमला कर दिया। बकरियों की आवाज सुनकर 10 फीट दूर बैठा चरवाहा उन्हें बचाने दौड़ा तो लेपर्ड ने उसे पैरों से पकड़ लिया। उसकी जांघ पर दांत गड़ा दिए। शोर सुनकर ग्रामीण उसे बचाने आए तो लेपर्ड ने उन पर भी छलांग लगा दी और हमला कर दिया। इसके बाद लेपर्ड पहाड़ियों के बीच बनी दरार में छिपकर बैठ गया। लेपर्ड के हमले की इस घटना में 4 युवक घायल हुए हैं। वन-विभाग की टीम लेपर्ड को पकड़ने पहुंची है और पिंजरा लगाया जा रहा है। घटना मंगलवार सुबह 11 बजे करीब ब्यावर जिले के मसूदा थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुरा द्वितीय की है। वनपाल हजारी सिंह मीणा ने बताया कि दोपहर को ग्रामीणों से लेपर्ड के आने की सूचना मिली थी। यहां पहुंचे तो लेपर्ड जा चुका था। अब लेपर्ड को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया जा रहा है। दौलतपुरा गांव के ग्रामीण शेरखान ने बताया- जगदीश पुत्र रणजीत गांव के पास ही बकरियां चरा रहा था। इसके बाद पहाड़ी की तरफ से निकलकर एक लेपर्ड आया और उसकी बकरियों पर हमला कर दिया। पास की ही चट्टान पर बैठे जगदीश ने बकरियों की आवाज सुनी तो लकड़ी लेकर लेपर्ड की तरफ दौड़ा। इतने में लेपर्ड ने पलट कर जगदीश पर हमला कर दिया। लेपर्ड ने उसे पैरों से पकड़ लिया और जांघ पर पीछे की तरफ दांत गड़ा दिए। शेरखान ने बताया- जगदीश के चीखने पर राहुल, बाबू सिंह और नोरत उसे बचाने दौड़े। लेपर्ड ने इन तीनों पर भी हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सरपंच प्रभु सिंह मौके पर पहुंचे और घायलों को रामगढ़ चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चारों घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। सूचना के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है। साथ ही ग्रामीणों को सचेत व सावधान रहने की अपील की है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 56 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस, आरपीएफ ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अचानक जांच की और एक पुरुष आरोपी को गिरफ्तार किया। वह कमीशन के आधार पर सिकंदराबाद के रास्ते महाराष्ट्र के छत्रपुर से पुणे तक सूखा गांजा ले जा रहा था। इस मामले में मुख्य आरोपी मनोरंजन दास, निवासी पुणे, महाराष्ट्र फरार है। जबकि लक्ष्मण संभाजी मोगल, निवासी वारकुटे गांव, करमाला तालुक, पुणे जिला, महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया। आरोपी लक्ष्मण संभाजी मोगल ने वर्ष 2006 में ट्रेन दुर्घटना में अपना बायां हाथ खो दिया था। जिसके कारण वह अन्य नौकरी नहीं कर सका और कम मजदूरी पर अपने गांव में ही कृषि मजदूर के रूप में काम करता रहा। इसलिए, उसने किसी भी तरह से आसानी से पैसा कमाने का फैसला किया। कुछ दिनों पहले, उसे पता चला कि वह ओडिशा से महाराष्ट्र तक ट्रेन से गांजा ले जाकर अधिक पैसा कमा सकता है।

तुरंत, उसने एक अज्ञात व्यक्ति से मनोरंजन दास का मोबाइल नंबर प्राप्त किया। बाद में, उसने कॉल किया और फिर मनोरंजन दास छत्रपुर, ओडिशा से पुणे तक गांजा पहुंचाने पर प्रति ट्रिप 5 हजार रुपये देने का वादा किया। पिछले महीने लक्ष्मण ने तीन बार गांजा पहुंचाया और उसे प्रत्येक ट्रिप के लिए 5000 रुपये का भुगतान किया गया। तदनुसार बीते दो फरवरी को लक्ष्मण छत्रपुर रेलवे स्टेशन गया और कोणार्क एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में बैठ गया। वहां, एक अज्ञात व्यक्ति गांजा से भरे तीन बैग लाया और उन्हें उसकी सीट के नीचे रख दिया। इसके अलावा, उसने उन बैगों के साथ पुणे की अपनी यात्रा शुरू की। इस दौरान 3 फरवरी को ट्रेन सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लाजा नंबर 10 पर पहुंची। इसी दौरान लक्ष्मण के कब्जे से 14,07,125 रुपये मूल्य का (56.285 किलोग्राम) गांजा और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

करमनघाट श्री आईमाता मंदिर का आठवां वार्षिकोत्सव 7 को

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट स्थित अलमासगुड़ा सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री आईमाताजी मंदिर के दो दिवसीय आठवां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह 6 फरवरी जागरण व 7 फरवरी प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर ध्वजा रोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में आठवां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह आयोजित किया जाएगा। 6 फरवरी श्री आईमाता मंदिर, श्री शीतलामाता मंदिर, श्री सोनाणा खेतलाजी व श्री बाबा रामदेवजी मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर, माई का श्रृंगारकर रात्रि 8.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। माघ सुदी दसम 7 फरवरी को प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर प्रात: 8.15 बजे पूर्व सचिव हिरालाल सैणचा गांधीनगर बडंगपेट के निवास स्थान से गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए ध्वजा व ज्योत श्री आईमाता मंदिर लाई जाएगी।

पुजारी अम्बारामजी सोलंकी द्वारा पुजा-अर्चना व महाआरती के पश्चात् पधारे समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण मे रहेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समाज के पदाधिकारी व समाज बन्धु पदाधिकारी, सदस्यगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया कि सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

एनुमामुला बाजार में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल के एनुमामुला बाजार में व्यापारियों ने सरकार से मांग की कि वे बाजार की दैनिक गतिविधियों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएं।

अधिकारियों की ओर से समय पर प्रतिक्रिया न मिलने के कारण यार्ड में एक व्यापारी की मौत के बाद यह विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। हमाली और अन्य श्रमिक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जिससे 3 घंटे तक व्यापारिक गतिविधियां ठप रहीं। व्यापारियों ने धमकी दी कि अगर अधिकारी बाजार के बुनियादी ढांचे के बारे में उनकी चिंताओं का समाधान करने में विफल रहे तो वे हड़ताल को और तेज कर देंगे।

एमएलसी सत्यवती राठौड़ पार्टी सचेतक नियुक्त

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और विपक्ष के नेता के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को पूर्व मंत्री और एमएलसी सत्यवती राठौड़ को तेलंगाना राज्य विधान परिषद में पार्टी सचेतक नियुक्त किया। इसी तरह कुतबुल्लापुर के विधायक केपी विवेकानंद को विधानसभा में बीआरएस सचेतक नियुक्त किया गया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटी रामाराव के नेतृत्व में बीआरएस विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में स्पीकर गड्डाम प्रसाद कुमार को एक ज्ञापन सौंपा।

स्थानीय शराब प्रतिष्ठानों पर छापेमारी

सिरपुर कागजनगर/आसिफाबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतालमनेपल्ली मंडल के लम्बाडीहट्टी, रानावेल्ली, डिमडा और गुडेम गांवों में छापे मारे गए और (20) लीटर नटुसराय और (40) 90 मिलीलीटर देसीदार की बोतलें जब्त कर तीन मामले दर्ज किए गए। इसके प्रतिकूल प्रभावों पर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। नशीले पदार्थों, मारिजुआना और मादक द्रव्यों के प्रभाव पर कागजनगर आबकारी सीआई, वी. रवि ने कहा कि पांच अपराधियों को चिंतलमनेपल्ली तहसीलदार मुनव्वर शरीफ के समक्ष पेश किया गया। इन छापों में आदिलाबाद आबकारी प्रवर्तन सीआई अकबर हुसैन, एसएसआई आई. सुरेश, पी. राजेश्वर आदि कर्मचारियों का योगदान रहा।

सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण-2024 रिपोर्ट

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा ने राज्य में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण (व्यापक घरेलू सर्वेक्षण) आयोजित करने के मुख्य उद्देश्य से 4 फरवरी, 2024 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसरण में, 16 फरवरी 2024 को निम्नानुसार संकल्प लिया है। यह सदन सर्वसम्मति से संकल्प लेता है कि पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य कमजोर वर्गों के लोगों के उत्थान के लिए विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक अवसर योजनाओं को तैयार करने और लागू करने के लिए तेलंगाना राज्य मंत्रिमंडल की दिनांक 4 फरवरी को सिफारिश के अनुसार पूरे तेलंगाना राज्य में एक व्यापक घरेलू सर्वेक्षण (सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण (जाति जनगणना)) आयोजित किया जाए। राज्य सरकार ने सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद अनुसूचित जातियों और अन्य कमजोर वर्गों के लिए विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक अवसरों के लिए एक योजना तैयार करने और उसे लागू करने का निर्णय लिया और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण करने के लिए दिनांक 10 नवंबर को एक जीओ एम.एस. संख्या 18 जारी किया। सरकार ने 19 अक्टूबर 6 122/कैबिनेट/ए2/2024 2 के तहत सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण के संचालन की निगरानी के लिए सिंचाई और सीएडी मंत्री, खाद्य और नागरिक आपूर्ति श्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। सर्वेक्षण के संचालन के लिए योजना विभाग को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। सर्वेक्षण प्रक्रियाओं को समझने और सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने के लिए कर्नाटक और बिहार जैसे अन्य राज्यों में किए गए विभिन्न सर्वेक्षणों का गहन अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के परिणामों को वर्तमान एसईईईपीसी सर्वेक्षण नीति निर्माण में शामिल किया गया है। सर्वेक्षण अनुसूचियां विभिन्न नागरिक समाज संगठनों, सामाजिक वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों और अन्य हितधारकों के विचारों को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। क) मकान सूचीकरण अनुसूची, ख) सर्वेक्षण अनुसूची, ग) गणनाकर्ताओं के लिए दिशा-निर्देश दिए गए थे। सर्वेक्षण प्रपत्र में कुल 57 प्रश्न थे, तथा अतिरिक्त उप-प्रश्नों सहित कुल 75 क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत पहलुओं से संबंधित जानकारी एकत्रित की गई। सर्वेक्षण पद्धति और योजना : राज्य के प्रत्येक जिले को 150 घरों के एक गणना ब्लॉक (ईबी) में विभाजित किया गया है। इस प्रकार, 94,261 गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। प्रत्येक गणना ब्लॉक के लिए एक गणनाकर्ता नियुक्त किया गया है और प्रत्येक 10 गणनाकर्ताओं की देखरेख के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस प्रकार, पूरे राज्य में 1,03,889 गणनाकर्ता और पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए। क्षेत्र स्तर पर सर्वेक्षण : सामाजिक, आर्थिक, रोजगार, शैक्षिक, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण 6 नवंबर 2024 को घर-सूचीकरण के साथ शुरू हुआ। पहले चरण में, 6 नवंबर से 8 नवंबर 2024 तक 3 दिनों के लिए घर-सूचीकरण किया गया था। वास्तविक सर्वेक्षण 9 नवंबर 2024 से तेलंगाना के राज्यपाल के डेटा एकत्र करके शुरू हुआ। राज्य में सर्वेक्षण 6 नवंबर को शुरू हुआ और 25 दिसंबर (50 दिन) को पूरा हुआ। सर्वेक्षण के अंत में, सर्वेक्षण किए गए घरों की कुल संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 66,99,602 और शहरी क्षेत्रों में 45,15,532 थी। सर्वेक्षण किए गए घरों की कुल संख्या 1,12,15,134 थी। कुल 1,15,71,457 घरों में से 1,12,15,134 घरों की सूची बनाई गई। यह 96.97 सर्वेक्षण कवरेज को दर्शाता है। अन्य कारणों से सर्वेक्षण न किए गए घरों की कुल संख्या 3,56,323 थी। सर्वेक्षण न किए गए अधिकांश घर जीएचएमसी और अन्य शहरी क्षेत्रों में स्थित थे। डेटा प्रविष्टि: डेटा प्रविष्टि 20 नवंबर को शुरू हुई और 25 दिसंबर को पूरी हुई।

सामाजिक समूह के अनुसार लोगों की संख्या इस प्रकार है।

अनुसूचित जाति की जनसंख्या- 61,84,319 जो राज्य की कुल जनसंख्या का 17.43 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजाति- 37,05,929 जो 10.45 प्रतिशत है। पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम अल्पसंख्यक को छोड़कर)- 1,64,09,179 जो कुल जनसंख्या का 46.25 प्रतिशत है। मुस्लिम अल्पसंख्यक- 44,57,012 जो 12.56 प्रतिशत है। मुस्लिम अल्पसंख्यकों में पिछड़ा वर्ग- 35,76,588। (यह 10.08 प्रतिशत है)। मुस्लिम अल्पसंख्यकों में ओ.सी.- 8,80,424 जो कि 2.48 प्रतिशत है। ओ.सी.- 56,01,539 (कुल जनसंख्या का 15.79 प्रतिशत) ओ.सी. (मुस्लिम अल्पसंख्यकों को छोड़कर) 47,21,115, जो कि 13.31 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि इस सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग सरकार द्वारा राज्य के अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और अन्य कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए नीतियां बनाने के लिए किया जाएगा। यह कदम समान विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और तेलंगाना के लोगों की विविध आवश्यकताओं को संबोधित करने का एक तरीका दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह डेटा, अखंडता और पारदर्शिता पर आधारित शासन के एक नए चरण की शुरूआत है।

श्री बालेश्वर स्वामी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

न्यायाधीश अनंथलक्ष्मी और एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने विशेष पूजा की

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला मुख्यालय स्थित श्री बालेश्वर स्वामी मंदिर के निकट उत्तरा वाहिनी में मंगलवार को रथ सप्तमी के उपलक्ष्य में भव्य रथ महोत्सव का आयोजन किया गया। बालेश्वर स्वामी मंदिर में पिछले सप्ताह से आध्यात्मिक जागृति का अनुभव हो रहा है। हर दिन विभिन्न पूजा और होम किए गए। इस अवसर पर, श्री शिव और पार्वती के लिए कल्याण महोत्सव का आयोजन किया गया। अंतिम दिन भव्य रथोत्सव समारोह के लिए हजारों भक्त मंदिर में उमड़े। समारोह के दौरान उत्तरवाहिनी नदी के पास एक मेला आयोजित किया गया। विभिन्न गांवों से लोग मेले में आये। पुजारी श्रीधर शर्मा के नेतृत्व में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। न्यायाधीश अनंतलक्ष्मी और उनकी पत्नी ने भगवान का अभिषेक किया। जिला पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव ने भगवान की विशेष पूजा की।

उत्सव के दौरान भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर आयुक्त भुजंगा राव की देखरेख में मेले में सफाई व अन्य व्यवस्थाएं की गईं। एसपी श्रीनिवास राव के आदेशानुसार सीआई रविन्द्र ने एएसपी चित्तरंजन की निगरानी में सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की।

श्री रामदेवरा दरबार, शिवरामपल्ली के वार्षिकोत्सव में उमड़ी भक्तों की भीड़

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्री रामदेवरा दरबार मंदिर, शिवरामपल्ली का वार्षिकोत्सव मनाया गया। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में श्यामसुन्दर गिलडा ने दी।

उन्होंने बताया कि मंदिर को कोलकाता के कारीगरों द्वारा सजाया एवं विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर में प्रातः 5:31 बजे अभिषेक, प्रातः 8:31 बजे श्रृंगार आरती, छप्पन भोग, प्रातः 10:31 बजे ध्वजारोहण, प्रातः 10 बजे से बाबा के वस्त्र भक्तों में प्रसाद स्वरुप वितरित किए गए। सायं 6:01 बजे से भण्डारा, सायं 8 बजे 501 दीपों द्वारा आरती की गई। मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ प्रातः 8 बजे से पूर्ण दिवस एवं रात्रि 2 बजे तक खुला रहा।

रात्रि 8 बजे से भजन जागरण का आयोजन किया गया। गुजरात की भजन गायिका सुश्री आशा वैष्णव एवं राजस्थान के महावीर सांखला ने अपनी सुमधुर वाणी में भजन प्रस्तुति कर वातावरण को रामदेव बाबामय कर दिया। पहली बार बाबा रामदेवजी के रूणीचा धाम से बाबा रामदेवजी के वंशज गादीपति राव भोम सिंह तंवर, महेन्द्र सिंह तंवर, उगम सिंह तंवर विशेष रूप से मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गेहलोत, विधायक प्रकाश गौड़, लोकेश टाक, नागौर, राजू मुथा, दिल्ली, रामवल्लभ भाटी (मामाजी), दामोदरदास विजयवर्गीय, रामस्वरूप पंवार (नागौर), राजेन्द्र पंवार, धर्मेश भाई (मुम्बई), विक्रम ठक्कर (मुम्बई) उपस्थित रहे।

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट की ओर से गादीपति राव भोम सिंह तंवर, महेन्द्र सिंह तंवर, उगम सिंह तंवर का भव्य स्वागत किया गया। मुख्य यजमान भंवरलाल रतनलाल पंवार परिवार के भंवरलाल पंवार, रतनलाल पंवार, जगदीशप्रसाद पंवार, धनराज पंवार तथा चम्पालाल भंवरलाल गेहलोत परिवार के चम्पालाल गेहलोत, भंवरलाल गेहलोत, रामनिवास गेहलोत का भी समिति द्वारा स्वागत किया गया।

मंदिर में धर्मस्व विभाग की एक्जीक्यूटिव आफिसर ए. रमा देवी एवं श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट के श्यामसुन्दर गिलडा, धर्मचन्द भंसाली, कमलकिशोर जाजू, जगदीश अग्रवाल, श्यामसुन्दर परताणी, लक्ष्मण शर्मा एवं मंदिर पुजारीगण सुरेश महाराज, पं. बनवारी, पं. राकेश, पं. निरंजन, पं. कौशलेन्दर, पं. अनिल, पं. जनार्दन, जगन्नाथ, चिरंजीलाल शर्मा, अरविन्द शर्मा एवं पंकज शर्मा की देख-रेख में कार्यक्रम को आयोजित किया गया।

विप्र फाउण्डेशन ज़ोन 16 तेलंगाना द्वारा आगामी रविवार 9 फरवरी 2025, प्रातः 10-01 बजे से जियागुडा स्थित कामधेनु गौशाला में पाँच कुण्डीय गायत्री यज्ञ के प्रचार सामग्री का आज फीलखाना स्थित श्रृंग ऋषि भवन पर लोकार्पण करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास, अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, रामदेव नागला, भरत चाण्डा, संदीप जायलवाल, अर्जुन थानवी, प्रदीप शर्मा खण्डेलवाल, सागर उपाध्याय, जयप्रकाश नागला, श्याम ओझा व अन्य।

गौतम जैन मार्केटिंग सलाहकार नियुक्त

हैदराबाद, फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ए गौतम जैन को तेलंगाना सरकार ने अपने अमूल्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुये उन्हें चौथी बार मार्केटिंग सलाहकार कमिटी बोवेनपल्ली का सरकारी सलाहकार सदस्य नियुक्त किया गया है।

गौतम जैन जो लगातार गत 44 वर्षों से सिकंदराबाद अनाज व्यापारी संघ के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। श्री जैन ने व्यापारी समाज के लिये बोवेनपल्ली मार्केट में 24 एकड़ की सरकारी जमीन व्यापारी भाइयों को दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस के परिणम स्वरूप मार्केट कायम होने की उपलब्धि उनके नाम ही है।

गौतम जैन ने अल्पसंख्सक आयोग के सदस्य के साथ महत्वपूर्ण सरकारी एवं राज्य सरकार के कई सरकारी सलाहकार सदस्य के रूप में सेवाएं दी है। 6 बार रेलवे के सलाहकार समिति में भी मनोनीत हो चुके हैं।

द्रव्यगुण एवं मौलिक सिद्धांत विभागों में पी.एच.डी. (आयुर्वेद) कार्यक्रम हेतु राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के डॉ. देवेंद्र सिंह चाहर, प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर के नेतृत्व में एक टीम ने सीसीआरएएस- राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरान डॉ.जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी।

छात्रों की सुविधा के लिए पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हो : दीपक तिवारी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने बताया कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिले के वानकीडी मंडल केंद्र स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए मंगलवार को तहसीलदार रियाज अली ने मंडल परिषद विकास अधिकारी प्रवीण कुमार और मंडल शिक्षा अधिकारी शिव चरण कुमार के साथ विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। इस जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि सरकार सभी सरकारी स्कूलों और कल्याण छात्रावासों में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षण प्रदान करने के लिए कदम उठाएगी। बाद में, उन्होंने इंदनी गांव में जिला परिषद हाई स्कूल का दौरा किया और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, अम्मा आदर्श स्कूल समिति के तहत किए गए विकास कार्यों, रजिस्टरों और कक्षाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए सरकार ने डाइट शुल्क में 40 प्रतिशत की वृद्धि की है तथा विद्यार्थियों को नये मीनू के अनुसार समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाया जाए तथा उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि अम्मा आदर्श स्कूल समिति के तत्वावधान में सरकारी स्कूलों में छात्रों को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं और इस गांव में स्कूलों द्वारा किए गए कार्यों में तेजी लाई जानी चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम मोदी ने ...

पीएम मोदी ने कहा कि बारिश के दिनों में कच्ची छत फूस की, प्लास्टिक की चादर वाली छत के नीचे जीवन गुजारना कितना मुश्किल होता है। पल-पल सपने रौंद दिए जाते हैं। ऐसे पल होते हैं। ये हर कोई नहीं समझ सकता है। अबतक गरीबों को चार करोड़ घर मिले हैं। जिसने उस जिंदगी को जिया है, उसे पता होता है कि पक्की छत वाला घर मिले का मतलब क्या होता है। एक महिला जब खुले में शौच जाने के लिए मजबूर हो जाती है वो या तो सूर्योदय के पहले या सूर्यास्त के बाद कठिनाईयों झेलना क्या होता है, ऐसे लोग समझ नहीं सकते हैं।

2014 के पहले ऐसे बम गोले फेंके गए, बंदूक की ऐसी गोलियां चलाई गईं कि देशवासियों का जीवन छलनी कर दिया गया। हमने धीरे-धीरे उन घावों को भरते-भरते आगे बढ़े। 2 लाख रुपये 2013-14 में उसपर इनकम टैक्स माफी थी और आज 12 लाख रुपये संपूर्ण रूप से इनकम टैक्स से मुक्ति। स्टैंडर्ड डिडक्शन उसके अगर 75 हजार जोड़ दें तो पहली अप्रैल के बाद देश में सैलरीड क्लास है उनके पौने 13 लाख रुपये तक कोई इनकम टैक्स नहीं देना होगा।

अध्यक्ष जी, जब आप युवा मोर्चे में थे एक पीएम उस समय बोला करते थे 21वीं सदी, 21वीं सदी... आप भी रट गए थे। उस समय आरके लक्ष्मण ने एक बड़ा शानदार कार्टून बनाया था। वो कार्टून बड़ा मजेदार था, उस कार्टून में एक हवाई जहाज है, एक पायलट है और हवाई जहाज एक ठेले पर रखा हुआ था और मजदूर ठेले को धक्का मार रहे थे और वो 21वीं सदी लिखा हुआ था। लेकिन वो कार्टून को उस समय मजाक लग रहा था लेकिन आगे चलकर वो सही साबित हो गया।

हम लगातार युवा भविष्य को लेकर ध्यान दे रहे हैं लेकिन कुछ दल हैं जो लगातार टोकाटाकी करते हैं।

ये दल चुनाव के दौरान ये भत्ता देंगे, वो भत्ता देंगे। वादा तो करते हैं लेकिन पूरा नहीं करते हैं। ये दल युवाओं के भविष्य पर आपदा बनकर गिरे हुए हैं। हम कैसे काम करते हैं ये हरियाणा में अभी-अभी देश ने देखा है। बिना खर्ची, बिना पर्ची नौकरी देने का वादा किया था सरकार बनते ही नौकरी मिल गई नौजवानों को। हम जो कहते हैं उसी का परिणाम है कि हरियाणा में तीसरी बार भव्य विजय और हरियाणा के इतिहास में तीसरी बार विजय ये अपने आप में ऐतिहासिक घटना है।

संविधान में जो धाराएं हैं, उसके साथ-साथ संविधान की एक भावना भी है। संविधान को मजबूती देने के लिए संविधान की भावना को जीना पड़ता है। हम वो लोग हैं संविधान को जीते हैं। हमारे यहां ये बात सही है कि परंपरा है कि राष्ट्रपति जी जो भाषण देते हैं, उस साल के कार्यकाल का ब्योरा देते हैं। उसी प्रकार राज्यपाल के भाषण में भी यही होता है। संविधान और लोकतंत्र की भावना क्या होती है। जब गुजरात के 50 साल हुए गोल्डन जुबली मना रहा था, मैं उस समय सीएम था। हमने गोल्डन जुबली वर्ष में पिछले 50 साल में जितने भी गर्वनर के भाषण थे, हमने कहा कि उन 50 साल में जितने भी भाषण हुए हैं, सबको एक पुस्तक के रूप में तैयार किया जाए और आज वो सभी पुस्तकालय में वो ग्रंथ मौजूद है। मैं बीजेपी वाला था, उस वक्त ज्यादातर वक्त कांग्रेस की सरकारें थीं। हम संविधान को समर्पित हैं। हम संविधान को जीना जानते हैं।

जो लोग संविधान जेब में लेकर घूमते हैं उनको पता नहीं है कि आपने मुस्लिम महिलाओं को कैसी मुसीबतों में जीने के लिए मजबूर कर दिया था। हमने तीन तलाक का खात्मा करके संविधान की भावना के रूप में मुस्लिम बेटियों को हक दिया है। पूर्वोत्तर और आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय एनडीए ने बनाया। हमारे दक्षिण और पूर्व के कई राज्य समुद्र तट से जुड़े हैं। वहां मछुआरों की संख्या बड़ी तादाद में है। उनका भी ख्याल रखना चाहिए। ये हमारी सरकार है जिन्होंने फिशरिज के लिए अलग मंत्रालय बनाया। कुछ लोग अर्बन नक्सलियों की भाषा बोल रहे हैं। इसलिए वो संविधान नहीं समझ सकते हैं।

समाज में तनाव के बिना, समाज को एकजुट रखते हुए वंचितों का कल्याण कैसे किया जाता है, इसका उदाहरण देता हूं। 2014 में हमारे देश में मेडिकल कॉलेज की संख्या 387 थी, आज 780 मेडिकल कॉलेज हैं। मेडिकल कॉलेज बढ़े हैं तो सीटें भी बढ़ी हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण एंगल है अध्यक्ष जी। हमारे आने से पहले दलित समाज के लिए 7,700 सीटें थीं। 10 साल हमने काम किया और आज दलित समाज के लिए 17 हजार बच्चों को डॉक्टर बनाने की व्यवस्था की है। 2014 से पहले एसटी स्टूडेंट्स के लिए एमबीबीएस की सीटें 3 हजार से कुछ ज्यादा थीं, आज ये संख्या बढ़कर 9 हजार हो गईं। 2014 से पहले ओबीसी की मेडिकल सीटें 14 हजार से भी कम थी, आज 32 हजार हो गई हैं। हमने बिना पिछले 10 साल में हर सप्ताह एक नई यूनिवर्सिटी बनी है, हर दिन एक नई आईटीआई बनी है, हर दो दिन में एक नया कॉलेज खुला है। सोचिए, एससी-एसटी, ओबीसी युवा-युवतियों के लिए अवसर के मौके कितने बढ़े हैं, इसका अंदाजा आप लगा सकते हैं।

जीबी सिंड्रोम के ...

महाराष्ट्र के अलावा, देश के 4 दूसरे राज्यों में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मरीज सामने आ चुके हैं। तेलंगाना में ये आंकड़ा एक है। असम में 17 साल की लड़की मौत हुई, कोई दूसरा एक्टिव केस नहीं है। वहीं, पश्चिम बंगाल में 30 जनवरी तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें दो बच्चे शामिल हैं। एक वयस्क है। पीड़ित परिवारों का दावा है कि इन मौतों का कारण जीबी सिंड्रोम है, लेकिन बंगाल सरकार ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दावा है कि 4 और बच्चे जीबी सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

कोलकाता के अस्पताल में उनका इलाज जारी है। राजस्थान के जयपुर में 28 जनवरी को लक्षत सिंह नाम के बच्चे की मौत हुई। वो जीबी सिंड्रोम से पीड़ित था। परिजनों ने उसका कई अस्पताल में इलाज कराया था। लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सूर्यकुमार भी रणजी ट्रॉफी में उतरेंगे

8 फरवरी को मुंबई का हरियाणा से क्वार्टर फाइनल

इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी-20 में सिर्फ 28 रन बनाए

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी 2024-25 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मुंबई के लिए खेलेंगे। उनके अलावा, शिवम दुबे भी खेलते नजर आएंगे। दोनों खिलाड़ियों को क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए मुंबई की 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने टूर्नामेंट के इस सीजन में एक-एक मैच खेला है।

42 बार की चैंपियन मुंबई का सामना क्वार्टर फाइनल में हरियाणा से होगा। यह मुकाबला लाहली के चौधरी बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम में 8 फरवरी से खेला जाएगा। वहीं, रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी इस सीजन रणजी ट्रॉफी खेले थे।

मेघालय को हराकर नॉकआउट में पहुंची मुंबई

मुंबई ने मेघालय को पारी और 456 रनों से हराकर रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मुंबई के साथ ग्रुप-ए से नॉकआउट में जगह बनाने वाली जम्मू-कश्मीर दूसरी टीम है।

सूर्यकुमार यादव का रणजी ट्रॉफी करियर

64 मैच

4251 रन

59.80 स्ट्रा. रेट

22/10 50/100

महाराष्ट्र के खिलाफ खेले थे सूर्या

सूर्या रणजी के पहले लेग में अक्टूबर में महाराष्ट्र के खिलाफ मुकाबले के लिए टीम का हिस्सा थे। महाराष्ट्र के खिलाफ मुकाबले में सूर्या पहली पारी में 7 रन ही बना सके थे, दूसरी पारी में बैटिंग नहीं आई थी। वहीं, दुबे जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेले गए मैच का हिस्सा थे। इस मैच में भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा और ओपनर यशस्वी जायसवाल भी शामिल थे। मुंबई की टीम यह मैच हार गई थी।

खराब फॉर्म से जुझ रहे हैं सूर्या

सूर्यकुमार खराब फार्म से जुझ रहे है। उन्होंने हाल ही में खत्म हुई इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पांच मैचों में 5.60 के औसत से 28 रन बनाए। सूर्यकुमार इस दौरान दो मैचों में खाता भी नहीं खोल सके थे। हालांकि इनकी कप्तानी में टीम टी-20 सीरीज 4-1 से जीती।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए मुंबई टीम

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अमोघ भटकल, सूर्यकुमार यादव, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), सूर्यांश शेडगे, शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा, रॉयस्टन डायस, अथर्व अंकोलेकर, हर्ष तन्ना।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंग्लैंड में टीम खरीदी

द हंड्रेड लीग में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के लिए 1252 करोड़ की बोली लगाई

लंदन, 4 फरवरी (एजेंसियां)। आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का मालिकाना हक रखने वाले आरपीएससी ग्रुप ने इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड की टीम मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के ऑपरेशन के लिए लंकाशर के साथ पार्टनरशिप का अधिकार हासिल कर लिया।

क्रिकइंफो के अनुसार, संजीव गोयनका के आरपीएससी समूह ने इंग्लिश फ्रेंचाइजी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए करीब 1252 करोड़ रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई। समूह ने शुक्रवार को 'लंदन स्पिरिट' के लिए असफल बोली लगाई थी। इस नीलामी को सिलिकॉन वैली के एक टेक कंसोर्टियम ने जीता था।

हम एक बेहतरीन साझेदार खोज रहे थे। आरपीएसजी ग्रुप कुछ समय से हमारी पसंदीदा बोलीदाता रहा है। हम इस नतीजे से बेहद खुश हैं। हम एक साथ मिलकर एक बेहतरीन भविष्य बनाने के लिए उत्साहित हैं। हमारा ज्वॉइंट टारगेट मैनचेस्टर और नॉर्थ वेस्ट क्षेत्र के लोगों के लिए एक खास क्रिकेट टीम तैयार करना है।

अगले 8 हफ्ते में सौदे की शर्तों पर चर्चा होगी

रिपोर्ट के मुताबिक, 'दोनों पक्ष (लंकाशर और आरपीएसजी समूह) अब 8 हफ्ते तक इस सौदे की शर्तों पर चर्चा करेंगे। लंकाशर ने पहले सुझाव दिया है कि वे अपने 51 प्रतिशत हिस्सेदारी में से कुछ को बेचने के बारे में चर्चा के लिए तैयार हैं। हालांकि यह रकम इतनी अधिक होनी चाहिए कि वे अपने बैंक ऋण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा चुकाने में सक्षम हो।'

गोयनका ने 2 साल पहले एसए20 में लीग खरीदी थी

आरपीएसजी ग्रुप के अध्यक्ष और संस्थापक गोयनका ने 2022 में एसए20 में डरबन फ्रेंचाइजी खरीदने से पहले 2021 में आईपीएल में लखनऊ फ्रेंचाइजी को 7,090 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे पहले राइजिंग पुणे सुपरजायंट के मालिक भी रहे। आरपीएसजी ग्रुप ने 2016 और 2017 के आईपीएल सीजन में भाग लिया था, जब चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स निलंबित थे।

फॉर्म में वापसी को लेकर सूर्यकुमार को अश्विन से मिली 'खास' सलाह

इंग्लैंड के खिलाफ खामोश रहा था बल्ला

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से अपने नाम किया। पूरी सीरीज में कई युवा खिलाड़ियों ने अपना जौहर दिखाया और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि यह सीरीज कप्तान सूर्यकुमार के लिए एक बुरा सपना साबित हुई, जहां वो एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके। उनके इस प्रदर्शन ने कई गंभीर सवाल पैदा कर दियए हैं। उन्होंने पांच मैचों की सीरीज में सिर्फ 28 रन बनाए, जिसमें दो बार वो अपना खाता भी नहीं खोल सके। उनके इस प्रदर्शन के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने उन्हें फॉर्म में वापसी की सलाह दी है।

रवि अश्विन यह देखकर हैरान थे कि यह स्टार बल्लेबाज एक ही तरह की परिस्थितियों में इंग्लैंड के

तेज गेंदबाजों के सामने आउट हुए। उन्होंने दावा किया कि वो एक ही तरह से आउट हुए और एक ही तरह की गलती की जो टीम के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

सूर्यकुमार की बल्लेबाजी ही समस्या है- अश्विन

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हालांकि सूर्यकुमार की बल्लेबाजी ही समस्या है। बेशक इस सीरीज में उनकी कप्तानी वाकई अच्छी रही है। उनकी कप्तानी भी शानदार रही है। लेकिन वह अपनी बल्लेबाजी को कुछ समय के लिए आराम दे सकते हैं। संजू सैमसन और सूर्यकुमार एक ही तरह की गेंद, एक ही फील्ड, एक ही शॉट, एक ही गलती और एक ही तरह से बार-बार आउट हो रहे हैं।'

'सूर्यकुमार को बैटिंग स्टाइल में बदलाव की जरूरत'

अश्विन ने दावा किया है कि सूर्यकुमार को खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपनी बैटिंग स्टाइल में बदलाव करने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ पूरी सीरीज में उनके बल्ले से सबसे बड़ी पारी 14 रनों की निकली। टी-20 इंटरनेशनल में पूर्व नंबर वन बल्लेबाज से भारत को काफी उम्मीदें थी, लेकिन वो उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सके। उनकी कप्तानी तो अच्छी रही है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। ओपनर संजू सैमसन के साथ भी यही समस्या आ रही है।

विराट कोहली फिर से करेंगे आरसीबी की कप्तानी ?

मुंबई, 4 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद चैंपियंस ट्रॉफी में नजर आएंगे. इसके बाद भारतीय खिलाड़ी आईपीएल 2025 में देखने को मिलेंगे. इस टी-20 लीग का नया सीजन 21 मार्च से शुरू होगा. हालांकि इस सीजन को लेकर सबसे बड़ा सवाल ये है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी कौन करेगा? अभी तक आरसीबी के कप्तान के नाम पर मुहर नहीं लगी है. कई बार खबरें आई हैं कि विराट कोहली एक बार फिर से आरसीबी की कमान संभाल सकते हैं. एक बार फिर से इस तरह की खबरों को हवा मिल रही है. इस मामले पर टीम की तरफ से भी बड़ा बयान सामने आया है.

फैंस का मानना है कि कोहली एक बार फिर से आरसीबी को लीड कर सकते हैं हालांकि अभी इसे लेकर कुछ भी आधिकारिक तौर पर नहीं कहा गया है. फाफ डु प्लेसिस को रिलीज किए जाने के बाद RCB के अगले कप्तान के नाम का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है.

इसी बीच आरसीबी के COO राजेश मेनन ने स्पोर्ट्स तक से आरसीबी के कप्तान के सवाल पर बात करते हुए बताया, 'फिलहाल हमने कुछ भी डिसाइड नहीं किया है. हमारी टीम में कई लीडर हैं. 4-5 खिलाड़ी ऐसे हैं. इसे लेकर अभी तक कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ है कि हमें क्या करना है. हम विचार करेंगे और एक फैसले पर पहुंचेंगे'.

विराट कोहली आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी के साथ जुड़े हुए हैं. उन्होंने सालों तक इस टीम की कप्तानी भी की है. 2011 में पहली बार उन्होंने टीम की कमान संभाली थी. हालांकि वे फुल टाइम कप्तान साल 2013 से बने थे. 2021 तक लगातार वे आरसीबी के कप्तान रहे.

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने स्टेडियम पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

साथ बैठकर किया भोजन

देहरादून, 4 फरवरी (एजेंसियां)। देहरादून महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स स्टेडियम में नेशनल गेम्स की अगल-अलग खेल स्पर्धाएं चल रही हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी यहां पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ बैठकर भोजन भी किया।

उत्तराखंड 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर इतिहास रच दिया है। 35 खेल स्पर्धाओं में देशभर के करीब दस हजार खिलाड़ी 3674 पदकों के लिए अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस बीच खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों से बातचीत की।

बता दें, 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने पांच दिन चली मार्शल आर्ट प्रतियोगिता वुशु में शानदार प्रदर्शन की बदौलत एक स्वर्ण सहित 12 पदक जीतकर अब तक का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राज्य गठन के बाद अब छह राष्ट्रीय खेल

हुए हैं। कभी ऐसा नहीं हुआ जब इस खेल में राज्य के खिलाड़ियों को इतने पदक मिले हों। राष्ट्रीय खेलों की शुरुआत होते ही अन्य खेलों के मुकाबले खासकर वुशु में राज्य के खिलाड़ी पदक तालिका में बढ़त बनाए रहे। उत्तराखंड की बेटी ज्योति वर्मा ने कांस्य पदक जीतकर राज्य की झोली में पहला पदक दिया। इसके बाद अचोम तपस के स्वर्ण पदक जीतने से खिलाड़ियों का उत्साह दोगुना हो गया। इलाबाम इटाली चानू, फेब्रिस देवी व हर्षित शर्मा ने रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय पदक तालिका में राज्य को टॉप 11 में पहुंचा दिया था। प्रतियोगिता में राज्य को एक स्वर्ण, तीन रजत और आठ कांस्य पदक मिले। जबकि, इससे पहले 2023 में गोवा में हुए राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को वुशु में मात्र एक कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। हर्षित शर्मा ने यह पदक जीता जिसने इस बार राज्य के लिए रजत पदक जीता है।

जाते-जाते भी करेगा नाम, इस मैदान से लेगा संन्यास

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ही दिमुथ करुणारत्ने का बड़ा फैसला!

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी के आगाज में अब बस कुछ दिन रह गए हैं. उससे पहले श्रीलंका के स्टार खिलाड़ी दिमुथ करुणारत्ने ने इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने संन्यास का ऐलान कर दिया है. ऐसी खबर है कि करुणारत्ने ने श्रीलंका टीम मैनेजमेंट को अपने फैसले के बारे में बता दिया है. उन्होंने टीम मैनेजमेंट को बताया है कि गॉल में 6 फरवरी से खेला जाने वाला टेस्ट मैच उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मुकाबला होगा. हालांकि, श्रीलंका की टीम क्वालिफाई नहीं करने के चलते चैंपियंस ट्रॉफी में खेलती नहीं दिखेगी.

जाते- जाते भी नाम करेंगे दिमुथ करुणारत्ने

रिपोर्ट के मुताबिक दिमुथ करुणारत्ने ने अपने संन्यास की जानकारी दे दी है. बड़ी बात ये है कि जिस मैच को खेलकर दिमुथ ने संन्यास लेने का मन बनाया है, उसे खेलने के बाद वो एक उपलब्धि भी अपने नाम कर लेंगे. दरअसल, गॉल में 6 फरवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला जाने वाला अगला टेस्ट उनके इंटरनेशनल करियर का 150वां मैच होगा. इतना ही नहीं वो 100 टेस्ट खेलने वाले श्रीलंकाई क्रिकेटर भी बन जाएंगे.

दिमुथ करुणारत्ने का इंटरनेशनल करियर

दिमुथ करुणारत्ने ने अपने करियर में अब तक 149 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8500 से ज्यादा रन 17 शतक के साथ बनाए हैं. उन्होंने 99 टेस्ट जबकि 50 वनडे खेले हैं. टेस्ट क्रिकेट में 16 शतकों के साथ करुणारत्ने ने 7172 रन 39.40 की औसत से बनाए हैं. उनके नाम वनडे में एक शतक दर्ज हैं.

जहां खेला पहला टेस्ट, वहीं खेलेंगे करियर का आखिरी मैच

बाएं हाथ के बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मुकाबले से हुई थी. उन्होंने अपना पहला वनडे मैनचेस्टर में खेला था, जबकि आखिरी वनडे भारत के खिलाफ वानखेड़े मैदान पर खेला. 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल से ही उनका टेस्ट करियर शुरू हुआ था. अब उसी गॉल के मैदान पर वो अपने करियर को हमेशा के लिए अलविदा कहेंगे.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज की बात करें तो दिमुथ करुणारत्ने ने पहले मैच में कुछ खास नहीं किया था.

सीरीज के पहले टेस्ट की दो पारियों में वो बस 7 रन ही बना सके थे. उम्मीद है कि अपने करियर के आखिरी मैच, 150वें इंटरनेशनल मैच और अपने 100वें टेस्ट मैच को वो यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे.

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम पर अपनों को ही नहीं भरोसा

इस्लामाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान ने अपनी टीम का ऐलान तो कर दिया है. मगर क्या ये टीम अपनी मेजबानी में ICC का टूर्नामेंट जीतने में सक्षम है? ये सवाल इसलिए क्योंकि पीसीबी ने जो टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी है, उस पर उसके अपनों के लिए ही भरोसा करना मुमकिन नहीं हो रहा. उनके भरोसा ना करने की वजह है टीम सेलेक्शन. पाकिस्तान के जिस दिग्गज ने चैंपियंस ट्रॉफी की टीम पर सवाल उठाए हैं, वो अब्दुर रऊफ खान हैं. एक पाकिस्तानी टीवी चैनल पर टीम से जुड़े शो में उन्होंने उसकी आलोचना की है.

बाबर आजम भरोसे पाक टीम?

टीवी चैनल पर प्रसारित हुए कार्यक्रम में कहा गया कि पाकिस्तानी टीम बाबर आजम के भरोसे है. चैंपियंस ट्रॉफी में बाबर आजम का बल्ला चला तो ही कुछ हो सकता है. शो में बाबर आजम के अलावा थोड़ा बहुत विश्वास साउद शकील पर भी दिग्गजों ने जताया. लेकिन. इन दो के अलावा बाकियों पर यकीन की कोई लकीर खींचती नहीं दिखी.

पाकिस्तानी दिग्गज के लिए चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी टीम पर यकीन कर पाना इसलिए भी मुश्किल हो रहा था क्योंकि उसमें शामिल 6 खिलाड़ियों से जुड़ा राज हिला देने वाला था. ये वो 6 खिलाड़ी है, जिनमें से कोई वनडे खेला ही नहीं है और किसी को खेले लगभग 2 साल बीत गए. आइए एक नजर डालते हैं टीम में शामिल ऐसे 6 खिलाड़ियों पर.

फखर जमां- इन्होंने आखिरी वनडे पाकिस्तान के लिए 2023 के वर्ल्ड कप में खेला था.

उस्मान खान- पाकिस्तान के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में ये अपना डेब्यू करते दिख सकते हैं.

फहीम अशरफ- आखिरी बार 2023 के एशिया कप में पाकिस्तान के लिए वनडे खेलते नजर आए थे.

खुशदिल शाह- इन्होंने ने भी अक्टूबर 2023 के बाद से कोई वनडे मुकाबला नहीं खेला है.

अबरार अहमद और तैयब ताहिर- चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम में चुने गए ये दो वो खिलाड़ी हैं, जिनके पास अभी 5 से कम वनडे का ही अनुभव है. अबरार ने 4 वनडे जबकि तैयब ने 3 वनडे खेले हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है, जिसमें पाकिस्तान अपने अभियान का आगाज पहले ही दिन न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा.

1 दिन में 2 देशों में खेला मैच, केकेआर के खिलाड़ी ने किया ये बड़ा कारनामा

खेल डेस्क,, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इन दिनों आबू धाबी में आईएलटी 20 लीग और बांग्लादेश में बांग्लादेश प्रीमियर लीग खेली जा रही है। इन दोनों लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स का धाकड़ ऑलराउंडर खेल रहा है। वहीं, इस खिलाड़ी ने एक दिन के अंदर 2 देशों में 2 अलग-अलग मैच खेलने का बड़ा कारनामा किया है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में इस धाकड़ खिलाड़ी की मांग काफी ज्यादा है।

आंद्रे रसेल ने 24 घंटें में 2 देशों के लिए खेले मैच

फ्रेंचाइजी क्रिकेट को अब फैंस द्वारा काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। कई देश अपनी-अपनी टी20 लीग भी कराने लगी है। वेस्टइंडीज के कई खिलाड़ी भी अलग-अलग देशों की फ्रेंचाजी लीग में खेलते हैं।

उनमें से एक हैं वेस्टइंडीज के धाकड़ आंद्रे रसेल। आईपीएल में रसेल कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेला करते हैं। बिग बैश लीग में भी रसेल को खेलते हुए देखा जाता है, लेकिन इन दिनों ये खिलाड़ी आईएलटी 20 लीग और बांग्लादेश प्रीमियर लीग दोनों में खेल रहे हैं।

वहीं, अब आंद्रे रसेल को महज 24 घंटें के भीतर इन दोनों लीग में खेलना पड़ा। पहले आंद्रे रसेल ने आबू धाबी में आईएलटी 20 लीग में मैच खेला, फिर उसके बाद ये खिलाड़ी लगभग 3500 किमी. की दूरी तय करके बांग्लादेश पहुंचा। जहां इस खिलाड़ी ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग में मुकाबला खेला। ILT20 लीग में रसेल नाइट राइडर्स के लिए खेलते हैं, जबकि बांग्लादेश में रसेल रंगपुर राइडर्स टीम के लिए खेलते हैं।

फ्लॉप हुए आंद्रे रसेल

पहले रसेल ने आईएलटी20 लीग में दुबई कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेला था। इस मैच में रसेल खाता भी नहीं खोल पाए थे। इसके बाद बांग्लादेश प्रीमियर लीग में भी रसेल रंगपुर राइडर्स के लिए महज 4 रन ही बना पाए थे। दोनों ही मैचों में ये खिलाड़ी फ्लॉप साबित हुआ।

राहुल गांधी के संकल्प के अनुरूप जाति जनगणना शुरू की : मुख्यमंत्री

'जाति सर्वेक्षण-2024' रिपोर्ट तेलंगाना विधानसभा में पेश

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 'जाति सर्वेक्षण-2024' शीर्षक वाली रिपोर्ट मंगलवार को तेलंगाना विधानसभा में पेश की गई। कार्यवाही के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने संकेत दिया कि राज्य सरकार ने फरवरी 2024 में सामाजिक, आर्थिक, रोजगार, शिक्षा और जाति-संबंधी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए घर-घर जाकर विस्तृत जाति सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया है। रेवंत रेड्डी ने टिप्पणी की, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पदयात्रा के दौरान पिछड़ी जातियों की जनगणना को संबोधित करने और इस समूह के लिए अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी।

हमने राहुल गांधी की प्रतिज्ञा के अनुरूप जाति जनगणना शुरू की है। उन्होंने आगे कहा कि

जाति जनगणना की आधिकारिक प्रक्रिया रिकॉर्ड समय में पूरी की गई, जिसके परिणामस्वरूप आज विधानसभा में रिपोर्ट पेश की गई। उन्होंने कहा, गणनाकर्मियों ने हर गांव और टांडा से पूरी लगन से जानकारी एकत्र की। इस उद्देश्य के लिए कुल 150 घरों को एक इकाई के रूप में नामित किया गया था, जिसमें गणनाकर्ताओं को प्रासंगिक विवरण एकत्र करने के लिए नियुक्त किया गया था। 36 दिनों के दौरान, 76,000 डेटा एंट्री ऑपरेटरों ने डेटा संकलन को पूरा करने के लिए काफी प्रयास किया। राज्य सरकार ने सख्त प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करते हुए रिपोर्ट तैयार करने के लिए 160 करोड़ रुपये आवंटित किए।

कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद, सरकार ने विधानसभा में जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की। मुख्यमंत्री ने पिछड़े वर्गों को सम्मान देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की, जो तेलंगाना राज्य की आबादी का 56 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने जाति जनगणना रिपोर्ट तैयार करने में योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों को बधाई दी, जो राष्ट्र के लिए एक मॉडल बन गई है।

राव ने विधानसभा स्थगित होने पर कांग्रेस सरकार की उड़ाई खिल्ली

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने विधानसभा शुरू होने के दो मिनट बाद ही अचानक स्थगित होने पर कांग्रेस सरकार की खिल्ली उड़ाई।

चल रही कैबिनेट बैठक और विषय नोट तैयार न होने का हवाला देते हुए विधायी कार्य मंत्री डी श्रीधर बाबू के स्थगन के अनुरोध की आलोचना करते हुए हरीश राव ने अनुरोध को हास्यास्पद बताया।

उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि कांग्रेस नेता पहले विपक्ष में रहते हुए विधानसभा में चर्चा के लिए तैयार नहीं थे और आज सत्ता में होने के बावजूद तैयार नहीं हैं।

वे कब तैयार होंगे? सुबह 11 बजे शुरू हुई विधानसभा की कार्यवाही दो मिनट से भी कम समय में दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सामाजिक-आर्थिक राजनीतिक सर्वेक्षण और एससी वर्गीकरण पर दो रिपोर्टों पर चर्चा और अनुमोदन के लिए विधानसभा और विधान परिषद दोनों ने विशेष सत्र बुलाया।

हालांकि, चल रही कैबिनेट बैठक और विषय नोट तैयार करने में देरी का हवाला देते हुए कांग्रेस सरकार के अनुरोध पर दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया।

स्वतंत्र, निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रशिक्षण आवश्यक : सुदर्शन रेड्डी

एमएलसी चुनाव कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि आगामी एमएलसी चुनाव की तैयारी के लिए मंगलवार को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (डीएलएमटी) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य मतदान कर्मियों को चुनाव के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था। भारत के चुनाव आयोग ने मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर और वारंगल-खम्मम-नलगोंडा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर निर्वाचन क्षेत्रों के लिए तेलंगाना विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव आयोजित करने के लिए अधिसूचना जारी की है। प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व एम. जयचंद्र रेड्डी, आरडीओ ने किया, जो इन चुनावों के लिए राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर (एसएलएमटी) के रूप में भी काम कर रहे हैं। प्रत्येक जिले से कुल दो डीएलएमटी ने जिलों का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रशिक्षण में भाग लिया। इनमें संगारेड्डी, मेदक, सिद्दीपेट, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, आदिलाबाद, कुमुरामभीम आसिफाबाद, मनचेरियल, निर्मल, करीमनगर, नलगोंडा, सूर्यापेट, यदाद्री भुवनगिरी, खम्मम, भद्राद्री कोत्तागुडेम, हनुमाकोंडा, महबुबाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, जनगांव, मुलुगु, पेद्दापल्ली, राजन्ना सिरसिला, जगतियाल और वारंगल शामिल रहा। सीईओ ने इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और कुशल चुनाव सुनिश्चित करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं और सभी प्रशिक्षित कर्मियों से अपने संबंधित जिलों में मतदान कर्मचारियों को प्राप्त ज्ञान का प्रसार करने का आग्रह किया।

केसीआर, केटीआर, हरीश राव ने जाति जनगणना सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, पूर्व मंत्रियों केटी रामाराव, हरीश राव और पद्मा राव के साथ-साथ भाजपा सांसद डीके अरुणा सहित बीआरएस के नेताओं ने राज्य सरकार द्वारा आयोजित जाति जनगणना सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया। विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान, मुख्यमंत्री ने कहा कि केसीआर के परिवार ने सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया, जिसके लिए उनकी भूमि जोत के बारे में जानकारी का खुलासा करना आवश्यक होगा। रेवंत रेड्डी ने सवाल किया, यदि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा किए गए व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण को आधिकारिक दस्तावेज माना जाता है, तो इसे कैबिनेट के समक्ष क्यों नहीं पेश किया गया? इसे विधानसभा में क्यों साझा नहीं किया गया? एक ही परिवार ने रिपोर्ट अपने पास क्यों रख ली? उन्होंने फिर से पुष्टि की कि कांग्रेस पार्टी आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत सीटें आवंटित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने भाजपा और बीआरएस दोनों पार्टियों को इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की चुनौती दी।

दुर्घटना में एसआई समेत 2 की मौत

जगतियाल, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को गोलापल्ली मंडल के सिलवाकोदुर के पास सड़क दुर्घटना में एक महिला सब-इंस्पेक्टर श्वेता और एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब जिस कार में वह यात्रा कर रही थी, वह एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। महिला पुलिस अधिकारी और मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। कार सड़क से उतर गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। श्वेता की मौके पर ही मौत हो गई।

जगतियाल जिला अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो में कार्यरत श्वेता इससे पहले कोरुतला, वेलगातुर, कथालापुर और पेडापल्ली स्टेशनों में काम कर चुकी हैं। कोरुतला में एक मामले की जांच कर रहे एक आरोपी की आत्महत्या के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था।

जीएम ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा और विकास कार्यों पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन की सुरक्षा और जोन के चल रहे विकास कार्यों पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने अधिकारियों को सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने की सलाह दी।

उन्होंने निर्देश दिए कि छोटी से छोटी अप्रिय घटना से बचने के लिए सभी सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों के व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ-साथ नियमित परामर्श सत्र प्रदान किए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षणों को तेज करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। अरुण कुमार जैन ने जोन में आग से बचाव की सुरक्षा वस्तुओं जैसे धुआं का पता लगाने वाले उपकरण, अग्निशामक यंत्र आदि की उपलब्धता की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने जोन भर में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों ने चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी।

उन्होंने अधिकारियों को योजनाबद्ध लक्ष्यों के अनुसार कार्यों में तेजी लाने की सलाह दी। उन्होंने जोन में लेवल क्रॉसिंग गेटों को खत्म करने की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने मंडलवार समयपालन के आंकड़ों की जांच की और मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देश दिया कि वे समयपालन में चूक करने वाली ट्रेनों की पहचान करें और उनकी निगरानी करें तथा उनकी समयपालनता में सुधार के लिए उचित उपाय करें।

दलबदल करने वाले विधायकों को नोटिस जारी

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विधायकों के दलबदल के संबंध में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुआ है। मंगलवार को विधानसभा सचिव ने कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए बीआरएस विधायकों को नोटिस जारी कर उनके कार्यों के लिए स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस में कहा गया है कि विधायकों को लिखित जवाब देना होगा। विधानसभा सचिव नरसिम्हा चार्युलु ने बीआरएस द्वारा दायर अयोग्यता याचिका के अनुसार नोटिस भेजे और विधानसभा सचिव ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर कार्रवाई की। हालांकि, जिन विधायकों को ये नोटिस मिले हैं, उन्होंने अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। मई 2024 में हुए

संसदीय चुनावों में बीआरएस के दस विधायक कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इस बदलाव में शामिल बीआरएस विधायकों में दानम नागेंद्र, काडियम श्रीहरि, काले यदय्या, बंडला कृष्णमोहन रेड्डी, तेलम वेंकट राव, पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, एम संजय कुमार, प्रकाश गौड़, गुडेम महिपाल रेड्डी और अरिकेपुडी गांधी शामिल हैं। बीआरएस पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष को शिकायत सौंपकर दलबदल करने वाले विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, अध्यक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण बीआरएस ने उचित आदेश की तलाश में उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों में याचिका दायर की है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने बीआरएस याचिका की समीक्षा की और उचित समय सीमा की परिभाषा के बारे में पूछताछ की। इसने विधानसभा सचिव को एक विशिष्ट समयसीमा प्रदान करने का निर्देश दिया। इस निर्देश के अनुरूप विधानसभा सचिव नरसिम्हा चार्युलु ने पार्टी से दलबदल करने वाले विधायकों को नोटिस जारी किया है।

एफटीसीसीआई ने बजट समीक्षा का आयोजन किया

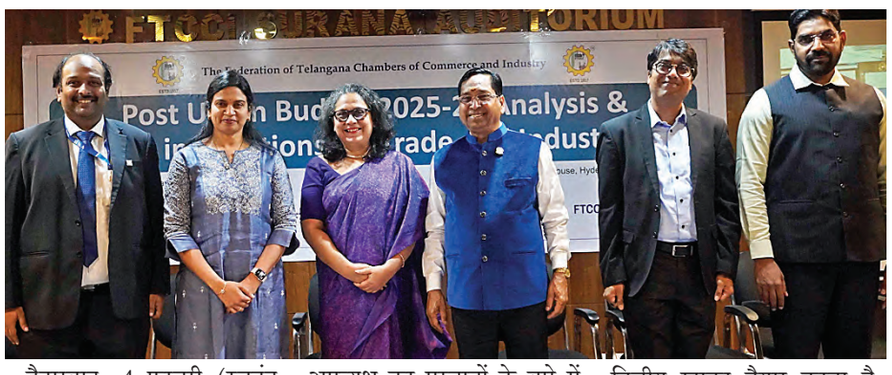

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुराना व्यापार, वाणिज्य और उद्योग निकाय, फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने सोमवार रात को रेड हिल्स स्थित फेडरेशन हाउस में बजट पश्चात समीक्षा का आयोजन किया। वेणुमाधवी मुप्पला, पार्टनर, अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी, हैदराबाद ने प्रत्यक्ष कर प्रस्तावों पर बात की। अमित कुमार फिटकरीवाल, पार्टनर, डेलॉइट टच तोहमात्सु इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने अप्रत्यक्ष कर प्रस्तावों के बारे में बात की। पल्लवी पॉल, तकनीकी निदेशक, बीएसआर एंड कंपनी एलएलपी ने वित्त और आर्थिक परिप्रेक्ष्य के बारे में बात की। सुरेश कुमार सिंघल, अध्यक्ष, एफटीसीसीआई सुधीर वी.एस., अध्यक्ष, प्रत्यक्ष कर समिति, एफटीसीसीआई और मोहम्मद इरशाद अहमद अध्यक्ष, जीएसटी एवं सीमा शुल्क समिति, एफटीसीसीआई ने अपनी आरंभिक टिप्पणियां दीं। सुरेश कुमार सिंघल ने कहा कि बजट आगामी वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय खाका तैयार करता है, जिसमें आर्थिक स्थितियों का पूर्वानुमान लगाया जाता है तथा भारत सरकार के व्यय को उसके नीतिगत उद्देश्यों के साथ संरेखित किया जाता है। बजट सभी को प्रभावित करता है, विशेषकर उद्योग जगत को। उद्योग जगत के लाभ के लिए प्रत्येक वर्ष विशेषज्ञों द्वारा इसकी समीक्षा करवाना प्रथागत है। सिंघल ने कहा कि व्यक्तियों के लिए आईटी में संशोधन सहित हमारे कई प्रस्तावों और सिफारिशों पर वित्त मंत्री ने विचार किया। वित्त मंत्री द्वारा बजट में प्रस्तावित प्रत्यक्ष करों में कई बदलाव किए गए। सरकार कई सुधारों पर काम कर रही है। इससे पहले उन्होंने भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता पेश की थी। वर्तमान आयकर अधिनियम वर्ष 1961 में अधिनियमित किया गया था। भारतीय न्याय संहिता की तरह अब हम नए कर विधेयक की अपेक्षा कर सकते हैं, जो वर्तमान आयकर अधिनियम की तुलना में सरल और स्पष्ट बताया जा रहा है। मोहम्मद इरशाद अहमद ने कहा कि प्रस्तावित आयकर में जीएसटी के बारे में ज्यादा चर्चा नहीं हुई, क्योंकि जीएसटी परिषद की हर साल दो बार बैठक होती है। सीमा शुल्क कानून में कुछ बदलाव किए गए हैं। यह देखना होगा कि आयकर राहत पर एक लाख करोड़ रुपये गंवाने के बाद 28 लाख करोड़ का राजस्व लक्ष्य कैसे हासिल होगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि आधार या मात्रा में वृद्धि के जरिए लक्षित राजस्व हासिल किया जाएगा।

मंचेरियल में देखी गई एक और बाघिन

मंचेरियल, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को कासिपेट मंडल के डुब्बागुडेम गांव के जंगलों में एक और बाघिन देखी गई, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर, बाघ के देखे जाने के स्थान का निरीक्षण करने वाले वन अधिकारियों ने कहा कि बेलमपल्ली डिवीजन में घूम रही एक मादा बाघ शायद इलाके की तलाश में कासिपेट की ओर चली आई है। उन्होंने कहा कि कुमराम भीम आसिफाबाद जिले से संबंधित बाघ कुछ सप्ताह पहले जिले में भटक गया था।

अधिकारियों ने आगे कहा कि प्रवासी बाघ की सुरक्षा और मार्ग सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने बाघ की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए पशु ट्रैकर लगाए हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक और बाघिन पहले से ही काफी समय से मंचेरियल डिवीजन के जंगलों में निवास कर रही थी। उन्हें उम्मीद थी कि दो मादा बाघ जिले के जंगलों में नर बाघों को आकर्षित कर सकती हैं, जिससे क्षेत्र में बाघों की आबादी बढ़ जाएगी। एक नर बाघ पड़ोसी कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में रह रहा है।

कृषि बाजार में मिला मिल से जब्त धान का स्टॉक

सूर्यापेट, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गद्दीपल्ली गांव में चावल मिल से जब्त धान का स्टॉक मंगलवार को सूर्यापेट कृषि बाजार में मिला, जिससे कई लोगों की भौंहें तन गईं। मिल द्वारा दो साल पहले अवैध रूप से संग्रहीत धान को उसी ट्रक में बाजार में ले जाया गया था, जिसे पहले मिल के साथ जब्त किया गया था। अपनी अनियमित प्रथाओं के लिए जानी जाने वाली मिल काफी समय से नागरिक आपूर्ति अधिकारियों की जांच के दायरे में थी।

जब्त धान पिछले कुछ महीनों से रहस्यमय तरीके से छोटे-छोटे अंतराल पर गायब हो रहा था। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने दावा किया कि धान किसानों से ताज़ा खरीदा गया था और बाजार में पहुंचाया गया था। हालांकि, वे इस बात पर चुप रहे कि जब्ती के निशान वाली बोरियों का इस्तेमाल धान पहुंचाने के लिए कैसे किया जा सकता है? इस प्रकरण पर स्थानीय नागरिक आपूर्ति अधिकारियों से उनकी प्रतिक्रिया जानने के प्रयास अब तक असफल रहे हैं।

चोरी के आरोप में 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महांकाली पुलिस ने ओल्ड भोईगुडा के कंजरगुडा में दीप इंजीनियरिंग कंपनी में दर्ज चोरी के मामले को सुलझाया और मंगलवार को तीन सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया। 28.6 लाख रुपये की नकदी और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए।

गिरफ्तार किए गए लोगों में महाराष्ट्र के कपड़ा व्यापारी मुरलीधर मोहनलाल शर्मा, उत्तर प्रदेश के कपड़ा व्यापारी चंद्रभान पटेल और उत्तर प्रदेश के चौकीदार उदयराज सिंह शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, तीनों ने कबूल किया कि वे पहले सिकंदराबाद इलाके में कपड़ा व्यवसाय करते थे। लॉकडाउन के दौरान उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ और वे दिवालिया हो गए। स्थानीय व्यवसायों और क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नकदी लेनदेन की जानकारी के साथ, उन्होंने अपराध को अंजाम देने के लिए इस स्थान को चुना। 1 फरवरी को तड़के, वे कंपनी में घुस गए और नकदी लेकर फरार हो गए। एक शिकायत के आधार पर, पुलिस ने विशेष टीमों को तैनात किया, जिन्होंने लॉज की जांच, मोबाइल नेटवर्क के टावर डंप और सीसीटीवी फुटेज की सावधानीपूर्वक जांच की।

पुलिस एक अपराधी को पकड़ने में सफल रही और उसका पीछा करते हुए अन्य आरोपियों को सिकंदराबाद के सितारा लॉज में पकड़ लिया गया, जहां अपराधियों ने शरण ली थी। पूछताछ करने पर आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने अपने कर्ज चुकाने के लिए आसानी से पैसे कमाने के लिए यह अपराध किया था।

प्रारंभिक कुंजी को चुनौती देना छात्रों को पड़ेगा महंगा

प्रत्येक आपत्ति पर 500 रुपये का शुल्क लगाने का फैसला

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) की प्रारंभिक कुंजी को चुनौती देना छात्रों के लिए महंगा सौदा होगा। इस साल से, तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद ने ईएपीसीईटी सहित सभी तेलंगाना कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के लिए प्रारंभिक कुंजी के खिलाफ उठाई गई प्रत्येक आपत्ति पर 500 रुपये का शुल्क लगाने का फैसला किया है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र ईएपीसीईटी के 10 प्रश्नों के उत्तरों को चुनौती देता है, तो उसे 5,000 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, यदि कोई छात्र प्रवेश परीक्षा में दिए गए सभी 160 प्रश्नों के उत्तरों को चुनौती देता है, तो उसे 80,000 रुपये का भुगतान करना होगा।

अभी तक, आपत्ति उठाने के लिए इस तरह के शुल्क की आवश्यकता नहीं थी। इस निर्णय से विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों के बीच चिंता पैदा होने की संभावना है। इसके अलावा, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी की तुलना में, जहां चुनौती शुल्क 200 रुपये प्रति उत्तर है, तेलंगाना का निर्णय असामान्य रूप से अधिक लगता है।

हालांकि, यदि किसी प्रश्न के लिए चुनौती दी गई उत्तर कुंजी वैध है और विशेषज्ञ समिति द्वारा स्वीकार की जाती है, तो शुल्क वापस कर दिया जाएगा। परीक्षा प्रक्रिया के अनुसार, प्रारंभिक कुंजी के खिलाफ प्राप्त सभी आपत्तियों को विषय विशेषज्ञ समिति के समक्ष रखा जाता है, जो उनकी जांच करती है और अंतिम कुंजी जारी करती है।

अधिकारियों ने कहा कि यदि आपत्तियां स्वीकार की जाती हैं तो शुल्क वापस कर दिया जाएगा। यह अंतिम कुंजी की घोषणा के एक सप्ताह बाद किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य गैर-गंभीर उम्मीदवारों को हर साल प्रारंभिक कुंजी के खिलाफ बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज करने से रोकना है। पिछले साल प्रारंभिक कुंजी पर लगभग 900 आपत्तियां मिलीं।

इस बीच, ईएपीसीईटी आयोजित करने वाले जेएनटीयू-हैदराबाद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, अधिसूचना 20 फरवरी को जारी की जाएगी, पंजीकरण 25 फरवरी से शुरू होंगे और बिना विलंब शुल्क के आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल है। कृषि और फार्मेसी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 29 और 30 अप्रैल को निर्धारित है, जबकि इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा 2 से 5 मई तक आयोजित की जाएगी। दोनों परीक्षाएं इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम के 100 प्रतिशत को कवर करते हुए आयोजित की जाएंगी।

मलयप्पा की झांकी में उमड़ी भीड़

तिरुमला, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री मलयप्पा स्वामी ने मंगलवार को राधासप्तमी के पावन अवसर पर अपने भक्तों को वाहन श्रृंखला में चौथा और प्रथम अर्द्ध वाहन श्रृंखला का अंतिम वाहन प्रदान किया।

यह दिव्य वाहन दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच चार माडा सड़कों पर हुआ। श्री मलयप्पा हनुमान वाहन पर सवार होकर मंदिर की सड़कों पर धीरे-धीरे आगे बढ़े। सभी गैलरी अपनी क्षमता से भरी हुई थीं और हर इंच भक्तों से भरा हुआ था। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव, अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.